नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 174 | नई दिल्ली, बुधवार 21 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

छोटी उम्र में सारा अली खान ने कमाया बड़ा नाम पेज-12

एक नजर

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल के कनिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल 12 दिन से जारी है, जिसके बीच यह मुलाकात हुई है। हड़ताल के कारण पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने मुलाकात की एक तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

येचुरी की सेहत में सुधार

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मंगलवार को कहा कि सीने में संक्रमण के कारण अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती, पार्टी महासचिव सीताराम येचुरी की हालत में सुधार हो रहा है।

अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, 72 वर्षीय येचुरी को सोमवार शाम अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया था। वामपंथी दल ने एक बयान में कहा कि सीताराम येचुरी को सीने में संक्रमण के कारण कल शाम (19 अगस्त को) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया था। उसने कहा, ह्यह्यउनका इलाज जारी है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

बंगाल में संविधान, जान, मान-सम्मान सब कुछ खतरे में है: भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में आर जी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर के बलात्कार एवं नृशंस हत्या के मामले को लेकर राज्य सरकार पर निर्ममता की सारी सीमायें पार करने का आरोप लगाते हुये मंगलवार को कहा कि राज्य में न केवल संविधान बल्कि लोगों की जान और मान-सम्मान भी खतरे में है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कोलकाता के डॉक्टर की बलात्कार एवं नृशंस हत्या मामले को लेकर उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान सबूत मिटाने एवं घृणित घटना मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार के पक्ष में तृणमूल कांग्रेस के अमर्यादित बयान को लेकर जमकर आलोचना की। डॉ त्रिवेदी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुये कहा, ममता बनर्जी की सरकार ने निर्ममता की सारी सीमायें पार कर दी हैं। इंडिया गठबंधन की सरकार में संविधान खतरे में है। सिर्फ संविधान ही नहीं खतरे में है, बल्कि जान और जहान भी खतरे में है, और मान-सम्मान भी खतरे में है।

बदलापुर के स्कूल में बच्चियों से हैवानियत

बच्चियों के यौन शोषण से गुस्साए लोगों ने रेलवे स्टेशन घेरा, इंटरनेट बंद

मुंबई, एजेंसी। कोलकाता से लेकर महाराष्ट्र के बदलापुर तक लोगों में गुस्सा है. पूरे देश में प्रदर्शन चल रहा है. डॉक्टर अपनी सुरक्षा की मांग उठा रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट तक चिंतित हो गया. बंगाल की बेटियों की सुरक्षा की चिंता में सब जुटे ही थे कि महाराष्ट्र के बदलापुर तक बेटियों के साथ ऐसी घटना हो जाती है कि जनता सड़क पर आ जाती है. कहीं स्कूल में, कहीं सड़क पर और कहीं बस में, कहीं अस्पताल में बदनीयती के महिषासुर का अत्याचार बेटियां सह रही हैं. बेटियों को शक्ति मानने वाले देश में बार-बार बेटियां अपनी सुरक्षा के लिए शक्ति मांगते पूछती हैं कि आखिर कब उनके लिए सुरक्षा की ढाल उठाई जाएगी.

जहां एक ओर कोलकाता में लेडी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस को लेकर पूरा देश गुस्से में है. तो ऐसे में ही महाराष्ट्र से भी दिल दहलाने वाली खबर सामने आ गई. महाराष्ट्र के बदलापुर में आम जनता विरोध प्रदर्शन कर रही है और ये दोनों विरोध-प्रदर्शन (कोलकाता और बदलापुर) एक ही मुद्दे को लेकर हो रहे हैं और वो है, लड़कियों का यौन शोषण. यानी कोलकाता से बदलापुर तक कुछ नहीं बदला है.

बदलापुर के एक स्कूल में 4 साल की दो बच्चियों के साथ ऐसी घिनौनी हरकत हुई कि आज वहां हजारों लोगों की भीड़ ने एक रेलवे

स्टेशन को बंधक बना लिया. हालांकि पुलिस के लाठीचार्ज के बाद पुलिस ने रेल ट्रैक को खाली कराया और 10 घंटे बाद ट्रेन सर्विस बहाल की गई. इन लोगों का आरोप है कि उन्हें इस मामले में ऋक्षक्र दर्ज कराने के लिए 12 घंटों तक पुलिस स्टेशन में बैठाकर रखा गया और पुलिस ने पीड़ित परिवारों के साथ ऐसा सलूक किया, जैसे उन्हीं ने कोई अपराध किया हो. इसी का बदला लेने के लिए आज ये हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और इन गुस्साए लोगों ने महाराष्ट्र के बदलापुर रेलवे स्टेशन को बंधक बना लिया और स्थिति ये हो गई कि पुलिस को इस रेलवे स्टेशन को बंद कराना पड़ा.

फडणवीस ने एसआईटी को सौंपी जांच

बदलापुर स्कूल में बच्चियों से छेड़छाड़ की घटना को संज्ञान में लेते हुए उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी है। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने स्पेशल आईजी की आरती सिंह को एसआईटी का चीफ बनाया है। तो वहीं दूसरी तरफ इस घटना को लेकर बदलापुर में आक्रोश है। प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों और लोगों को रेलवे ट्रैक से हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने स्कूल में तोड़फोड़ भी की।

स्कूल ने प्रिंसिपल समेत तीन को हटाया

अभिभावकों के कड़े विरोध के बाद स्कूल ने अपने प्रिंसिपल, क्लास टीचर और एक महिला अटेंडेंट को निलंबित कर दिया, तो वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में देरी के लिए एक अधिकारी का तबादला कर दिया। अभिभावकों के प्रदर्शन के बाद पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मामले को तेजी से निपटाने और स्कूल में सुरक्षा उपाय बढ़ाने का वादा किया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी को एक अगस्त को स्कूल में काम पर रखा गया था। पुलिस ने उसे अरेस्ट करके कोर्ट से 21 अगस्त तक के लिए रिमांड लिया है।

क्या बोले स्कूली शिक्षा मंत्री

बदलापुर की घटना के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने राज्य के सभी स्कूलों में विशाखा समिति व सखी सावित्री समिति के गठन के आदेश दिए. बता दें कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से आठ महीने पहले ही इन समितियों के गठन के आदेश दिए गए थे, लेकिन अभी भी कुछ स्कूलों में इसका पालन नहीं किया गया है. इस घटना के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री ने कहा है कि अगर सभी स्कूलों में इस आदेश का पालन नहीं होता है, तो इसके लिए ब्लॉक अधिकारियों को जिम्मेदार माना जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. साथ ही इस आदेश का पालन नहीं करने वाले स्कूलों को नोटिस भी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं.

स्कूलों में लगेंगे शिकायत बॉक्स

स्कूली शिक्षा मंत्री केसरकर ने कहा कि सरकार ने सभी स्कूलों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य कर दिया है. राज्य के सभी स्कूलों में शिकायत बॉक्स लगाया जाएगा. इसके अलावा, स्कूलों में गुड टच और बैड टच की पहचान के लिए विशेष क्लासेज आयोजित की जाएंगी. इसके लिए सरकार कुछ एनजीओ की मदद भी लेगी. केसरकर ने यह भी कहा कि सरकार इस घटना को बहुत गंभीरता से ले रही है.

क्यों फूटा अभिभावकों का गुस्सा?

स्कूल में चार साल की बच्चियों के साथ गंदी हरकत के खुलासे के बाद अभिभावकों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि स्कूल ने सुरक्षा को हल्के में लिया। स्कूल ने घटना के खुलासे के बाद भी कोई माफी नहीं मांगी। स्कूल प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटना को रोकने के लिए कोई आश्वासन नहीं दिया। पुलिस की जांच में स्कूल प्रबंधन की ओर से कई खामियां और लापरवाही सामने आई हैं। इसके बाद अभिभावकों को गुस्सा फूट पड़ा।

राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने उम्मीदवारों का किया ऐलान

दीपक कुमार तिवारी

पटना। सात राज्यों की 10 राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव चुनाव को लेकर आज 20 अगस्त को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर बीजेपी की बड़ी बैठक हुई. इस बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर मंथन हुआ। चुनाव के लिए नामांकन का कल आखिरी दिन है. आखिरी दिन से ठीक पहले बीजेपी ने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है. बिहार में रास की दो सीटों पर चुनाव हो रहे हैं. मनन कुमार मिश्रा को बिहार से रास का उम्मीदवार बनाया गया है. मनन कुमार मिश्रा गोपालगंज के रहने वाले हैं और सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील हैं. वर्तमान में बार कौंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन के पद पर हैं. वहीं, दूसरी सीट से उपेन्द्र कुशवाहा एनडीए के उम्मीदवार होंगे. भाजपा ने कुल 9 प्रत्याशियों के नाम की सूची जारी की है.

बार कॉउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष व वरीय अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा को भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सभा उम्म्मीदवार बनाया है। वे पटना हाईकोर्ट में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस की। बाद में बिहार राज्य बार कॉउन्सिल के सदस्य चुने गये। वे बार कॉउन्सिल ऑफ इंडिया में

बिहार राज्य बार कॉउन्सिल के प्रतिनिधि बने। वे रिकॉर्ड बार बार कॉउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे और वर्तमान में इस पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने भाजपा से जुड़ कर दल के लिए कार्य करते रहे हैं।

बता दें, 21 अगस्त को नामांकन का अंतिम दिन है. स्क्रूटनी 22 अगस्त को और 27 अगस्त तक नाम वापसी का समय दिया गया है. दो से अधिक उम्मीदवार होने पर 3 सितंबर को वोटिंग होगी. उसी दिन शाम 5:00 बजे से मतगणना का कार्यक्रम तय है. बता दें, मीसा भारती के रास का कार्यकाल 7 जुलाई 2028 और विवेक ठाकुर का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 को खत्म हो रहा था. इसके पहले ही दोनों लोकसभा का चुनाव जीत गए। मीसा भारती पाटलिपुत्र लोस सीट से सांसद बनी हैं, वहीं विवेक ठाकुर नवादा सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं.

'डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या': सुप्रीम कोर्ट ने 22 तक मांगी रिपोर्ट

राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने के लिए 10 सदस्यीय कार्यबल गठित किया

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या मामले की मंगलवार को 'स्वतः संज्ञान' सुनवाई करते हुए चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर एक राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार के लिए 10 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्य बल का गठन किया।

शीर्ष अदालत ने कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज की 31 वर्षीया स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में आज केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अलावा पश्चिम बंगाल सरकार को अलग-अलग जांच प्रगति विवरण 22 अगस्त तक पेश करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज

मिश्रा की पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि यह कार्य बल चिकित्सा से संबंधित पेशेवरों की सुरक्षा, भलाई और अन्य संबंधित मामलों पर गौर करेगी।

पीठ ने मामले की जांच कर रही सीबीआई को जांच की प्रगति का विवरण 22 अगस्त तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। इसके अलावा राज्य सरकार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में उस महिला डॉक्टर की कथित हत्या के बाद वहां 14-15 अगस्त को हुई तोड़फोड़ घटनाओं की जांच प्रगति का विवरण 22 अगस्त तक प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार को कथित सुस्त और लापरवाह रवैये के लिए फटकार लगाई। न्यायालय ने कहा कि राज्य सरकार को सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहिए। अदालत ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में उपद्रव करने वाले आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

शीर्ष अदालत ने 18 अगस्त 2024 को 'स्वतः संज्ञान' मामला दर्ज किया था। नौ अगस्त 2024 को अस्पताल की ड्यूटी के दौरान उस महिला डॉक्टर के साथ कथित तौर पर शर्मसार करने वाली घटना हुई थी। इस मामले को लेकर चल रहे देशव्यापी डॉक्टरों के आंदोलन के दौरान 14-15 अगस्त की दरमियानी रात को उसी सरकारी मेडिकल कॉलेज-अस्पताल पर अज्ञात लोगों की भीड़ ने हमला किया, जिसमें उसके इमरजेंसी वार्ड को काफी नुकसान पहुंचाया गया था।

महिला प्रशिक्षु डॉक्टर की कथित हत्या के इस मामले के विरोध में कोलकाता, दिल्ली समेत देशभर के डॉक्टर लगातार जगह-जगह धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसी बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को मामले की जांच करने का निर्देश दिया था। पीड़िता के माता-पिता समेत कुछ अन्य लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद कार्रवाई करते हुए अदालत ने यह आदेश पारित किया था।

शेष पेज 2 पर

वंशवादियों ने कब्जाई देश की राजनीति, जमीनी नेतृत्व का टोटा

कार्यकर्ताओं को समझा जाने लगा है गुलाम, विचारधारा पर हावी हो रहे दाम

- लोकतंत्र में पैदा किया जा राजतंत्र
- देश को नहीं मिल पा रहा जमीनी और जुझारू नेतृत्व, विकल्प न होने की वजह से जनता का मजबूरी बना नाकारा नेताओं को ढोना

चरण सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले ही दिखावे में कहा हो पर यदि देश की राजनीति को वंशवाद और परिवारवाद से परे 100000 युवा गए तो वंशवादियों के कब्जे से राजनीति को काफी हद तक छुड़ाया जा सकता है। ऐसे ही प्रख्यात पत्रकार रहे कुलदीप नैयर ने वंशवाद की राजनीति को देश के लिए घातक नहीं बताया था ? वंशवाद की राजनीति से देश में नेतृत्व का लगातार अभाव होता जा रहा है।

दरअसल वंशवाद पर टिकी राजनीति न केवल देश को जमीनी और जुझारू नेतृत्व मिलने में बाधक साबित हो रही बल्कि विकास भी प्रभावित हो रहा है। वंशवाद पर टिके दल प्राइवेट कंपनी बन कर रह गए हैं। कार्यकर्ता इन पार्टियों के मुखिया के लिए गुलाम जैसे हैं। ये दल अपने परिवार को ही आगे बढ़ा रहे हैं। अपना घर भर रहे हैं। इन नेताओं को न तो देश से मतलब है और न ही समाज से, बस किसी तरह से सत्ता मिल जाये और फिर फिर सत्ता की मलाई चाटने में मस्त हो जाते हैं।

ऐसे नहीं है कि बीजेपी परिवारवाद और वंशवाद से बची हो। बीजेपी में भी जमकर वंशवाद और परिवारवाद हो रहा है। हां बीजेपी पर अभी तक पूरी तरह से किसी वंशवादी या फिर परिवारवादी नेता का कब्जा नहीं हो पाया है। उसकी बड़ी वजह आरएसएस का हस्तक्षेप रहा है। दरअसल ये वंशवादी और परिवारवादी देश में जमीनी नेतृत्व नहीं उभरने दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद और बिहार पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव देश का सबसे बड़ा उदाहरण है। चंद्रशेखर आजाद को अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने एन मौके पर धोखा दे दिया। चंद्रशेखर आजाद ने अपनी पार्टी से चुनाव जीतकर अपने को साबित किया। आजाद समाज पार्टी से चंद्रशेखर का लड़ना एक तरह से निर्दलीय ही माना गया है।

ऐसा ही पप्पू यादव के के साथ किया गया। लालू प्रसाद यादव ने पहले पप्पू यादव की पार्टी का विलय कॉग्रेस में करा दिया और बाद में मीसा भारती को अपनी पार्टी से चुनावी मैदान में उतार दिया। अब दोनों नेता सांसद हैं तो वंशवादी नेता इन्हें पचा नहीं पा रहे हैं।

कहना गलत न होगा कि देश की राजनीति को कुछ परिवारों ने कब्जा रखा है। देश की राजनीति गिने चुने परिवारों इर्द-गिर्द घूम रही है। ये राजनीतिक परिवार सत्ता में आकर अपने परिवारों, रिस्तेदारों और कुछ खास धन कुबेरों तक ही सीमित रह जा रहे हैं। विकल्प न होने का फायद इन परिवारों को हो रहा है।

ऐसे में यदि बात कांग्रेस की करें तो इस परिवार पर नेहरू परिवार को कब्जा रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू, उनके बाद इंदिरा गांधी, फिरोज गांधी, संजय गांधी फिर राजीव गांधी- सोनिया गांधी और अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी। राबर्ट वाड्रा लाइन में। मेनका गांधी और वरुण गांधी भाजपा में।

ऐसा नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी वंशवाद से बची हुई है। भारतीय जनता पार्टी में

राजमाता, माधव राजे सिंधिया(कांग्रेस), विजयराजे सिंधिया, वसुंधरा राजे, दुष्यंत सिंह, यशोधरा राजे सिंधिया, ज्योतिरादित्य सिंधिया, राजनाथ सिंह उनके पुत्र पंकज सिंह दूसरे पुत्र नीरज सिंह,

प्रेम कुमार धूमल, उनके पुत्र अनुराग ठाकुर, लाल जी टंडन, आशुतोष टंडन

अमित टंडन, यशवंत सिन्हा उनके पुत्र जयंत सिन्हा, कल्याण सिंह उनके पुत्र राजवीर सिंह राजू भैया, प्रेमलता, संदीप सिंह, ये सभी वंशवाद को आगे बढ़ा रहे हैं।

कभी बीजेपी की सहयोगी पार्टी रही शिरोमणि अकाली दल में प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल, हरसिमरत कौर बादल, अधेश प्रताप सिंह बादल और मनप्रीत सिंह बादल।

शेष पेज 2 पर

राजीव गांधी के सपनों को पूरा करूंगा: राहुल गांधी

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निमार्ता बताते हुए उन्हें जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि कांग्रेस उनके सपनों को पूरा करेगी।

कांग्रेस पार्टी तथा पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की 80वीं जयंती पर आज उन्हें याद कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि पार्टी उनके सपनों को पूरा करेगी

श्री गांधी ने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, "एक करुणामय व्यक्तित्व, सौहार्द और सद्भावना के प्रतीक पापा, आपकी सीख मेरी प्रेरणा है और भारत के लिए आपके सपने मेरे अपने-आपकी यादें साथ ले कर इन्हें पूरा करूंगा।"

श्री खडगे ने कहा, "राजीव गांधी के जीवन के कार्यों का सबसे बड़ा स्मारक भारत की सहानुभूति, उपचार और मेल-मिलाप की अंतर्निहित संस्कृति को पुनर्जीवित करना, बौद्धिक स्वतंत्रता, तकनीकी नवाचार और युवा सशक्तीकरण को बढ़ावा देना होगा।"

शेष पेज 2 पर

बारिश से हुए जलभराव में वाहन चालक फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में मंगलवार सुबह हुई बारिश के चलते कई स्थानों पर जलभराव से वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ा। सुबह के समय दफ्तर जाने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस ने कई रास्ते बंद कर वाहनों को दूसरे रास्तों पर डाइवर्ट करना पड़ा। लालकिला स्थित मांगी ब्रिज, कनॉट प्लेस स्थित मिंटो ब्रिज, बाहरी रिंग रोड पर भैरों एनक्लेव से पीड़ा गढ़ी तक दोनों दिशाओं में सड़क पर पानी भर गया। इस वजह वाहन चालकों को काफी दिक्कत हुई। छत्ता रेल चौक स्थित ब्रिज के नीचे पानी भरने से लगभग दो घंटे तक वाहनों की आवाजाही बंद करनी पड़ी। वाहनों को दूसरे रास्तों पर भेजा गया। निगम बोध घाट पर भी सड़क के दोनों तरफ जलभराव होने से ट्रैफिक पुलिस की ओर से वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों से निकालने की सलाह दी गई। रोहतक रोड पर आनंद पर्वत में बारिश का पानी भरने से वाहनों को दूसरे मार्गों पर भेजा गया। आजाद मार्केट स्थित रेलवे अंडर ब्रिज के रास्ते को भी करीब दो घंटे तक यातयात के लिए बंद करना पड़ा।

जलभराव के कारण मजनू का टीला स्थित चौधरी फतेह सिंह मार्ग भी बंद करना पड़ा। पंप की मदद से बारिश का पानी निकाला गया। इस दौरान आसपास की सड़कों पर जाम की समस्या देखने को मिली।

रोहतक रोड पर मुंडका के पास दो फीट से ज्यादा पानी सड़क पर भरने से वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। ट्रैफिक पुलिस ने कड़ी मशक्क्त के बाद जाम खुलवाया। राजघाट और टीकरी बॉर्डर के पास भी पानी भरने से वाहन चालक जाम में फंसे रहे। सड़क धंसने से रास्ता बंद : पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास बारिश के चलते सड़क धंस गई। यह घटना छत्ता रेल चौक से पीली कोठी जाने की दिशा में रेलवे स्टेशन के सामने हुई। इसके चलते इस मार्ग को यातायात के लिए बंद करना पड़ा। दिनभर जाम की समस्या बनी रही। ट्रैफिक पुलिस की ओर से संबंधित एजेंसियों को मरम्मत के लिए कहा गया है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की। आईटीओ इलाके में भरा पानी दिल्ली के आईटीओ इलाके में गाड़ियां रेंगती नजर आ रही हैं। यहां सड़कों पर बहुत ज्यादा पानी भर गया है। पैदल चलने वालों के लिए ये बारिश मुसीबत बन गई है। जाम हुआ कनॉट प्लेस दिल्ली के कनॉट प्लेस मे जाम के हालात बने हुए हैं। यहां पानी भरने के बाद गाड़ियों की गति पर विराम लग गया है। यहां बारिश में एंबुलेंस खराब हो गई। जिसे एंबुलेंस चालक ठीक करता हुआ दिखाई पड़ रहा है लेकिन बारिश के पानी में एंबुलेंस चलने की स्थिति में नजर नहीं आ रही। वहीं अन्य गाड़ियां भी थमी हुई दिख रही हैं। आश्रम रोड पानी-पानी दिल्ली के लगभग तमाम इलाकों में ऐसे ही हालात हैं। आश्रम रोड पर गाड़ियों की रफ्ताम धीमी है। यहां भी भारी मात्रा में जलजमाव नजर आ रहा है। फिर डूबा मिंटो रोड कभी डीटीसी बस डूबी, कभी ट्रक डूबा, तो कभी गाड़ी डूबी लेकिन आज मिंटो रोड पर ऑटो डूब गया, हर बारिश में बाढ़ जैसी दशा झेलने वाला मिंटो रोड आज फिर लबालब पानी से भरा हुआ है। इस बार यहां एक ऑटो इस पानी में डूब गया है। शास्त्री नगर इलाके में लगा भीषण जाम बारिश के बाद दिल्ली के शास्त्री नगर इलाके में भीषण जाम लग गया। इस जाम में सैंकड़ों गाड़ियां रेंगती नजर आईं। कई किलोमीटर लंबे जाम में लोग घंटे फंसे रहे।

दिल्ली में पिछले 24 घंटे में हुई इतनी बारिश

रिज एरिया-72.4 मिमी.
सफदरजंग-28.7 मिमी.
लोधी रोड-25.6 मिमी.
आया नगर-2.2 मिमी.
पालम-2.0 मिमी.

जॉर्ज फर्नांडिस की विचारधारा से ही हो सकता है जम्मू कश्मीर का कल्याण : शकील सैफी

नई दिल्ली, एजेंसी। समता पार्टी ने जम्मू कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और पूर्व सांसद प्रत्याशी शकील अहमद सैफी ने आज एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी कि समता पार्टी जम्मू कश्मीर के चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है, और हम 90 की 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए सक्षम हैं। जम्मू कश्मीर में इस पार्टी का संगठन बहुत तेजी से बढ़ रहा है और हमें उम्मीद है कि जम्मू कश्मीर में अगली सरकार समता पार्टी की होगी।

इस मौके पर शकील अहमद ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उदय मंडल जी और उपाध्यक्ष संजीव भारद्वाज जी की कोशिशों से यह संभव हो रहा है और हमें उम्मीद है कि पूरे देश में समता पार्टी की मशाल जलेगी।

31 साल से दीपक गाबा के घर रक्षाबंधन मनाने पहुंचती है सैकड़ों महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। हैडलाइन पढकर आप सोच रहे होंगे भला ऐसे कैसे हो सकता है त्यौहार के दिन इतनी बड़ी संख्या में महिलाये अपने घर का त्यौहार छोड़ कैसे किसी दूसरे के घर पहुंच कर रक्षाबन्धन जैसा पवित्र पर्व मनाने पहुंचती है। लेकिन यह सत्य है कि एक दो साल से नहीं बल्कि पूरे 31 साल से लगातार ऐसा हो रहा है। जी हाँ यह उत्सव मनाया जाता है विशवास नगर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे स्व.मदन लाल गाबा के घर। श्री गाबा के पुत्र दीपक गाबा जो कि शाहदरा जिला भाजपा के महामंत्री भी हैं ने बताया उनके स्व.पिता मदन लाल गाबा नें यह सिलसिला 1993 में शुरू किया था। उस वक्त मदनलाल गाबा इस त्यौहार को मनाने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र के तहत झुग्गी बस्तियों में महिलाओं के घर जाया करते लेकिन कुछ साल बाद श्री गाबा नें

यह आयोजन अपने निवास स्थान पर करना शुरू कर दिया। श्री गाबा अपने घर झुग्गी बस्ती की महिलाओं को आमंत्रित कर उनसे राखी बंधवाने के बाद तमाम मौजूद महिलाओं को उपहार देते थे और सभी के लिए खाने-पीने का इंतजाम भी किया करते। धीरे धीरे यह संख्या बढने लगी और कारवां बढ़ता गया। दीपक गाबा बताते है 19 98 में उनके पिताश्री का स्वर्गवास हो गया उसके बाद उन्होंने इस पवित्र कार्य की बागडोर सम्भाली और तभी से वे और उनके परिवार के सदस्य यह आयोजन हर रक्षाबन्धन को करते है। दीपक गाबा कहते है सेवा बस्ती की बहनों के साथ रक्षाबन्धन मनाना ना केवल उन्हें अपितु उनके परिवार को बहुत अच्छा लगता है।

वे बताते हैं इस मौके पर बहनों की इन्तजार में उनका पूरा परिवार रहता है और उनकी पसंद के भोजन की व्यवस्था की जाती है। जो कुछ हमसे बन पाता है उपहार भी दिए जाते है। दीपक गाबा कहते हैं भाई-बहन के असीम प्रेम व अटूट रिश्ते के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व की उन्हें सावन शुरू होते ही इन्तजार होने लगती है और हर साल कुछ नया हो यह हमारा प्रयास रहता है। दीपक गाबा कहते हैं बहनों के साथ हमारा रिश्ता केवल रक्षाबन्धन के दिन ही नहीं रहता बल्कि हम साल भर बहनों की सलामती की दुआ करते हैं और सभी के सुख-दुःख में शामिल होने का प्रयास करते है।

मिंटो ब्रिज अंडरपास में पानी भरने से स्कूल बस फंसी, तीन बच्चों को बचाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में मंगलवार सुबह बारिश के बाद मिंटो ब्रिज अंडरपास में जलभराव के कारण फंसी एक स्कूल बस से तीन बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंडरपास में एक आटो रिक्शा भी फंस गया। अधिकारियों के अनुसार, बचाव दल शीघ्र मौके पर पहुंच गए और इनमें से किसी भी घटना में कोई घायल नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि पंप की मदद से पानी बाहर निकाला जा रहा है।

मिंटो ब्रिज अंडरपास में अक्सर बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न जाती है। जुलाई 2020 में यहां एक व्यक्ति की डूबकर मौत हो गई थी क्योंकि उसका छोटा ट्रक अंडरपास में फंस गया था। दिल्ली में मंगलवार सुबह भारी बारिश हुई, जिससे शहर के अधिकतर हिस्से जलमग्न हो गए और यातायात बाधित हो गया।

आजादी की जंग से नहीं जेल यात्रा से लौटे हैं मनीष सिसोदिया : सुनील कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भ्रष्टाचारी उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जेल से बाहर आने के बाद खुद को आंदोलनकारी साबित करने का प्रयास कर रहे हैं जबकि ना केवल दिल्ली अपितु देश की जनता यह जान चुकी है करोड़ों रुपए के भ्रस्टाचार के आरोप में जेल से उन्हें केवल जमानत मिली है ना की उन पर लगे आरोपों से मुक्ति। यह कहना है दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष सुनील कुमार का। सुनील कुमार कहते है आबकारी घोटाले के रचयिता खुद को देशभक्त कहते है उन्हें शर्म आनी चाहिए। लेकिन आम आदमी पार्टी आकंठ भ्रस्टाचार में डूबने का बावजूद खुद को जनता के सामने हीरो बनाकर पेश कर रही है लेकिन जनता की आँखों में धूल नहीं झोंकी जा सकती। सुनील कुमार कहते हैं काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ा करती। देश की जनता इनकी असलियत समझ चुकी है आधे से ज्यादा मंत्री भ्रस्टाचार के गंभीर आरोप झेल रहे हैं। सुनील कुमार कहते हैं आम आदमी पार्टी, उसके मुखिया अरविन्द केजरीवाल उनके सहयोगी मनीष सिसोदिया व मंत्रीमंडल में अब तक रहे सदस्यों की भ्रष्टाचार की साजिश केवल शराब घोटाले तक ही सीमित नहीं है। दिल्ली की जनता सब कुछ अच्छी तरह जानती है, मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाकर पदयात्रा करके सहानुभूति लेने की कोशिश कर रहे है ताकि आगामी विधानसभा चुनावों में एक बार फिर जनता को गुमराह करके सत्ता हथिया सके।

ओल्ड राजेंद्र नगर की स्थिति में नहीं आया कोई बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बीते जुलाई माह में ओल्ड राजेंद्र नगर में हुए हादसे के बाद भी विभागों ने कोई सबक नहीं लिया है। मंगलवार को हुई बारिश के बाद यहां जलभराव हो गया। स्थानीय निवासी तरुण ने बताया जिस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हादसा हुआ था, उसके पास फिर से काफी पानी भर गया। कोचिंग सेंटर तक 1.2 किलोमीटर लंबा नाला जमीन के नीचे बना हुआ है। इसकी खराब स्थिति के संबंध में कई बार लोगों ने सवाल खड़े किए हैं। साथ ही नाले के नियमित रखरखाव और मरम्मत कार्य को लेकर भी विभागों को बोला है, लेकिन मंगलवार को हुई बारिश के बाद फिर लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ा। वहीं, उत्तर पश्चिमी दिल्ली के बेगमपुर इलाके में दो सप्ताह से अधिक समय से लोग जलभराव की समस्या से परेशान हैं। कई बार विभागों को शिकायतें भी की। आरडब्ल्यूए सदस्यों ने पत्र भी लिखा, लेकिन कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। इससे नागरिक परेशान हो गए हैं। सिविक सेंटर के पास जलभराव : एलएनजेपी और जीबी पंत अस्पताल से होते हुए दिल्ली नगर निगम मुख्यालय, सिविक सेंटर की तरफ जाने वाले सड़क मार्ग में मंगलवार को सड़क पर पानी भर गया। इसी रूट पर टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया का कार्यालय भी स्थित है। इस सड़क मार्ग में घुटनों तक बारिश के बाद पानी भर गया। इसके बाद दोपहर 3.30 बजे के दौरान पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों ने पंपों के जरिए पानी को निकालने की प्रक्रिया शुरू की।

आधुनिक भारत के निर्माण में राजीव गांधी का योगदान हमेशा किया जाएगा याद: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवा कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर "हम में है राजीव" विशाल समागम कार्यक्रम का आयोजन किया। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी और राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता श्रीनिवास बी.वी ने कहा कि स्व. राजीव गांधी भारत के लाल थे। अपने दृढ़ इरादों से उन्होंने भारत का मान बढ़ाया। राजीव गांधी सदैव जिंदा रहेंगे, इस देश के विकास में, प्रगति में, एकता में, अखंडता में और हम सभी के दिलों में। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के वास्तुकार थे, जिन्होंने भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया। उनकी दूरदर्शिता का फायदा देश आज भी उठा रहा है। उनकी दूरदर्शिता ने ही भारत को मजबूत, आधुनिक राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा किया है। श्रीनिवास बी.वी ने कहा कि राजीव गांधी आज भी हम सबके साथ है। 40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव रखने की दिशा में काम किया।

उनको डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक व दूरसंचार क्रांति का जनक कहा जाता है। उनकी पहल पर भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना हुई। शहर से लेकर गांवों तक दूरसंचार का जाल बिछना शुरू हुआ। जिससे गांव की जनता भी संचार के मामले में देश-दुनिया से जुड़ सकी। राजीव गांधी की नजर में देश में वोट देने की उम्र सीमा पहले 21 साल थी जो गलत थी। उन्होंने 18 वर्ष की उम्र के युवाओं को मताधिकार देकर उन्हें देश के प्रति और जिम्मेदार तथा सशक्त बनाने की पहल की।

पेज एक का शेष

'डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या' : सुप्रीम कोर्ट ने 22 तक मांगी रिपोर्ट

सीबीआई ने दिल दहलाने वाली घटना में ?उस मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष से भी पूछताछ की है। कोलकाता पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था।

वंशवादियों ने कब्जाई देश की राजनीति, जमीनी नेतृत्व का टोटा

ऐसे ही शिव सेना में बालासाहेब ठाकरे, उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और राज ठाकरे। हालांकि अब दो पार्टी हो गई हैं। डीएमके में एम करुणानिधि, एम. के. स्टालिन, एम. के. अलागिरी, दयानिधि अझगिरी कनिमोई, मुरासोली मारन, दयानिधि मारन और कलानिधि मारन।

ऐसे ही नेशनल कांफ्रेंस में शेख अब्दुल्ला, बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला, फारुख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और गुलाम मोहम्मद शाह।

राष्ट्रीय लोक दल में चौधरी चरण सिंह, चौधरी अजीत सिंह, जयंत चौधरी, सरोज सिंह, ज्ञानवती, और चारु चौधरी। बीजू जनता दल में बीजू पटनायक, नवीन पटनायक और गीता मेहता। ऐसे ही राष्ट्रीय जनता दल में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती, रागनी आचार्य, साधु यादव और सुभाष यादव।

समाजवादी पार्टी में भी यही हाल है। मुलायम सिंह यादव, रामगोपाल यादव, शिवपाल यादव, रणवीर यादव, अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, अदित्य यादव, अक्षय यादव, तेज प्रताप यादव, अनुराग यादव। अर्पणा यादव बीजेपी में। आजम खां, तंजीम बेगम और अब्दुल्ला आजम। मुन्नवर हसन, तबस्सुम हसन, नाहिद हसन और इकरा हसन।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शरद पवार, सुप्रिया सुले, और अजित पवार। अजित पवार अब अलग हो गए हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में ओमप्रकाश राजभर, उनका बेटा अनिल राजभर पार्टी का महामंत्री व 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ा। आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन में अब्दुल वाहिद ओवैसी, सलाहुद्दीन ओवेशी, असदउद्दीन ओवैसी, अकबरुद्दीन ओवैसी।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी में हनुमान बेनीवाल और नारायण बेनीवालै इंडियन नेशनल लोक दल में ताऊ देवीलाल, ओमप्रकाश चौटाला, रणजीत चौटाला, अजय चौटाला, अभय चौटाला, नैना चौटाला, दुष्यंत चौटाला, दिग्विजय चौटाला, कांता चौटाला, आदित्य चौटाला, करण चौटाला, अर्जुन चौटालौ अब दो पार्टी बन गई हैं। निषाद राज पार्टी में संजय निषाद मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार प्रवीण निषाद सांसद। अपना दल में अनुप्रिया पटेल मंत्री और आशीष पटेल। अपना दल कमेरावादी में कृष्णा पटेल और उनकी बेटी पल्लवी पटेल। जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) में मुफ़्ती मौहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती।

बहुजन समाज पार्टी में मायावती, उनके भाई आनंद, भतीजे आकाश आनंद। तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी।

राजीव गांधी के सपनों को पूरा करूंगा : राहुल गांधी

उन्होंने कहा, "यह एक संतुलित दृष्टिकोण के साथ हासिल किया जाएगा जो समानता के साथ पंचायती राज स्तर पर समृद्धि को जोड़ता है, जिससे एक सामंजस्यपूर्ण, समान, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र के लिए उनकी दृष्टि का सम्मान किया जाता है। राजीव गांधी जी को उनकी 80वीं जयंती पर सेंट्रल हॉल, संविधान सदन में हमारी श्रद्धांजलि।"

दिल्ली में अगले महीने से सड़कों पर दौड़ेंगी मोहल्ला बसें

ट्रायल रन की सकारात्मक रिपोर्ट के बाद लिया गया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने मोहल्ला क्लिनिकों के बाद अब राजधानी में मोहल्ला बसों को चलाने की पूरी तैयारी कर ली है। लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में उठाए गए इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से जिन दो रूटों पर मोहल्ला बसों का ट्रायल शुरू किया गया था, उसकी सकारात्मक रिपोर्ट सरकार को मिली है। जिसके बाद अब अगले महीने से मोहल्ला बस सेवा की शुरूआत की जा सकेगी। दिल्ली सरकार की ओर से शुरू की जाने वाली मोहल्ला बस सेवा के संचालन से पहले इससे संबंधित रूटों को तैयार करने की कवायद भी की जा रही है। इसमें दिल्ली मेट्रो और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही अब दिल्ली के विधायकों से भी मोहल्ला बसों के रूट को लेकर विधायकों से फीडबैक मांगा जा रहा है। दिल्ली के विधायकों से इन बसों को लेकर आने वाले फीडबैक के बाद ही सरकार इन बसों को रूट पर चलाएगी। सूत्र बताते हैं कि दिल्ली परिवहन विभाग की ओर से विधायकों को अपने-अपने इलाकों की जानकारी देने के लिए भी कहा गया है जिससे कि क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में इन मोहल्ला बसों को चलाया जा सकेगा। मोहल्ला बसों का दो रूट पर किया जा रहा है ट्रायल रन दिल्ली सरकार की ओर से जिन दो रूट पर मोहल्ला बसों का ट्रायल रन किया जा रहा है, उनमें अक्षरधाम से मयूर विहार फेज 3 तक और मजलिस पार्क से प्रधान एनक्लेव (बुराड़ी) तक का रूट शामिल है। मजलिस पार्क से प्रधान एनक्लेव तक कुल 14 स्टॉप मोहल्ला बस के लिए निर्धारित किए गए हैं। वहीं, अक्षरधाम से मयूर विहार फेस 3 तक के रोड पर 19 बस स्टॉपप बनाए गए हैं। बाकी जिन रूटों पर इन बसों को परिचालित किया जाना है, उसके अभी रूट तय होने बाकी हैं। रूट तय करने को लेकर कई स्तर पर काम किया जा रहा है।

एक नजर

ऑनलाइन हुक्का बिक्री पर कदम उठाए केंद्र : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर हुक्का और इसके प्रकारों की कथित अवैध बिक्री के खिलाफ याचिका पर तीन महीने में उचित कदम उठाए। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ कहा कि याचिकाकर्ता जगतमित्र फाउंडेशन ने अधिकारियों से संपर्क किए बिना ही जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की है।

पीठ ने केंद्र से कहा कि अगर वह अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो उचित कार्यवाही करें। पीठ ने केंद्र के वकील से कहा कि वह एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाल रहे हैं, आपको निर्णय लेना चाहिए। सरकार को प्रक्रिया का एक मानक निर्धारित करना चाहिए। इस याचिका का निपटारा इस निर्देश के साथ किया जाता है कि प्रतिवादियों की रिट याचिका को एक प्रतिनिधित्व के रूप में माना जाए। 12 सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने सहित उचित आदेश पारित कर कठोर कदम उठाए जाएं। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि सार्वजनिक स्थान पर हुक्का पीना स्वास्थ्य के लिए खतरा है। ऑनलाइन तंबाकू उत्पादों की अनियंत्रित बिक्री और प्रचार मौजूदा कानूनी ढांचे का उल्लंघन है।

दिल्ली के कई अस्पतालों को बम की धमकी मिली, तलाशी अभियान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कई अस्पतालों को मंगलवार को बम की धमकी वाले ईमेल मिले जिससे प्राधिकारियों को अस्पताल परिसरों की तलाशी शुरू करनी पड़ी।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि नांगलोई में एक अस्पताल से दोपहर एक बजकर चार मिनट पर और दिल्ली के चाणक्य पुरी स्थित प्राइमस हॉस्पिटल से दोपहर एक बजकर सात मिनट पर सूचना मिली कि उन्हें बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। उन्होंने बताया कि दमकल की गाड़ियों, बम का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने वाले दस्ते तथा पुलिस को मौके पर भेजा गया है। परिसरों की सघन तलाशी ली जा रही है। विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है।

कब्रिस्तान घूमने आई रूसी महिला का फोन छीना

नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीरी गेट स्थित लोथियन कब्रिस्तान घूमने आई रूसी महिला से बदमाश ने मोबाइल छीन लिया। यह घटना शनिवार की है। कश्मीरी गेट पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज की। जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय अक्साना रूसी दूतावास में कार्यरत हैं। वह प्राचीन इमारतों और स्थलों के विषय में जानकारी जुटाती हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अक्साना शनिवार को अंग्रेजों के समय के लोथिएन कब्रिस्तान देखने आई थीं। जब वह कब्रिस्तान की फोटो खींच रही थीं, तभी एक युवक आया और फोन छीनकर भाग गया। उसने पुलिस को सूचना दी। चूंकि पीड़िता को हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाएं नहीं आती थीं इसलिए समस्या हो रही थी। फिर पुलिस और पीड़िता रूसी दूतावास पहुंचे जहां से दुभाषिया बुलाया गया जिसके बाद पीड़िता ने अंग्रेजी में लिखकर शिकायत सलाह लेकर देने की बात कही। लेकिन कश्मीरी गेट थाना पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज कर लिया है। वहीं डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि जांच टीम कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिला है जिसके आधार पर जल्द गिरफ्तारी हो जाएगी।

दिल्ली में एक व्यक्ति ने रूसी दूतावास की कर्मचारी का मोबाइल फोन झपटा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर दिल्ली के कश्मीर गेट इलाके में लाल किले के पास एक व्यक्ति ने रूसी दूतावास की एक कर्मचारी का मोबाइल फोन झपट लिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना पिछले शनिवार को शाम करीब साढ़े चार बजे हुई जब रूसी महिला लाल किले के पीछे एक कब्रिस्तान के पास तस्वीरें खींच रही थी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक घटना के बाद रूसी कर्मचारी कश्मीरी गेट थाने पहुंची, उसने कोई बयान दर्ज नहीं कराया, लेकिन कहा कि वह वारदात के सिलसिले में एक ईमेल भेजेगी। अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 304 (2)/3/5 (झपटमारी) के तहत कश्मीरी गेट थाने में प्राथमिकी दर्ज की। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित की गई है।

सफदरजंग मंकीपॉक्स के लिए नोडल अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। मंकीपॉक्स को लेकर देशभर में बड़े स्तर पर तैयारी शुरू हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इससे निपटने के लिए सभी प्रमुख अस्पतालों में न सिर्फ बेड सुरक्षित किए जाने, बल्कि प्रमुख लैब को भी अलर्ट कर बीमारी के निदान के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली में सफदरजंग को मंकीपॉक्स के लिए नामित अस्पताल बनाया गया है। यहां मंकीपॉक्स के मरीजों के लिए आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। कहीं भी अगर मंकीपॉक्स पॉजिटिव मरीज मिलता है तो उसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती किया जाएगा। वहीं, एम्स में मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीजों के लिए पांच बेड आरक्षित किए गए हैं। अगर किसी मरीज में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखाई देते हैं या संदिग्ध मरीज आता है तो उसे इन बेड पर रखा जाएगा। अगर मंकीपॉक्स की पुष्टि हो जाती है तो मरीज को सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया जाएगा।

जेएनयूएसयू की भूख हड़ताल जारी, कल से दो दिन बंद का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) छात्रों की भूख हड़ताल जारी है। छात्र संगठन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के बाहर 23 अगस्त को विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। छात्र संगठन द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि छात्रों की तबीयत बिगड़ती जा रही है लेकिन प्रशासन और विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। छात्र संघ ने कहा है कि प्रशासन की निरंतर उपेक्षा और सहानुभूति की कमी को देखते हुए, जेएनयूएसयू ने 22 और 23 अगस्त 2024 को दो दिवसीय विश्वविद्यालय बंद का आह्वान किया है। इसके अलावा, 23 अगस्त 2024 को जेएनयू से शिक्षा मंत्रालय तक एक लंबी मार्च आयोजित की जाएगी। जेएनयूएसयू ने छात्र समुदाय से इस मार्च में शामिल होने और विश्वविद्यालय बंद का समर्थन करने का आग्रह किया है ताकि इन महत्वपूर्ण मांगों के समर्थन में और सभी छात्रों की भलाई के लिए आवाज उठाई जा सके।

घर में घुसे घोषित बदमाश की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। लाहौरी गेट इलाके में मंगलवार तड़के चोरी की नीयत से घर में घुसे एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 29 वर्षीय रमीज (परिवर्तित नाम) के रूप में हुई है। वह लाहौरी गेट थाने का घोषित बदमाश था। जांच में सामने आया है कि वह एचआईवी संक्रमित भी था। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और अवैध तरीके से घर में घुसने की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। खारी बावली में अक्षय गुप्ता का चार मंजिला मकान है। इसकी चौथी मंजिल पर अक्षय गुप्ता परिवार सहित रहते हैं, जबकि अन्य हिस्से में किराएदार रहते हैं। बताया जाता है कि करीब तीन बजे रमीज मकान की दूसरी मंजिल में घुसा और बैग चोरी कर लिया। वह बाहर निकल रहा था कि तभी अंधेरा होने की वजह से फर्श पर सो रहे एक शख्स के सिर पर पैर रख दिया।

"सोर्सिंग एट मैजिक" 2024 में हुआ शुरू

ऋषि तिवारी

दिल्ली। अमरीका के लास वेगास में "सोर्सिंग एट मैजिक" 2024 में शुरू हुआ और इसका आयोजन 21 अगस्त 2024 तक किया जाएगा। सोर्सिंग एट मैजिक, 2024 में भारतीय पवेलियन का उद्घाटन अमरीका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्य दूत डॉ. के. श्रीकर रेड्डी ने किया। इस अवसर पर अमरीका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास के वाणिज्य दूत अभिषेक शर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा ने सूचित किया कि 19 अगस्त 2024 को लास वेगास कन्वेंशन सेंटर, लास वेगास, यूएसए में हुए इस उद्घाटन के अवसर पर अमरीका में प्रतिष्ठित सदस्य निर्यातकों और व्यापार आगंतुकों की भी उपस्थिति रही। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. के. श्रीकर रेड्डी ने अन्य अधिकारियों के साथ ईपीसीएच इंडिया पवेलियन का दौरा किया, प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और "सोर्सिंग एट मैजिक" में भारतीय हस्तनिर्मित फैशन आभूषण और सहायक उपकरण की विशाल विविधता के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने कहा कि "सोर्सिंग एट मैजिक" भारतीय हस्तशिल्प की अद्वितीय सुंदरता और शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने वाला एक महत्वपूर्ण व्यापार शो है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में परिषद की मजबूत उपस्थिति भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा, मेले में फैशन आभूषण, फैशन सहायक उपकरण, शॉल, स्कार्फ और स्टोल, फैशन बैग, चमड़े के जूते और सहायक उपकरण की एक विविध श्रृंखला होगी जो अद्वितीय भारतीय परंपराओं को दर्शाती है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि इस संस्करण में 950 से अधिक भारतीय कंपनियां अपने विविध उत्पादों का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 10 हजार से अधिक व्यापार आगंतुकों के शो में आने की उम्मीद है। संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों के लिए प्रमुख बाजार है और इसलिए "सोर्सिंग एट मैजिक", लास वेगास, संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया भर में भारतीय हस्तशिल्प कंपनियों के लिए एक मार्केटिंग का महत्वपूर्ण माध्यम है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत का हस्तशिल्प निर्यात रु. 13,381.07 करोड़ रुपए (1,616.12 मिलियन अमरीकी डालर) रहा है। इस मेले में भारत पर फोकस होने से निर्यात को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। ईपीसीएच दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि और होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे क्राफ्ट क्लस्टर के लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है।

इस अवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 32,758 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा।

नोएडा में सड़क हादसा चार लोगों की मौत, दो महिलाएं समेत कई घायल

नोएडा, एजेंसी। नोएडा शहर में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, तथा कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ितों ने संबंधित थानों में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपी वाहन चालकों की तलाश कर रही है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-58 थाने में बॉबी ने शिकायत दर्ज कि वह सेक्टर-22 से भाई के साथ में जिम कर घर जा रहा था। इसी बीच रजत बिहार में बिना नंबर प्लेट की वर्ना कार ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में सेक्टर-58 थाने में दर्ज एफआईआर में बताया गया है कि श्याम सिंह नामक व्यक्ति सेक्टर-66 ममूरा गांव की तरफ बाइक से जा रहे थे। फोर्टिज अस्पताल के पास बोलेरो चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। घटना में उनके सिर में गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों ने सेक्टर-33 स्थित प्रकाश अस्पताल में उनकों उपचार के लिए भर्ती करवाया। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया है। पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में ले लिया है और मामले में जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-20 में दी शिकायत में प्रवीण कुमार ने बताया कि उसकी बहन सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास पैदल रोड क्रॉस कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला ने अपनी कार को तेजी और लापरवाही से चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर और शरीर में गंभीर चोट आई है। पीड़ित की बहन को कंपनी के मैनेजर ने अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रमेश गौतम पुत्र मुरारी मूल निवासी ग्राम शाहदरा सेक्टर-142 नोएडा एक्सप्रेसवे पर पैदल सड़क पार कर रहे थे, तभी एक बुलेट सवार ने उन्हें टक्कर मार दिया। गंभीर हालत में उनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अरमान उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम मामूरा इंदिरापुरम की तरफ ई-रिक्शा से जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सेक्टर-24 के अंडरपास पार करते समय उनके ई-रिक्शा में अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अग्रिम कार्रवाई थाना इंदिरापुरम पुलिस द्वारा की जाएगी।

थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि 2 दिन पूर्व फोर्टिस अस्पताल के पास हुए एक सड़क हादसे में किशन सिंह नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि उनको उपचार के

दादरी में डकैती व लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में घायल

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी में डकैती व लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किर लिया है और पुलिस मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हो गए है। वहीं उनके तीन साथी मौके से फरार हो गए। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। फरार साथियों की तलाश का दावा दादरी थाना पुलिस कर रही है। गिरफ्तार बदमाशों ने गौर अतुल्यम सोसायटी के पास से एक युवक की चेन 12 अगस्त को लूटी थी। डीसीपी अशोक कुमार ने बताया है कि रविवार शाम को दादरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि कार सवार कुछ बदमाश अपने साथियों के साथ मिलकर किसी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर दादरी पुलिस ने न्यू बोड़ाकी रेलवे स्टेशन के पास इनकी घेराबंदी की, जिसके बाद कार सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की इस दौरान दो बदमाश बुलंदशहर निवासी सलीम व सौरभ कुमार पैर में गोली लगने से घायल हो गए । घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में एडमिट किया गया। बदमाशों के कब्जे से लूट के 15100 रुपए, 02 तमंचा, 03 जिन्दा कारतूस, 02 खोखा कारतूस, एक शटर/ताला काटने वाला कटर, क्विड कार बरामद की गई। मुठभेड़ के दौरान उनके साथी हसीन खान उर्फ बिल्लू व अन्य दो अन्य मौके से फरार हो गये है जिनकी तलाश की जा रही है।

आईएमएस नोएडा को नैक ए प्लस ग्रेड मिला

ऋषि तिवारी

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रिडिएशन काउंसिल (नैक) की ओर से ए प्लस ग्रेड मिला। संस्थान को यह एक्रिडिएशन उत्कृष्ट शिक्षा पद्धति, अकादमिक स्तर, शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं ढांचागत सुविधाओं के लिए दिया गया। उल्लेखनीय है कि संस्थान को यह उपलब्धि आईएमएस के महानिदेशक प्रो.(डॉ.) विकास धवन के नेतृत्व में मिली है। आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता एवं सीएमडी शिल्पी गुप्ता ने इस सफलता के लिए संस्थान के सभी स्टॉफ, फैकल्टी, छात्र एवं पूर्व छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नैक द्वारा ए प्लस श्रेणी प्रदान किया जाना हम सभी के प्रयासों का प्रतिफल है। नैक ग्रेडिंग उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण सूचक है। ए प्लस ग्रेड प्राप्त करना संस्थान की कड़ी मेहनत, उत्कृष्ट शिक्षकों, आधुनिक संसाधनों और छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। इस उपलब्धि के माध्यम से आईएमएस नोएडा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को और भी मजबूत किया है। आईएमएस के महानिदेशक प्रो.(डॉ.) विकास धवन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आईएमएस नोएडा ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। नैक ने संस्थान को ए प्लस ग्रेड प्रदान किया है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, उत्कृष्ट शोध कार्य, और समग्र शैक्षणिक वातावरण के उच्च मानकों को दर्शाता है। यह हमारे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हमें गर्व है कि नैक ने हमारे संस्थान की उत्कृष्टता को मान्यता दी है। हम शिक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। वहीं आईएमएस नोएडा को नैक ए प्लस मिलने से संस्थान के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है। आईएमएस नोएडा ने शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न पहलुओं पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसमें अनुसंधान और विकास, उद्योग से संबंध, और सामाजिक उत्तरदायित्व शामिल हैं। संस्थान का उद्देश्य छात्रों को न केवल एकेडमिक दृष्टिकोण से बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी सशक्त बनाना है।

भगवान शिव-पार्वती की झांकी को मिला प्रथम पुरस्कार

फरीदाबाद, एजेंसी। ओल्ड फरीदाबाद स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आज ऐतिहासिक रक्षाबंधन पंखा मेले का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में हरियाणा विधानसभा में उपनेता एवं फरीदाबाद जिला कांग्रेस के प्रभारी आफताब अहमद ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रुप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लखन कुमार सिंगला उपस्थित रहे। इस मौके पर लखन कुमार सिंगला सहित पंखा मेला कमेटी ने स्मृति चिन्ह व फूलों का बुक्के भेंट कर आफताब अहमद का स्वागत किया। मेले में आकर्षण का केंद्र रही प्रजापति समाज द्वारा बनाई गई भगवान शिव-पार्वती की मनमोहक झांकी को प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि स्वर्गीय बलवीर सिंह की टीम द्वारा बनाई गई राधा-कृष्ण की झांकियों को द्वितीय तथा रजक समाज की अघौरी बाबा झांकी को तृतीय पुरस्कार मिला, जिन्हें आफताब अहमद, लखन सिंगला व पंखा मेला कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर आफताब अहमद ने कहा कि ओल्ड फरीदाबाद का ऐतिहासिक पंखा मेला एक उत्सव का रुप ले चुका है, जिसे हर साल लोग धूमधाम से मनाते है, इस उत्सव में समाज के हर वर्ग की भागेदारी होती है और सामाजिक समरसरता का एक अनूठा मिल है।

ऐसा धार्मिक आयोजन जहां सभी लोग मिलजुकर धूमधाम से इसे मनाते है। उन्होंने मेला कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों की मेहनत की प्रशंसा की और उनकी हौंसला अफजाई की। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पंखा मेला लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा और इस मेले को सफल बनाने में कमेटी के सभी सदस्यों ने अपना भरपूर सहयोग किया। उन्होंने कहा कि पंखा मेला हमारे बुजुर्गो की धरोहर है और इस धरोहर का हम सम्मानपूर्वक निर्वहन करते आ रहे है। उन्होंने मेले को सफल बनाने वाले सभी सदस्यगणों व गणमान्य लोगों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और उनकी हौंसला अफजाई गई। वहीं पंखा मेला कमेटी ने भी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला को भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर पंखा मेला कमेटी के चेयरमैन शिवशंकर भारद्वाज, जयप्रकाश गुप्ता, महेश आर्य गुप्ता, कांग्रेसी नेता वासदेव अरोड़ा, गोल्डी बरेजा, सतीश सिंगला, सुरेंद्र अग्रवाल, हरविंद गुप्ता, बंटी ठाकुर, कर्मबीर खटाना, प्रेमचंद सैनी, सुरेंद्र बबली, खूशबू खान, यशवंती मलिक, राव महेंद्र, अनिल गुप्ता चांदी वाले, बालू एडवोकेट, दीपक रावत, गौरव लूथरा, अमित लूथरा, कपूर चंद अग्रवाल, विनय भाटी, संदीप गुप्ता, ललित शर्मा, लवली पाराशर, रिंकू गोयल, शुभमन अरोड़ा, राजू मिगलानी, डालचंद डागर, मनसा गुर्जर, पंकज अरोड़ा, बंटी चौधरी, बीएल गर्ग, बलराज गुर्जर, सुरेंद्र यादव, राकेश बंसल सहित अनेकों गणमान्य लोग व मेला कमेटी के सदस्यगण मौजूद रहे।

नोएडा में निर्यातक कंपनी से 2 किलो सोना चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। थाना फेस-2 क्षेत्र के एनएसईजेड (विशेष निर्यात जोन) स्थित एक कंपनी से लगभग दो किलो सोना चोरी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किये गये सोने के तारों के 02 गुच्छे, सोने की चेन का 1 गुच्छा, तथा 49 हजार रुपए बरामद किया है। एडीसीपी नोएडा सेंट्रल हृदेश कठरिया ने बताया कि विशेष निर्यात जोन में स्थित एक कंपनी के अधिकारी ने कुछ दिन पूर्व थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी कंपनी सोने की जेवरात बनाकर विदेश भेजती है। उन्होंने बताया कि देवेंद्र उर्फ देव पुत्र भीकम चंद, विनय उर्फ बॉबी पुत्र मुन्नालाल शर्मा तथा हरीश यादव पुत्र विक्रम सिंह को 18 कैरेट का 2 किलो सोना जेवरात बनाने के लिए दिया गया था। इन लोगों को कंपनी के अंदर ही बैठकर जेवरात बनाने थे। लेकिन उन्होंने कंपनी से सोना चोरी कर लिया तथा भाग गए। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर थाना पुलिस ने आज तीनों को एनएसईजेड तिराहे के पास से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से चोरी गये सोने में से सोने के तारों के 2 गुच्छे, सोने की चेन का एक गुच्छा कुल वजन 788.83 ग्राम एवं चोरी के सोने की बिक्री के 49 हजार रुपए बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि

कलयुगी मौसेरे भाई ने किशोरी को किया अगवा, मौसी ने थाने में की शिकायत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के थाना जारचा क्षेत्र में रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला प्रकाश में आया हैं। एक कलयुगी मौसेरे भाई ने अपनी बहन को बहला फुसला कर अगवा कर कहीं गायब हो गया है। इस मामले में एक पीड़ित महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बहन का बेटा नाबालिग बेटी को मोटरसाइकिल पर बैठाकर जबरन अगवा कर ले गया है। जब वह अपनी बेटी को बचाने गई तो उसने उसे धक्का दे दिया। पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्जकर पुलिस मामले की रिपोर्ट जांच कर रही है। थाना जारचा के प्रभारी निरीक्षक अमित खारी ने बताया की एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बहन का बेटा इरशाद अली उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसला कर ले गया। पीड़िता का आरोप है कि वह एक मजलिस में भाग लेकर घर लौट रही थी।

एक नजर

फूड एंड सेफ्टी विभाग ने लिए घेवर के सैंपल

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद जिला में मंगलवार को फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम ने तिगांव स्थित मुकेश मिष्ठान भंडार नामक मिठाई की दुकान पर छापेमारी करते हुए घेवर की मिठाई के सैंपल लिए है। गौरतलब है कि गत दिवस इसी दुकान की घेवर खाने से आधा दर्जन बच्चे बीमार हो गए थे, जिसके चलते बच्चों के परिजनों ने दुकान पर भी हंगामा किया था। मामले को लेकर मिठाई की दुकानदार की शिकायत फूड एंड सेफ्टी विभाग में की गई थी। इसी के चलते आज फूड एंड सप्लाई की टीम ने दुकान पर जाकर कार्रवाई की है। आरोपी दुकानदार के प्रोडक्ट्स के सैंपल भरे गए हैं। सैंपल फेल आने पर दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेकी कर वाहन और मोबाइल फोन चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। रेकी कर वाहन और मोबाइल फोन चुराने वाले चार शातिरों को थाना फेज-वन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक बाइक, एक स्कूटी, एक ई-रिक्शा और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया है। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि सोमवार रात संदीप पेपर मील के पास चेकिंग के दौरान चार संदिग्ध आरोपियों को पकड़ा है। इनकी पहचान दिल्ली दयालपुर के मोनीश, आलम और खजूरी खास के अजमत अली और अब्दुल शकूर के रूप में हुई है। इनके पास से बरामद बाइक और स्कूटी के संबंध में एफआईआर दर्ज है। बरामद ई-रिक्शा और मोबाइल फोन के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। ये रेकी करके वाहन और मोबाइल फोन चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं। आरोपियों के खिलाफ दिल्ली और नोएडा में तीन मुकदमे दर्ज हैं।

ब्राइट इंस्टीट्यूट की 34 रन से जीत

नोएडा, एजेंसी। पंडित ज्ञानचंद मेमोरियल क्रिकेट के लीग मुकाबले में ब्राइट इंस्टीट्यूट ने क्रॉसिंग क्रिकेट एकेडमी को 34 रनों से हरा दिया। सेक्टर-137 में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्राइट इंस्टीट्यूट ने 141 रन बनाए। ब्राइट इंस्टीट्यूट की ओर से वैभव संतोष कुमार ने 47 रन बनाए। रोनित कुमार ने 27 रनों की पारी खेली। क्रॉसिंग एकेडमी की ओर से अनन्य ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। यश ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रॉसिंग क्रिकेट एकेडमी ने अच्छी शुरूआत की। सलामी बल्लेबाज राघव चौधरी ने उम्दा पारी खेलते हुए 53 रन बनाए। उन्हें भाग्य का साथ नहीं मिला और रन आउट हो गए। दूसरे ओपनर प्रद्युम्न ने 22 रन बनाए। इन दोनों को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। ब्राइट के वैभव संतोष कुमार ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। पूरी टीम 107 रन ही बना सकी।

बनाने के बहाने अलमारी से डेढ़ लाख नकद और गहने साफ किए

लोनी, एजेंसी। अलमारी की चाबी बनाने आए युवक ने 1.50 लाख रुपये नकद और लाखों के गहने साफ कर दिए। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार को घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंद्रापुरी कॉलोनी निवासी बिजेंद्री देवी ने बताया कि अलमारी की चाबी खो गई थी। एक अगस्त को वह घर के नीचे सड़क पर खड़ी थी। इसी दौरान एक चाबी बनाने वाला आया, वह उसे अलमारी की चाबी बनवाने के लिए घर में ले गईं।

उनका कहना है कि युवक चाबी बनाते समय किसी न किसी सामान के बहाने उन्हें कमरे से बाहर भेजता रहा। इसी दौरान उसने अलमारी में रखी 1.50 लाख रुपये और लाखों रुपये के गहने साफ कर दिए और यह कहकर चला गया कि आज चाबी नहीं बन पाई है। कल वह दोबारा आएगा। पीड़िता ने बताया कि 16 अगस्त को दूसरे चाबी वाले को बुलाकर अलमारी खुलवाई तो उसमें रखी नगदी और गहने गायब थे। उन्होंने पहले चाबी आए युवक पर आरोप लगाया है। पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुटी है।

सोसाइटी में सुरक्षाकर्मी बढ़ाने का दिया आश्वासन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। सेक्टर ईटा वन स्थित मिग्सन ट्विन्स सोसाइटी में सुरक्षाकर्मी को लेकर निवासियों ने मंगलवार को मेंटेनेंस प्रबंधन के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य गेट पर एक ही गार्ड तैनात है। निवासियों ने सुरक्षाकर्मी बढ़ाने की मांग की। मेंटेनेंस प्रबंधन के मुताबिक सुरक्षाकर्मी बढ़ाए गए हैं। दो दिन में इनकी संख्या और बढ़ाई जाएगी। सोसाइटी के निवासी सुशील होने बताया कि छह दिनों से सुरक्षाकर्मियों की कमी चल रही है।

इसी को लेकर रविवार रात को सभी निवासियों ने सुरक्षा के लिए इकट्ठा होकर मुख्य गेट पर चौकीदारी की थी। इसके बाद पुलिस को भी बुलाया। पुलिस ने सुरक्षा एजेंसी से बात की और तुरंत पांच गार्ड बुलाकर मुख्य गेट पर तैनात किए थे। सोमवार सुबह निवासियों ने देखा कि फिर से सभी सुरक्षाकर्मी गायब हो चुके हैं। मुख्य गेट पर एक ही गार्ड मौजूद है। निवासी अपनी सुरक्षा को लेकर काफी परेशान हैं। ऐसे में सभी निवासी मंगलवार सुबह एकत्रित होकर मेंटेनेंस कार्यालय पहुंचे और सुरक्षाकर्मी न होने का विरोध जताया। लापरवाही के अन्य मुद्दों को भी उठाया गया।

गधों को लेकर घूमता पूर्व आईएएस, फोटो बनी चर्चा का विषय

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी प्रवीण कुमार का दो गधों के साथ घूमने का फोटो वायरल होने के बाद चर्चा में बना हुआ है। किसी समय में आईएएस अधिकारी रहे प्रवीण कुमार इन दिनों फरीदाबाद में दो गधों को लेकर घूम रहे हैं। प्रवीण कुमार हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं, अब वह रिटायर्ड हो चुके हैं। यही नहीं जिस फरीदाबाद में वह दो गधों के साथ घूम रहे हैं, उसी फरीदाबाद के वह डीसी भी रहे हैं। प्रवीण कुमार 2001 बैच के आईएएस अधिकारी रहे। कई पदों पर रहने के बाद वह रिटायर हो चुके हैं। हरियाणा के पूर्व आईएएस प्रवीण कुमार फरीदाबाद की बडखल विधानसभा में दो गधों के साथ घूम रहे हैं, जिसके बाद उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इसके पीछे प्रवीण कुमार ने जो तर्क दिया उसके मुताबिक वह इन गधों के माध्यम से लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि लोग अपनी मानसिकता को ठीक करें। उनका मानना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने अचार विचारों पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं।

हरनंदीपुरम टाउनशिप के लिए सर्वे शुरू

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण नई टाउनशिप 'हरनंदीपुरम' विकसित कर रहा है। बोर्ड बैठक में हरनंदीपुरम योजना का प्रस्ताव पास होने के बाद जीडीए उसे धरातल पर उतरने की कवायद में जुट गया है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण और नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत हरनंदीपुरम बसाया जाएगा। प्राधिकरण को भूमि अर्जन में आने वाले खर्च का 50 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार देगी। बाकी पैसा प्राधिकरण खुद जुटाएगा। रअसल, आम आदमी के लिए रीसेल में आवासीय प्लॉट खरीदना आर्थिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण होता है। प्राधिकरण काफी किफायती दरों पर योजना लॉन्च करता है। इसमें लॉटरी के तहत आवंटन होता है। पूरी प्रक्रिया में न सिर्फ पारदर्शिता होती है बल्कि आम आदमी को आवंटन प्रक्रिया में भाग लेने का मौका मिलता है। 7 महीने पर आएगा पहला लेआउटः जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के मुताबिक, हरनंदीपुरम योजना को लेकर फिलहाल सर्वे का काम चल रहा है। ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराकर परिसंपत्तियों को चिह्नित किया जा रहा है। सर्वे पूरा होने में तकरीबन एक से डेढ़ माह का वक्त लगेगा। सर्वे पूर्ण होने के बाद रेट निर्धारण का कार्य किया जाएगा। भूमि क्रय करने के पश्चात जीडीए लेआउट पर काम करेगा सात महीने में पहला लेआउट तैयार होने की संभावना है। 541 हेक्टेयर में बनेगी टाउनशिपः हरनंदीपुरम टाउनशिप में एडू सिटी, स्पोर्ट्स सिटी, मेडिसिटी, साइबर सिटी आदि विकसित की जाएगी। 541 हेक्टेयर में विकसित होने वाले हरनंदीपुरम में आवासीय के साथ ही साथ कमर्शियल भूमि भी होगी। हरनंदीपुरम आरआरटीएस कॉरिडोर से महज पांच मिनट की दूरी पर विकसित किया जाएगा। बीते दिनों, गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने जीडीए उपाध्यक्ष को पत्र लिख प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित नई नगर का नाम अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर रखने का अनुरोध किया था।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा सांसद यूपी में बनाएंगे 20 हजार नए सदस्य, मेयर-विधायकों सहित पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी

लखनऊ। भाजपा के सदस्यता अभियान कार्यशाला में तय किया गया है कि यूपी के सभी सांसद कम से कम बीस हजार नए सदस्य बनाएंगे और विधायकों को दस हजार नए सदस्य बनाना होगा। इसी तरह मेयर को 15 हजार, जिला पंचायत अध्यक्ष को दस हजार और नगर पालिका अध्यक्ष को न्यूनतम पांच हजार सदस्य बनाना अनिवार्य होगा।इस बार सदस्य बनाने में फजीर्वाड़ा रोकने के लिए सत्यापन अभियान भी साथ-साथ चलेगा। एक ही व्यक्ति दो बार सदस्य न बन सके, इसकी जांच प्रदेश कार्यालय से की जाएगी। इसके लिए अलग से एक टीम बनाई जाएगी। भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरूआत एक सितंबर से केंद्रीय स्तर पर लांचिंग से होगी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रही सदस्यता अभियान की कार्यशाला में संगठन महामंत्री धर्मपाल ने बताया कि यूपी में दो या तीन सितंबर को अभियान की लांचिंग होगी। जिलों में चार और पांच सितंबर को लांचिंग की जाएगी। युवा मोर्चा को 15 लाख नए युवाओं को जोड़ने, महिला, पिछड़ा और किसान मोर्चा को दस-दस लाख ओबीसी, महिलाएं और किसानों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। वहीं, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा दो-दो लाख नए सदस्य जोड़ने पर फोकस करेगा।

29 अगस्त से आला हजरत के उर्स का आगाज, कई देशों से जायरीन करेंगे शिरकत, होटल फुल

बरेली। बरेली में विश्व प्रसिद्ध आला हजरत के उर्स में आने वाले विदेशी जायरीन पहले से भी ठहरने का इंतजाम कर ले रहे हैं। इसको लेकर अभी से शहर के ज्यादातर होटल फुल हो चुके हैं। दरगाह के गेस्ट हाउस में भी जगह नहीं है। जिन होटलों में जगह है, वहां भी जल्द ही बुकिंग पूरी होने का अनुमान है। आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी का तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी 29 अगस्त से शुरू हो रहा है। तीन रोजा उर्स में शिरकत करने के लिए विदेशों से भी बड़ी संख्या में जायरीन आ रहे हैं। तमाम मेहमान होटलों और गेस्ट हाउस में ठहरना पसंद करते हैं। वह यहां उर्स के पहले से पहुंच जाते हैं और समापन के बाद ही रवाना होते हैं।

शहर में जायरीनों की भारी भीड़ के बीच परेशानी से बचने के लिए विदेशी जायरीन आने से पहले ही ठहरने के लिए होटलों और गेस्ट हाउस में बुकिंग करा रहे हैं। जमात रजा मुस्तफा के समरान खान ने बताया कि इस बार मॉरिशस, दुबई, मिस्र, साउथ अफ्रीका, सऊदी अरब, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल आदि देशों से जायरीन आ रहे हैं। वह यहां 28 अगस्त से लेकर करीब दो सितंबर तक ठहरेंगे।

साहब! पति की मौत के बाद नहीं मिल रही पेंशन, प्राधिकरण सचिव ने बुजुर्गों से मिलकर सुनी समस्याएं

मैनपुरी । उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला जज कमल सिंह ने मंगलवार को जेल रोड स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया। वृद्धाश्रम में मिले वृद्धों की शिकायतें सुनीं। कृष्णा देवी ने बताया कि उनके पति पातीराम लोक निर्माण विभाग में नौकरी करते थे। पति की मौत के बाद उनको पेंशन नहीं मिल रही है। प्राधिकरण सचिव ने पीड़िता की शिकायत प्राधिकरण में भेजने के निर्देश दिए।

मंगलवार को वृद्धाश्रम के निरीक्षण में प्राधिकरण सचिव ने सभी वृद्धों से मिलकर उनकी समस्यायें सुनीं। अधीक्षिका नीतू सिंह तथा संचालिका कमलेश कुमारी अनुपस्थित मिले। केयर टेकर रोजी और संदीप सिंह को वृद्धों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। वृद्धाश्रम के भोजनालय में बने भोजन को चेक करने के साथ ही वृद्धाश्रम के मीनू को भी देखा।

निरीक्षण के बाद वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया। प्राधिकरण सचिव अपर जिला जज कमल सिंह ने वृद्धजनों के अधिकारों की उनको जानकारी दी। बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में समस्या की शिकायत की जा सकती है। प्राधिकरण द्वारा शिकायत का निराकरण कराया जाएगा। पीएलवी सुरेंद्र सिंह यादव ने वृद्धजनों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। स्थायी लोक अदालत की सदस्य एकता मिश्रा, प्राधिकरण कार्यालय प्रभारी देवेंद्र सिंह मौजूद रहे।

प्यार का इजहार पड़ा महंगा: युवती के पिता ने पुलिस को दी तहरीर, युवक ने पी लिया कीटनाशक; पहुंचा अस्पताल

मिजार्पुर मिजार्पुर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक द्वारा गांव के ही युवती से प्रेम का इजहार करने पर लड़की के पिता ने राजगढ़ थाने में तहरीर दी। तहरीर दिए जाने की जानकारी होते ही युवक ने विषाक्त (जहरीला) पदार्थ का सेवन करर लिया। इससे वह अचेत हो गया। जानकारी होने पर परिजन युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ ले गए। जहां उसका इलाज चल रहा है।

यह है मामला

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार युवक गांव के ही एक युवती से प्रेम करता है। उसके पिता लड़की से युवक की शादी करने को तैयार हो गए। इसके बाद युवक लड़की पर दबाव बनाने लगा। इसकी शिकायत लड़की ने परिजनों से की। इस पर लड़की के पिता ने राजगढ़ थाने में युवक के खिलाफ तहरीर दे दी। इधर, तहरीर की जानकारी होते ही युवक ने घर में रखा कीटनाशक पीकर बाइक लेकर इंदिरानगर गांव के पास बरगद के पेड़ के नीचे पहुंच गया। वहां वह अचेतावस्था में पड़ा हुआ था। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने अचेतावस्था में युवक को देखा तो उसके परिजनों को जानकारी दी।

मौके पर पहुंचे परिजनों द्वारा उसे राजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि लड़की के पिता द्वारा तहरीर दी गई है। उपनिरीक्षक को मामले की जांच सौंपी गई है।

समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है शिक्षा, सीएम योगी ने किया 'रोड टू स्कूल' का शुभारंभ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी समर्थ और सशक्त राष्ट्र की सबसे प्रमुख उपलब्धि शिक्षा होती है। शिक्षा सभ्य व समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है। शिक्षा के बिना मानवीय मूल्यों और जीवन सृष्टि की आवश्यकताओं की पूर्ति की कल्पना नहीं की जा सकती है।

सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर के चरगांवा ब्लॉक के लिए निपुण भारत मिशन के तहत प्रदेश में ह्यरोड टू स्कूलह्व के पहले प्रोजेक्ट का शुभारंभ कर रहे थे। चरगांवा ब्लॉक क्षेत्र के एक रिजॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

व्यक्ति आत्मनिर्भर होगा तो समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर होगा। ऐसे में कोई कारण नहीं कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से वंचित रह जाए। उन्होंने शिक्षा के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि प्राचीन समय से अलग अलग कालखंडों में शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के प्रयास किए गए।

इसमें गुरुकुल प्रणाली भी प्रेरक रही। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, काशी, कांचीपुरम की ख्याति अध्ययन और अध्यापन के बेहतरीन केंद्र के रूप में रही। प्राचीनकाल के अलावा बदले हालात में देश को आजादी मिलने के बाद भी शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रयास हुए लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

2017 से दूर हो रही ड्रापआउट की समस्या...सीएम योगी ने पिछले सात सालों से सरकार के प्रयासों से प्रदेश के परिषदीय स्कूलों की दशा में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 के पहले ड्रापआउट एक बड़ी समस्या थी। बड़ी संख्या में नामांकित बच्चे भी स्कूल नहीं आते थे तो कई कक्षा पांच के बाद छह में और कक्षा आठ के बाद नौ में एडमिशन नहीं लेते थे। सरकार ने स्कूल चलो

अभियान में शिक्षकों की भूमिका को महत्व दिया तो आज ये समस्या दूर होती जा रही है।

स्कूल चलो अभियान का परिणाम है कि 2017 के बाद यूपी के परिषदीय विद्यालयों में 50 से 60 लाख नए बच्चे बढ़े हैं। बीच के दो साल कोरोना से प्रभावित होने के बावजूद इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 1.34 करोड़ से बढ़कर 1.92 करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि जब हम बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएंगे तो भारत का भविष्य उज्ज्वल बनाने में सफल होंगे।

संसाधन से लेकर प्रोत्साहन पर है सरकार का ध्यान...स्कूली शिक्षा को मजबूत करने के लिए संसाधन से लेकर प्रोत्साहन तक दिए गए ध्यान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और मानिंद लोगों को साथ लेकर प्रदेश में बड़ी संख्या में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत स्कूलों को सुदृढ़ बनाया गया है। यहां शानदार फर्नीचर व अन्य सुविधाओं के साथ स्मार्ट क्लास बनाए गए हैं।

बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करने को यूनिफॉर्म, कॉपी किताब, बैग, जूता मोजा आदि के लिए सरकार हर बच्चे के अभिभावक को 1200 रुपये की धनराशि देती है। बालिकाओं की शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को संसाधन सम्पन्न बनाया जा रहा है।

श्रमिकों के पाल्यों की मुफ्त शिक्षा के लिए सभी मंडल मुख्यालय पर अटल आवासीय विद्यालय खोले गए हैं। जल्द ही 57 जिलों में डे स्कूल खोले जाएंगे। शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ही पीएम श्री और मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मिलकर प्रयास होंगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप निपुण भारत मिशन से निपुण उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए हम सफल होंगे।

स्कूल चलो अभियान का ही नया रूप है रोड टू स्कूल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रोड टू स्कूल प्रोजेक्ट स्कूल चलो अभियान का ही नया रूप है। इसमें रिसोर्स पर्सन और उनके ऊपर की टीम एक पिरामिड के रूप में बच्चों को स्कूल लाने, उनकी उपस्थित बनाए रखने और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और कला कौशल की मॉनिटरिंग करती है। रोड टू स्कूल में बच्चों को उदाहरण देकर सिखाने ओर जोर है। यह एक अभिनव कार्यक्रम है जो बच्चों के शत प्रतिशत नामांकन, कक्षा में उनकी नियमित उपस्थिति और आगे की कक्षाओं में प्रवेश के लिए संवेदनशील प्रयास करता है।

शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए जो तमाम प्रयास हो रहे हैं, रोड टू स्कूल उसी का हिस्सा है। बेसिक शिक्षा विभाग के साथ मिलकर ह्यरोड टू स्कूलह्व प्रोजेक्ट शुरू करने के मुख्यमंत्री ने अशोक लीलैंड लिमिटेड और उसके कार्यान्वयन भागीदार लर्निंग लिंक फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। सीएम योगी ने बताया कि रोड टू स्कूल प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में चरगांवा ब्लॉक के सभी 78 परिषदीय विद्यालयों (प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट) को शामिल किया गया है। इससे 17781 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। दूसरे चरण में भटहट ब्लॉक के सभी 90 परिषदीय विद्यालयों के 16434 छात्रों को फायदा होगा। रोड टू स्कूल प्रोजेक्ट में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने, ड्राप आउट रोकने, बच्चों में पठन-पाठन के प्रति अभिरुचि बढ़ाने, उनके स्वास्थ्य देखभाल और उन्हें खेल एवं कौशल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

खुद को अपडेट रखें शिक्षक

मुख्यमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षक नए भारत के निमार्ता हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए खुद को भी ज्ञान के विविध आयामों से अपडेट रखें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपने विषय और फील्ड के साथ सामाजिक दायित्वों की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि वे बच्चों को योग्य नागरिक बना सकें। खुद को अपडेट रखकर ही वे बच्चों को कुशल बना पाएंगे और आने वाली पीढ़ी उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करेगी।

अनुसूचित जाति के युवक के परिवार से मिले राहुल गांधी, बोले- हत्यारों पर नहीं हो रही कार्रवाई

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पिछवरिया गांव में अनुसूचित जाति के युवक अर्जुन साहू की हत्या से पीड़ित उसके परिजनों से मिले और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की। राहुल गांधी ने कहा कि यहां पर जो सभी लोग हैं वो न्याय मांग रहे हैं क्योंकि एक दलित युवा को जान से मारा गया है। पूरे परिवार को धमकाया गया है, एक व्यक्ति को मारा गया है लेकिन यहां कोई कार्रवाई नहीं हो रही है... यहां के एसपी मास्टरमाइंड पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, छोटे-छोटे लोगों को पकड़ रहे हैं। मैं चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में हर वर्ग का आदर हो और न्याय सबको मिले... जब तक इस परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम पीछे नहीं हटने वाले हैं।

इसके पहले मंगलवार को कांग्रेस नेता व रायबरेली सांसद राहुल गांधी पीड़ित परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे। दोपहर को वह अमेठी के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी फुरसतगंज अपने विशेष विमान से उतरे। जहां कांग्रेस

नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। उसके बाद वह अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा सहित अन्य नेताओं के साथ रायबरेली के नसीराबाद थाना क्षेत्र के पिछवरिया गांव के लिए रवाना हो गए। दरअसल नेता प्रतिपक्ष व सांसद राहुल गांधी मंगलवार को रायबरेली के नसीराबाद क्षेत्र के पिछवरिया गांव में हुई अर्जुन पासी की हत्या के बाद उनके परिजनों से मिलने पहुंचे थे। राहुल गांधी विशेष विमान से आए थे। उनका विमान अमेठी के फुरसतगंज स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी में दोपहर 11:55 बजे उतरा था। इसके बाद राहुल गांधी पार्टी के कई अन्य नेताओं के साथ पिछवरिया गांव सड़क मार्ग से गए थे। वहां पीड़ित परिजनों के मुलाकात के बाद वह वापस गाड़ियों के काफिले के साथ फुरसतगंज इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान आकादमी पहुंचे। इस बीच बारिश हो गई।

सूत्रों का कहना है कि बारिश व मौसम की खराबी के कारण विमान को उड़ान भरने में अड़चने थीं जिसकी वजह से उड़ान कैंसिल कर दी गई। उड़ान कैंसिल होने से उन्हें अपने गंतव्य के लिए सड़क मार्ग से जाना पड़ा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के जिम्मेदार अफसर कृषणेंदु गुप्ता ने बताया कि विमान की उड़ान पायलेट तय करता है। विमान के उड़ान न भरने के मौसम सहित कई कारण होते हैं। इसलिए वह सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए रवाना हुए हैं।

यूपी उपचुनाव : सपा का दांव फिर पीडीए पर आसपा मुस्लिम-अनुसूचित वोटों के सहारे

मुजफ्फरनगर। मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सपा ने अपने हर एक कार्यकर्ता को अपने साथ पांच नए लोगों को जोड़ने की जिम्मेदारी दी है। सपा का दांव फिर से पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) पर है। वहीं आसपा ने विधानसभा प्रभारियों की घोषणा के साथ ही साफ कर दिया है कि उसकी नजर अनुसूचित जाति और मुस्लिम वोटों पर है।

डिग्री कॉलेज की लाइब्रेरी में आयोजित समाजवादी पार्टी की समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव चौधरी मजाहिर राणा और चौधरी लियाकत अली एडवोकेट रहे। उन्होंने विधानसभा के पांच जोन, 10 सेक्टर, 114 बूथ और 38 गांवों में तैयारियों का जायजा लिया। चौधरी मजाहिर राणा ने कार्यकताओं की आगामी रणनीति के विषय में विस्तार से समझाया और प्रत्येक कार्यकर्ता से पांच-पांच नए लोगों को जोड़ने के लिए कहा। चौधरी लियाकत अली ने समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और पूरे क्षेत्र में पार्टी का झंडा लेकर निकलने का आह्वान

किया। माना जा रहा है कि सपा का दांव फिर से पीडीए पर है। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट ने की और संचालन विधानसभा अध्यक्ष सादिक चौहान ने किया। इस मौके पर अंजार अब्बासी, अजय कुमार, इश्तकार अंसारी, राशिद मलिक, डॉ. हनी समाअत, इसरार अंसारी, रजनीश यादव, जुबेर अंसारी, शाह रजा जैदी, कादिर प्रधान, इमरान एडवोकेट, शाहनवाज, जावेद, हाजी गुफरान, मुमताज सलमानी, सोनू प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, डॉ. अरशद आदि उपस्थित रहे।

वहीं, आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने मीरापुर समेत प्रदेश की तीन सीटों पर प्रभारी घोषित कर दिए हैं। मीरापुर के लिए रुड़कली के जाहिद हुसैन को प्रभारी बनाया गया है। आसपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने सूची जारी की है। गाजियाबाद सदर सीट पर सतपाल चौधरी, मीरापुर से जाहिद हुसैन और मिजार्पुर की मझवा सीट से धीरज मौर्या को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है।

ऐसा करके अनुसूचित जाति और मुस्लिमों को साधने की तैयारी है। प्रदेश की अन्य सात सीटों पर भी जल्द ही प्रभारी घोषित किए जाएंगे। उधर, मीरापुर के प्रभारी की घोषणा के बाद रुड़कली गांव में हसन के समर्थकों ने खुशी मनाई। आसपा के जिलाध्यक्ष बबलू चौधरी का कहना है कि आसपा मीरापुर में जीत हासिल करेगी।

20 हजार अभ्यर्थी संदिग्ध परीक्षा केंद्र जाकर करानी होगी ई-केवाईसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 23 अगस्त से शुरू हो रही सिपाही भर्ती परीक्षा के पहले दिन करीब 9.50 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इसके लिए अभी तक करीब 4.50 लाख से अधिक अभ्यर्थी अब तक एडमिट कार्ड डाउनलोड कर चुके हैं। सभी का आधार कार्ड सत्यापित किया जा रहा है। भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष डीजी राजीव कृष्णा ने बताया जा रहा है कि इसमें से करीब 20 हजार अभ्यर्थी संदिग्ध हैं। ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा के ढाई घंटे पहले केंद्र जाकर दस्तावेजों की ई-केवाईसी करानी होगी। वहीं, जिन अभ्यर्थियों के आधार प्रमाणित हैं उन्हें परीक्षा शुरू होने से आधे घंटे पूर्व हर हाल में केंद्र के भीतर प्रवेश करना है जिनके एडमिट कार्ड में ई-केवाईसी रिक्वायर्ड एटीएस एग्जामिनेशन सेंटर लिखा है, उन्हें अब दो के बजाय ढाई घंटे पहले पहुंचना होगा। बाहर से करायी गयी ई-केवाईसी मान्य नहीं होगी। परीक्षा केंद्र पर जाकर ही कराना होगा। आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड और पासपोर्ट में से कोई भी एक दस्तावेज सही मिलने पर ही अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। गड़बड़ी मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा के दौरान धार्मिक चिन्ह जैसे मंगलसूत्र, कड़ा आदि पर रोक नहीं है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों को सामान रखने के लिए प्रशासन लॉकर की सुविधा प्रदान करेगा। इसकी पर्ची को साथ ले जा सकेंगे। रीक्षा में फोर्स डिप्लायमेंट की जानकारी संबंधित कमिश्नरेट और जिलों के अधिकारी देंगे।

भर्ती बोर्ड को जानकारी मिली है कि एक दर्जन से ज्यादा टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुपों पर पेपर बेचने के नाम पर ठगी की जा रही है। इसकी जांच एसटीएफ कर रही है। डमिट कार्ड में कोई त्रुटि होने पर अभ्यर्थी हेल्पलाइन, ईमेल और ट्विटर के जरिए बोर्ड को सूचना दे सकते हैं जिसका तत्काल निस्तारण कराया जाएगा।

एक्सईएन हत्याकांड: अंगुली काटी, मुंह पर चिपकाया टेप, लात-घूंसों से की पिटाई, इस रिपोर्ट में सामने आई क्रूरता

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। खुद के खिलाफ की गई लिखा-पढ़ी से गुस्साए एई अमित कुमार ने अधिशासी अभियंता संतोष कुमार की हत्या की साजिश रची थी। उसने अपने सहयोगी बिहार के ही प्रदीप राम के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। हत्या में इस्तेमाल किया गया टेप अमित खुद लेकर आया था, जिसे एक्सईएन के मुंह में चिपकाने के बाद उनकी नाक बंद कर दी गई थी।

लात-घूंसों की चोट से नहीं, बल्कि दम घुटने से उनकी मौत हुई थी। एक्सईएन की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई थी। उनके सिर, गर्दन, हाथ पर चोट के पांच निशान भी मिले हैं। जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता संतोष कुमार की शनिवार को सुबह उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। संतोष के भाई संजय ने बिहार

के मधुबनी निवासी एई अमित कुमार व एक अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था।

रविवार को भोर हत्या के आरोपी अमित और उसके साथी बिहार के सासाराम जनपद के कौचस छावनी, रोहतास निवासी प्रदीप राम को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कुबूल की है।

6.20 बजे कमरे में दाखिल हुए थे अमित और प्रदीप...पुलिस के मुताबिक शनिवार को सुबह 6.20 बजे अमित और प्रदीप राम एक्सईएन के कमरे में दाखिल हुए थे। अमित टेप लेकर आया था। जल जीवन मिशन में काम कर रही एजेंसी के खिलाफ रिपोर्ट तैयार करने और उसे हटाने के लिए पत्राचार किए जाने को लेकर अमित भन्नाया हुआ था। उसी ने पहले एक्सईएन पर हमला किया। अमित और प्रदीप ने करीब ढाई घंटे तक संतोष को प्रताड़ित किया। जब उन्हें ये इत्मीनान हो गया कि एक्सईएन की सांसें थम गई हैं, तब दोनों कमरे से बाहर निकले। उस वक्त 8.50 बजे थे।

प्रदीप की अंगुली काटने पर मुंह में चिपकाया था टेप...सीओ शिवम मिश्र के अनुसार आरोपियों से पूछताछ में ये बात सामने आई है कि एक्सईएन संतोष के साथ जब मारपीट हो रही थी, तब उन्होंने अपने बचाव में प्रदीप की दाहिने हाथ की अंगुली दांत से काट ली थी, जिसके बाद अमित ने उनके मुंह पर टेप चिपका दिया था और प्लास्टिक की रस्सी से पैर बांध दिए थे। दोनों ने लात-घूंसों से उनकी पिटाई की थी। एक्सईएन के मुंह पर टेप चिपका था। बाद में उनकी नाक भी दबाई गई थी, जिसकी वजह से उनकी दम घुटने से मौत हो गई थी।

चालक के सामने करते रहे क्रूरता...शहर कोतवाल अरुण द्विवेदी ने बताया कि एक्सईएन संतोष कुमार का चालक संदीप विश्वकर्मा भी वारदात के दौरान वापस कमरे में आ गया था।

उसे अमित ने दही व जलेबी लेने के लिए भेजा था। संदीप के सामने भी दोनों आरोपियों ने एक्सईएन के साथ क्रूरता की थी। पुलिस ने शुरूआत में संदेह होने पर संदीप को हिरासत में लिया था, लेकिन शनिवार को रात में ही छोड़ दिया गया था।

मुलायम सिंह के ज्योतिषि डॉ. रमेश तिवारी हत्याकांड में 12 दोषियों को उम्रकैद, दो बदमाशों ने मारी थी गोली

जौनपुर। जौनपुर जिले के सरपतहां थाना क्षेत्र के ऊंचगांव में वर्ष 2012 में ज्योतिषी डॉ. रमेश तिवारी हत्याकांड में कोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रूपाली सक्सेना ने दिया। साथ ही 30 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। ज्योतिषी सपा के तत्कालीन मुखिया मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव व विभिन्न राजनीतिक दलों के ज्योतिषी थे।

यह था मामला...15 नवंबर 2012 की सुबह ऊंचगांव में ज्योतिषी रमेश तिवारी की उनके घर पर चढ़कर पुलिस की वर्दी में आए दो बदमाशों ने कार्बाइन व पिस्टल से गोलियां चलाकर हत्या कर दी थी। गोलीकांड में रमेश के भाई राजेश भी घायल हुए थे। मृतक के भाई उमेश तिवारी ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराया था। मुखबिर की सूचना व आरोपियों के मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर शूटर विपुल सिंह, हत्या के षड्यंत्र में धीरेंद्र सिंह, झारखंडे सिंह, सूबेदार सिंह, कौशल किशोर सिंह, विजय बहादुर सिंह, वीरेंद्र बहादुर सिंह, लाल शंकर उपाध्याय, अमित उर्फ पंडित, अरविंद, शैलेंद्र, तन्नू सिंह, अमरजीत सिंह का नाम प्रकाश में आया। एक आरोपी झारखंडे सिंह की मृत्यु हो चुकी है। शूटर शेर बहादुर सिंह की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो चुकी है। पूर्व में 13 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पुलिस ने प्रस्तुत किया था। इसमें सभी गिरफ्तार हुए थे। सभी की जमानत हुई थी। आरोपी धीरेंद्र सिंह की जमानत सुप्रीम कोर्ट से हुई थी। मंगलवार को कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सभी आरोपियों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

बरेली में बड़ी वारदात: होटल में युवती की गला काटकर हत्या

बरेली बरेली के कोतवाली क्षेत्र में पुराने रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित होटल प्रीत पैलेस के कमरे में मंगलवार को युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। गला काटकर उसकी हत्या की गई है। दो दिन पहले युवती को एक युवक लेकर आया था। वारदात के बाद वह फरार है। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच पड़ताल की।

होटल में जिस युवती हत्या हुई, वह शाही क्षेत्र की रहने वाली शब्बो थी। आरोपी युवक की पहचान मोहम्मद आलम के तौर पर हुई है। वह कोतवाली क्षेत्र के आजम नगर का रहने वाला है। आलम की युवती के साथ मंगनी हो गई थी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। सीओ प्रथम पंकज श्रीवास्तव ने होटल स्टाफ से पूछताछ की। होटल संचालक ने बताया कि यह युवती 18 अगस्त की रात एक युवक के साथ आई थी। मंगलवार सुबह जब कमरे से बदबू आई तो कर्मचारियों ने जाकर देखा। युवती का गला कटा हुआ है। हत्या की क्या वजह रही, इस पर पुलिस जांच कर रही है।

विश्व मच्छर दिवस के मौके पर छात्राओं को वेक्टर रोगों के बारे में किया गया जागरूक

हर साल 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है : डॉ हरेंद्र कुमार

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। विश्व मच्छर दिवस के मौके पर सरस्वती शिशु बालिका विद्या मंदिर, राज देवड़ी, बेतिया की छात्राओं को जिला मलेरिया कार्यालय के कर्मियों द्वारा वेक्टर रोगों से बचाव के बारे में जागरूक किया गया। जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ हरेंद्र कुमार ने बताया कि मच्छर जनित रोग डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार, फाइलेरिया आदि से बचाव को लेकर जिले में जागरूकता फैलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान मच्छरों का प्रकोप कुछ ज्यादा ही बढ़ जाता है, वहीं समय पर इलाज नहीं मिलने से गंभीर बीमारियों का खतरा भी होता है। इसी के बारे में लोगों को जागरूक करने के मकसद से हर साल 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है व आम लोगों को मच्छरों से होने वाले खतरों के बारे में बताया जाता है, साथ ही उनसे कैसे बचा जाए, इसके भी उपाय बताए जाते हैं। भीबीडीएस प्रकाश कुमार, सुजीत कुमार ने बताया कि मच्छर के काटने से बचने के लिए साफ सफाई आवश्यक है, वहीं सोते समय मच्छरदानी का उपयोग लाभदायक है।

■ मानसून के दौरान मच्छरों का बढ़ जाता है प्रकोप
■ सरकारी अस्पताल में है जाँच व इलाज की सुविधाः

सरकारी अस्पताल में है जाँच व इलाज की सुविधाः...वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ हरेंद्र कुमार ने बताया कि वेक्टर रोग होने पर इसकी जाँच व इलाज की सुविधाएं सरकारी अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, जी मिचलाना, थकान, उल्टी, मांसपेशियों में गंभीर दर्द होता है। वहीं मलेरिया एक खास तरह के परजीवी से होता है, जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश कर जाता है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मलेरिया का ज्यादा खतरा होता है। मलेरिया के लक्षण में व्यक्ति को ठंड लगना शरीर में दर्द बुखार डायरिया तनाव व थकान खून की कमी चक्कर आना है। वहीं जिला मलेरिया ऑफिस में इस सम्बन्ध में जागरूकता को लेकर डॉ हरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में मीटिंग की गई जिसमें भीडीसीओ रमेश मिश्रा,भीबीडीएस प्रकाश कुमार, सुजीत कुमार, डाटा ऑपरेटर स्टीफन कुमार व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

दरभंगा ट्रैफिक का जवान 567000 लेकर फरार लहेरियासराय की पुलिस कर रही तलाश

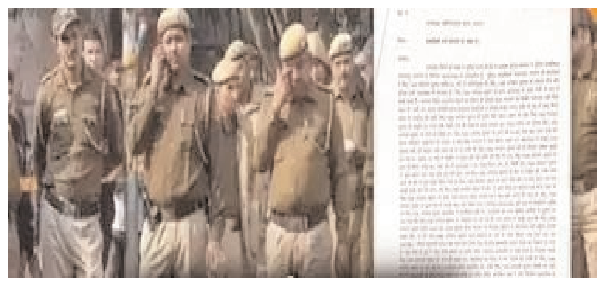

संवाददाता।

दरभंगा। बिहार के दरभंगा में तैनात एक ट्रैफिक पुलिस वाले ने 5 लाख 67 हजार रुपये लेकर फरार हो गया है। दरभंगा पुलिस आरोपित जवान की तलाश कर रही है। आरोपी सिपाही का नाम धनंजय कुमार बताया जा रहा है, जिसपर लहेरियासराय थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामला सामने आने के बाद से आरोपी सिपाही फरार है। और उसकी तलाश दरभंगा पुलिस कर रही है।

यातायात डीएसपी अवधेश कुमार ने बताया कि दरभंगा यातायात थाने में आरोपी धनंजय समेत तीन और सिपाही तैनात हैं। लेकिन शहर में काटे जाने वाले चालान की नकदी सिर्फ आरोपी धनंजय के पास ही रखी जाती थी। नियम के मुताबिक हर एक-दो महीने पर यह राशि एसबीआई की शाखा में जमा करानी होती थी। लेकिन पिछले कुछ समय से धनंजय पैसे जमा कराने में आनाकानी कर रहा था। जब उससे इस बारे में सख्ती से पूछा गया, तो वह बहाने बनाने लगा और फिर थाने से गायब हो गया। धनंजय को ढूंढने के लिए पुलिस लाइन में खोजबीन की गई, तो पता चला कि वह थाने के लिए निकला हुआ है। उसके इस व्यवहार से अधिकारियों को शक हुआ कि उसने सरकारी पैसे गबन कर लिए हैं। जब परिवहन विभाग से राशि का मिलान किया गया, तो पता चला कि आरोपी सिपाही ने पैसे जमा नहीं कराए हैं। इसके बाद आरोपी धनंजय कुमार के खिलाफ लहेरियासराय थाने में सरकारी राशि गबन करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

यातायात डीएसपी अवधेश कुमार ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि शहर में वाहन चेकिंग के दौरान काटे गए चालान की नकद राशि की गबन के मामले में सिपाही धनंजय कुमार के खिलाफ लहेरियासराय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सिपाही यातायात थाना और दरभंगा पुलिस लाइन से गायब है। उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। वहीं इस मामले में लहेरियासराय थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि यातायात डीएसपी अवधेश कुमार के आवेदन पर सिपाही धनंजय कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार : वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन लगभग तैयार

सीएम नीतीश ने बुद्ध स्मृति स्तूप का भी लिया जायजा -यह है इसका फायदा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/वैशाली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैशाली में बन रहे बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को काम जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पूरी परियोजना का जायजा लिया और निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वैशालीगढ़ स्थित निमार्णाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप को देखने पहुंचे थे। उन्होंने पूरे परिसर का दौरा किया और निर्माण कार्य की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने स्तूप के भूतल और प्रथम तल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुस्तकालय और ध्यान कक्ष भी देखे और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान, भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी दी।

बुद्ध सम्यक दर्शन और बुद्ध स्मृति स्तूप देखने के दौरान मुख्यमंत्री ने आगंतुक केंद्र में एक समीक्षा बैठक की। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने प्रेजेंटेशन के जरिए योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्तूप, संग्रहालय, पुस्तकालय, ध्यान कक्ष, आगंतुक केंद्र, अतिथि गृह और प्रदर्शनी योजना जैसी सुविधाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है और बाकी काम दो महीने में पूरा हो जाएगा। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम यहां हमेशा आते रहते हैं और यहां के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते रहते हैं। योजना के अनुरूप कार्य जल्द-से-जल्द पूर्ण करें।

' उन्होंने परिसर में पेड़ लगाने, वाटर बॉडी बनाने और अंदर के रास्ते को ठीक से बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आवागमन को भी बेहतर किया जा रहा है ताकि आसानी से और कम समय में पर्यटक यहां पर पहुंच सकें। अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक जगह है। भगवान बुद्ध के जितने भी अस्थि कलश मिले हैं, उसमें वैशाली में मिला अस्थि कलश सबसे प्रामाणिक है। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप के बन जाने के बाद यहां बौद्ध भिक्षु के साथ-साथ बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भी आएंगे। बोधगया और राजगीर आनेवाले श्रद्धालु भी यहां आएंगे।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय में महात्मा बुद्ध के जीवन और बौद्ध धर्म से जुड़े प्रसंगों को दशार्या जाएगा। पहले वैशालीगढ़ की क्या स्थिति थी और बाद में हमने इसको विकसित करने को लेकर जो योजना बनाई, उसके तहत जो कार्य किए गए हैं उसकी भी विवरणी को भी यहां दशाएं। इससे लोग जान सकेंगे कि इस ऐतिहासिक धरोहर को विकसित करने के लिए कितने कार्य किए गए हैं।

इस मौके पर भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, विधायक सिद्धार्थ पटेल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गोपाल मीणा, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शिवदीप लांडे, वैशाली के जिलाधिकारी यशपाल मीणा, वैशाली के पुलिस अधीक्षक हरकिशोर राय सहित अन्य अधिकारी और अभियंता मौजूद थे।

कुल्हाड़ी से काट कर युवती की हत्या की गुत्थी सुलझी, प्रेमी गिरफ्तार

संवाददाता।

मोतिहारी । जिले के मधुबन थाना क्षेत्र स्थित गुरमिया गांव में नानी के घर रह रही एक युवती की घर के दरवाजे पर कुल्हाड़ी से काटकर की गई हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली। इस हत्याकांड का मोतिहारी पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्या में शामिल मृतका के प्रेमी और उसके एक दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं गिरफ्तार प्रेमी ने हत्या में अपनी संलिप्तता भी स्वीकार कर लिया है। मृतका की पहचान पूजा कुमारी के रूप में हुई है। पकड़ीदयाल एसडीपीओ सुबोध कुमार ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि 14 अगस्त को सूचना मिली कि एक युवती का उसी के घर में कुल्हाड़ी से काट कर उसकी हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी के बाद हत्या के बाद मामले की जांच की गई। इस दौरान मृतका के नानी और छोटी बहन ने उसके प्रेमी चुनचुन राम पर हत्या करने का आरोप लगाया था। वहीं जब घटना का जांच शुरू किया तो चुनचुन घर पर ही था। पुलिस ने जब उससे पूछताछ किया तो उसने इनकार करते हुए कहां कि उसने हत्या नहीं किया है।जब पूजा के नानी के मोबाइल का जांच की गई तो पता चला की उसे एक अज्ञात नंबर से दो मैसेज आया था आज तुम्हारा फोटो वीडियो फेसबुक पर वायरल कर देंगे। उस नम्बर की तहकीकात शुरू की तो वह नम्बर चुनचुन के दोस्त शंकर का निकला। मामले में जब शंकर से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह मैसेज चुनचुन ने किया था।पूछताछ के दौरान ही आरोपी चुनचुन के पैर में परे चप्पल के सोल को जब पुलिस ने देखा तो पूजा के घर में लगे पोछा उसकी सोल में लगा था। जब उसका फोटो से इसका मिलान किया गया तो दोनों एक जैसा था। फिर खुद को फंसता देख उसने अपनी संलिप्ता स्वीकार कर लिया।

चुनचुन ने बताया कि हम दोनों पिछले डेढ़ साल से आपस में बातचीत करते थे। इसी बीच हम दोनों ने एक साल पहले शादी कर ली, फिर भी हम लोग बात कर रहे थे। जिसकी जानकारी दिन पहले मेरी पत्नी को लग गई, फिर मेरी पत्नी और पूजा के बीच झगड़ा हो गया था। फिर उसने मेरा नंबर ब्लॉक कर दिया।जिसके बाद मैने उससे काफी बात करने का प्रयास किया, लेकिन वह बात करने को तैयार नहीं थी। जिस पर मैंने गुस्से में आकर अपने दोस्त के नंबर से घटना के दिन उसे मैसेज किया था।

जिसके बाद उसने मेरा नम्बर ब्लैक लिस्ट से हटा दिया, फिर हम दोनों घटना से पहले चार बार बात किया। फिर उसने कहा मैं पुलिस के पास जा रहा हूं।इस बात से हम डर गए, फिर उसे मिलने के लिए बुलाया। जिसके बाद वह जैसे ही अपनी नानी घर से पास में एक शादी में गई, मै उसके घर में घुस गया। फिर उसके फोन ढूंढ़ने लगा, ताकि वह मैसेज डिलीट कर दें। लेकिन उसके मोबाइल को उसकी नानी लेकर चली गई थी।फिर वह अचानक घर पहुंच गई और चिल्लाने लगी, तो मै और डर गया। मैने पहले उसका मुंह दबा दिया, इस बीच उसने लात में मेरे प्राइवेट पार्ट पर मार दिया, जिससे मुझे गुस्सा आ गया। फिर मैने पास में कुल्हाड़ी उस पर चला दिया, जो उसके गर्दन पर लगी और उसकी वहीं मौत हो गई।फिर मैं पीछे के रास्ते से भाग कर घर आ गया, इसी दौरान बारिश की वजह से मेरे चप्पल का निशान बन गया। हम पर कोई शक न करें इसलिए मैं घर पर ही था, मुझे पूरा विश्वास था कि पुलिस हम तक नहीं पहुंच सकती है।

निशानदेही पर हत्या के समय पहना हुआ कपड़ा बरामद हुआ। पकड़ीदयाल एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि पूजा के नानी और बहन ने चुनचुन पर ही आरोप लगा रही थी। लेकिन कोई सुबूत नहीं मिल रहा था, मृतका के परिजन के आरोप पर चुनचुन को उठा लाया था। लेकिन कोई साक्ष्य नहीं मिल रहा था, अगर चप्पल के दाग का फोटो नहीं लिया होता, और वह वही चप्पल पहन कर नहीं पकड़ता होता तो उसे पकड़ना मुश्किल हो जाता।

विश्व मच्छर दिवस पर सदर अस्पताल परिसर में नर्सिंग छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

वेक्टर रोगों से बचाव जरुरीः डीएस डॉ अवधेश कुमार

सिद्धार्थ नाथ

मोतिहारी। विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर जिले के सदर अस्पताल परिसर में नर्सिंग छात्राओं एवं जिला मलेरिया कार्यालय के कर्मियों द्वारा वेक्टर रोगों से बचाव के बारे में जागरूक करते हुए प्रभात फेरी निकाली गईं। मौके पर सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अवधेश कुमार एवं जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरत चंद्र शर्मा ने लोगों को मच्छर जनित रोग डेंगू,मलेरिया,चिकनगुनिया,कालाजार , फाइलेरिया आदिरोग से बचाव के उपाय बताते हुए सोते समय मछड़दानी का प्रयोग करने की बातें बताई। मौके पर डॉ अवधेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की विश्व मच्छर दिवस की शुरूआत सबसे पहले 1897 में हुई थी, जब सर रोनाल्ड रॉस ने मच्छरों और मलेरिया संक्रमण के बीच संबंध की खोज की थी। इसका कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मच्छर जनित रोगों के कारणों और इसे कैसे रोका जा सकता है, इसके बारे में जागरूकता बढ़ाना है।वहीं डॉ शरत चंद्र शर्मा ने कहा की

बरसात के समय में मच्छरों के काटने का मामला बढ़ जाता है,इससे कई बीमारियां होती है इसी के बारे में लोगों को जागरूक करने के मकसद से आज विश्व मच्छर दिवस मनाया गया है।उन्होंने बताया कि कालाजार मादा बालू मक्खी के काटने से फैलने वाली बीमारी है।जो गंदे एवं नमी वाले इलाकों तथा कच्चे घरों में रहने वाले लोगों में अधिक पाया जाता है। इस रोग के कारण बुखार के साथ-साथ, रोगी के जिगर के तिल्ली का बढ़ जाना, रक्त की कमी होना, हाथ पैर में कमजोरी, वजन में कमी,चेहरे का रंग भूरा, काला होना आदि है।

सरकारी अस्पताल में है जाँच व इलाज की सुविधाः...वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शर्मा ने बताया की वेक्टर रोग होने पर इसकी जाँच व इलाज की सुविधाएं सभी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध है। उन्होंने बताया की डेंगू के लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, जी मिचलाना, थकान,उल्टी मांसपेशियों में गंभीर दर्द,होता है। वहीं मलेरिया एक खास तरह के परजीवी से होता है, जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश कर जाता है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मलेरिया का ज्यादा खतरा होता है।

मलेरिया के लक्षण में व्यक्ति को ठंड लगना शरीर में दर्द बुखार डायरिया तनाव व थकान खून की कमी चक्कर आना है।मौके पर वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शर्मा,डीएस डॉ अवधेश कुमार, भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, प्रेमलता कुमारी, चंद्रभानु सिंह, ऑपरेटर धीरज कुमार,स्टॉफ नर्स मीना लाल व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थें।

मोतिहारी में ससुराल आए दामाद की ससुराल वालों ने पीटकर की हत्या

मोतिहारी मोतिहारी के सुगौली प्रखंड के उत्तरी सुधा में सोमवार की रात ससुराल वालों ने अपने दामाद की पीट-पीट कर हत्या कर दी। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया। मृतक की पहचान सुगौली थानाक्षेत्र के दक्षिणी सुधा गांव वार्ड-2 निवासी दिवंगत रुदल साह के बेटे गोपाल साह के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों द्वारा थाने में आवेदन देकर ससुराल वालों को आरोपी बनाया गया है। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि सास, पत्नी के भाई और अन्य लोगों ने मारपीट कर हत्या कर दी है। मृतक की भाभी ने बताया कि गोपाल साह ने दो वर्ष पूर्व अपनी जमीन बेचकर अपने ससुराल में जमीन खरीदकर घर बनाया है। उन्होंने बताया कि आए दिन उनके देवर के साथ ससुराल वाले मारपीट करते रहते थे। उन्होंने बताया कि उनके देवर की हत्या कर घर में रख दिया गया था। इसकी सूचना भी नहीं दी गई थी। आसपास के लोगों द्वारा इसकी सूचना दी गई। उसके बाद घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि शव धरती पर पड़ा हुआ है। लेकिन शव के पास ससुराल वाला कोई भी नहीं था। उसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

राजीव गांधी के जन्मदिन को हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया

बिट्टू कुमार

पश्चिमी चंपारण/बेतिया। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भारत भूषण दुबे ने केदार आश्रम बेतिया में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राजीव गांधी के जन्मदिन को हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। जिसका अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भारत भूषण दुबे ने किया। इस कार्यक्रम में उमेश पटेल, अनिसुर रहमान, पंकज उपाध्याय, शिवरतन यादव, शांति देवी, डॉ अब्बु लेस, शकील अहमद, गौरव मिश्रा, आदित्य प्रताप सिंह, राजीव सिंह, चंद्रशेखर भारती, असलम मियां, बदरुल इमाम, दीपेंद्र मिश्रा, अनवर आलम, गोपाल तिवारी, ब्रह्मानंद पांडे, डॉ अबुल लेस, नित्यानंद शुक्ला, पप्पू दुबे, सहित तमाम कांग्रेस जन उपस्थित थे।

निगरानी टीम के हत्थे चढ़े तो आएगी शामत

संवाददाता।

सीतामढ़ी। अब भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों की खैर नहीं है। जो लोग गलत तरीके से पैसे कमा रहे हैं या कमा चुके हैं, उनकी जांच अब तुरंत होगी। सरकार के आदेश पर डीएम रिची पांडेय ने ऐसे कर्मचारियों की जांच के लिए एक खास टीम बनाई है। इस टीम को 'निगरानी कोषांग' कहा जा रहा है।

पहले क्या होता था कि भ्रष्टाचार की शिकायतें दफ़्तरों में दब जाती थीं। अभी भी कई ऐसे मामले दबे पड़े हैं। लेकिन सरकार ने अब इस पर सख्ती दिखाई है। अब कोई भी व्यक्ति निगरानी विभाग में किसी भी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकता है। विभाग खुद या फिर जिला स्तर पर गठित 'निगरानी कोषांग' मामले की जांच करेगा।

यह 'निगरानी कोषांग' 13 जून को निगरानी विभाग के संयुक्त सचिव के आदेश पर बनाया गया है। इसमें एडीएम और मुख्यालय के डीएसपी शामिल हैं। ये दोनों ही अधिकारी भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करेंगे। डीएम ने दोनों अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 19 सितंबर को मुख्य सचिव द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार जांच करें और रिपोर्ट दें। खबरों के मुताबिक अभी इस 'कोषांग' को दो कर्मचारियों के खिलाफ जांच सौंपी गई है। इनमें से एक कर्मचारी एक तकनीकी विभाग से जुड़ा है। जानकारों का मानना है कि पहले भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल था। इसलिए लोग शिकायत करने से कतराते थे। और अगर शिकायत करते भी थे तो कोई सुनवाई नहीं होती थी। लेकिन अब उम्मीद है कि शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा और समय पर जांच पूरी होगी।

बिहार का 6 दशक पुराना सपना

पश्चिमी कोशी नहर परियोजना, मिथिलांचल के लिए साबित हो रहा वरदान

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के मधुबनी और दरभंगा के किसानों के लिए खुशखबरी है। पश्चिमी कोशी नहर परियोजना से अब इन जिलों में सिंचाई की सुविधा बेहतर प्रदान कर रही है। इस प्रोजेक्ट के तहत नेपाल के भीमनगर में कोशी नदी पर बने बराज से एक नहर निकाली गई है, जिसे पश्चिमी कोशी मुख्य नहर कहते हैं। इसके साथ ही, वाटर डिस्ट्रीब्यूशन के लिए नहरों का जाल बिछाने और पुरानी व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम भी चल रहा है। इस परियोजना का मकसद मधुबनी और दरभंगा के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना है।पश्चिमी कोशी मुख्य नहर, नेपाल के भीमनगर में कोशी नदी पर बने बराज के दाहिने हिस्से से निकलती है। नहरों के जाल बिछ जाने से किसानों की फसल अच्छी होगी और उनकी आमदनी में भी इजाफा होगा। इसके अलावा बाढ़ की मुसीबत से भी मुक्ति मिलेगी।पश्चिमी कोशी नहर परियोजना का मूल उद्देश्य मधुबनी और दरभंगा जिले में सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित कराना है।

इस योजना अंतर्गत कोशी नदी में नेपाल के भीमनगर मे निर्मित बराज के दाएं भाग से पश्चिमी कोशी मुख्य नहर का निर्माण किया गया हैं। इससे तहत अलग-अलग तरीके से वाटर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के निर्माण कार्य और रेस्टोरेशन का काम कराया जा रहा हैं। योजना की मूल प्रशासनिक स्वीकृति वर्ष 1962 में 13.49 करोड़ रुपए के लिए प्रदान की गई थी। नेपाल से नहर निर्माण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर सहमति मिलने के बाद वर्ष 1971 से योजना का कार्य प्रारंभ हुआ। बीच के वर्षों में लंबी अवधि तक अलग-अलग वजहों से काम नहीं हो सका।

वर्ष 1996-97 से वर्ष 2012-13 तक योजना का कार्यान्वयन कराया गया। भू-अर्जन मुआवजा भुगतान में आई जटिलता और अन्य कारणों से यह योजना अपने निर्धारित समय पर पूर्ण नहीं हो सकी। वर्ष 2020 में योजना को नए सिरे से अवशेष कार्यों के साथ पुनर्स्थापन के प्रावधान के साथ 2372.528 करोड़ रुपए का पंचम पुनरीक्षित प्राक्कलन की स्वीकृति प्रदान किया गया।

योजना में चौर क्षेत्र, जलजमाव क्षेत्र, नदी-नाले और अन्य भूमि जो कृषि योग्य नहीं है को छोड़कर कृषि योग्य कमांड क्षेत्र 203300 हेक्टेयर है। जिसमें दरभंगा जिले का कमांड क्षेत्र15556 हेक्टेयर है। मधुबनी जिले का कमांड क्षेत्र 187744 हेक्टेयर है। दरभंगा जिले के दक्षिणी भाग के जल जमाव से मुक्त हो जाने पर योजना का कमांड क्षेत्र विस्तारीकरण किए जाने का प्रवधान है। योजना में उग्रनाथ शाखा नहर, विदेश्वर स्थान उप शाखा नहर और काकरघाटी शाखा नहर के विस्तारीकरण का प्रावधान है। जिसमें दरभंगा जिले के अतिरिक्त कृषि योग्य भूमि को भविष्य में योजना के कमांड क्षेत्र में शामिल किया जा सकेगा। विस्तारण के बाद लगभग 30 हजार हेक्टेयर कमांड क्षेत्र में बढ़ोतरी होगी।

योजना के बाकी बचे कार्य और रेस्टोरेशन के काम के लिए प्रमुख रूप से 28 दिसबंर 2020 को 735.0125 करोड़ रुपए का एकरारनामा किया गया है जिसके तहत कार्य की प्रगति लगभग 94 प्रतिशत है।2024 के हिसाब से देखें तो खरीफ के मौसम में जलस्राव (हंड्डी१ रीस्री) 6100 घनसेक रहा। खरीफ फसल के दौरान 107189 हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसकी वर्तमान उपलब्धि 77134.50 हेक्टेयर रही।

चरण सिंह

विचार

आरक्षण की छद्म राजनीति

आरक्षण पर फर्जी, छद्म, झूठी, अतार्किक कहानियां गढ़ी जा रही हैं। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आरक्षण और उसके आधार संविधान के जरिए मोदी-विरोध की राजनीति कर रही हैं। लोकसभा चुनाव में उनका यह ह्यहथियारह्न, कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को ह्यब्रह्मसत्यह्न मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर ह्यविशेषज्ञोंह्न की सीधी भर्ती करना चाहती है, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं हैं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करेगी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया है। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही है। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का नाम भी है, जिन्हें ह्यविशेषज्ञ अर्थशास्त्रीह्न के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया था। फिर ह्ययोजना आयोगह्न का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। 1991 में जब वह केंद्रीय वित्त मंत्री बने, तो वित्त सचिव के पद पर उन्होंने मोंटेक सिंह आहलूवालिया को मांगा था। मोंटेक आईएएस नहीं थे, फिर भी देश के वित्त सचिव बनाए गए। बाद में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में उन्हें ह्ययोजना आयोगह्न का उपाध्यक्ष भी बनाया गया। इसी सूची में रघुराम राजन, विमल जालान, नंदन नीलेकणि, सैम पित्रोदा, एनटीपीसी के चेयरमैन रहे पी. कपूर आदि सैकड़ों नाम दर्ज हैं, जिन्हें सरकार ने सीधे ही नौकरशाही के वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया था। ऐसी नौकरियां 1968 से दी जा रही हैं और अधिकतर कांग्रेस सरकारों के दौरान ही दी गई हैं। तब संविधान को खत्म करने और आरक्षण को छीनने के मुद्दे नहीं उठाए गए। अब भी सीधी भर्ती वाले 57 शीर्ष अधिकारी भारत सरकार में कार्यरत हैं। इन भर्तियों से आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस आदि के युवा दावेदार कहीं भी प्रभावित नहीं होंगे। यह मुद्दा राहुल गांधी बार-बार उठा रहे हैं। भारत सरकार में जो अधिकारी आज सचिव के पद पर हैं, वे 1990 के दशक में आईएएस बने होंगे। आरक्षण तब लागू हुआ होगा, नतीजतन 3-4 सचिव आज अनुसूचित जाति और जनजाति के भी हैं। इस व्यवस्था में प्रधानमंत्री भी कुछ नहीं कर सकता। संघ लोक सेवा आयोग की अपनी स्वायत्तता है। लोकतंत्र में जनादेश ही अधिकार देता है। जनादेश से जिसकी सत्ता बनी है और प्रधानमंत्री, कैबिनेट आदि तय हुए हैं, तो संविधान उन्हें कुछ विशेषाधिकार भी देता है। पहले तो प्रधानमंत्री ही तमाम संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करते थे। अब कमोबेश नेता प्रतिपक्ष भी चयन समिति के सदस्य हैं। लिहाजा सीधी भर्तियां भी सरकार कर सकती है। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। यदि विपक्ष को कुछ गलत लगता है, तो वह सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है। सचिव की बात छोड़ भी दें, तो संयुक्त सचिव पद के लिए भी कमोबेश 15 साल का अनुभव अनिवार्य है।

बलात्कार की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक

-मुस्ताअली बोहरा-

ये कैसी विडम्बना है कि जहां एक तरफ लाल किले की प्राचीर से देश में न्यायिक सुधार, 2047 में विकसित भारत और महिलाओं के खिलाफ अपराध में सजा की बात की जा रही थी तो दूसरी तरफ देश की बेटियां न्याय की मांग करते हुए आंदोलन कर रहीं थी। जश्न-ए-आजादी के बीच महिलाओं का ये आंदोलन कई सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर कब तक इसी तरह बलात्कार होते रहेंगे, कब तक ऐसे दरिंदे खुलेआम घूमते रहेंगे, कब तक महिला सुरक्षा को लेकर जबानी जमा खर्च होता रहेगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी ने हर किसी झकझोर दिया है। इसको लेकर देश भर गुस्सा है। विपक्ष से लेकर सेलिब्रिटीज, राजनेता और आम आदमी हर किसी के जहन में यही सवाल है कि आखिर आजादी के इतने बरसों बाद भी महिलाएं सुरक्षित और आजाद क्यों नहीं हैं। कोलकाता के रेप-मर्डर मामले की जांच अब सीबीआई के हाथों में है।

आपराधिक आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि देश में बलात्कार चैथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2019 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार देश भर में 32033 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे या ये भी कहा जा सकता है कि हर रोज औसतन 88 मामले दर्ज हुए। इसके अलावा नाबालिगों के साथ उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाएं भी सामने आतीं रहतीं हैं। ब्यूरो की इन आंकड़ों से जाहिर है बलात्कार की घटनाएं कम नहीं हुईं हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में भी बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं।

खैर, कोलकाता की घटना के बाद एक फिर डॉक्टर आंदोलित हैं और हड़ताल पर चले गए हैं। इन डॉक्टरो को देश के अन्य राज्यों के डॉक्टरो का भी समर्थन मिल रहा है। कोलकाता में डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रहीं हैं। डॉक्टरो का कहना है कि उन्हें माकूल सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए। सभी अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। मृतक डॉक्टर के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और इस मामले में जल्द से जल्द न्याय हो। हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून या सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। साथ ही इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सख्त कदम उठाए जाने की बात कही है। देश भर के डॉक्टर कोलकाता के डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। डॉक्टरो की चिंता बेवजह नहीं है। हालांकि, जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो पहले ये देखना होगा कि क्या बलात्कार की इस तरह की घटनाओं के पीछे कानून का कमजोर होना है या फिर किसी कड़े कानून की कमी इसकी वजह है। वैसे, ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्संस एंड मेडिकेयर सर्विस इंस्टिट्यूशंस (प्रिवेंशन ऑफ वॉयलेंस एंड डैमेज-लॉस टु प्रॉपर्टी) एक्ट पहले से ही लागू है। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत पहुंच सके। तो ये माना जा सकता है कि असल समस्या कानून की कमी नहीं बल्कि उस पर सख्ती से अमल है। बहरहाल, अस्पताल में लेडी डॉक्टर ही नहीं बल्कि पुरूष डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ और दिगर स्वास्थ्य कर्मी भी हमलों का शिकार होते रहते हैं। बात सिर्फ यहीं तक नहीं हैं अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा भी बड़ा मसला है। अस्पतालों में भर्ती महिला मरीजों भी यौन हमलों की खबरें आतीं रहतीं हैं। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को लेकर व्यापक जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है। मंहगी शिक्षा और मंहगी दवाएं तथा अस्पतालों में इलाज और जांच के नाम पर होने वाला खर्च भी चर्चा का विषय है। कतिपय अस्पतालों में मेडिसिन और सर्जिकल आइटम की सप्लाई के गोरखधंधे, कमीशनखोरी, और इससे जुड़े रैकेट के सक्रिय होने की बात तो सब जानते हैं लेकिन कोलकाता के इस मामले में सेक्स रैकेट और ड्रग्स का एंगल भी सामने आया है।

क्या देश में क्रिकेट अन्य खेलों को नहीं पनपने दे रहा?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का इस बार का संबोधन और संसद या चुनावी सभाओं में कही गई बातों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखा। कुछ चीज परंपरागत होती हैं जैसे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव। हर बार सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने विचार व्यक्त करते हैं।

समावेशी खेल संस्कृति सभी एथलीटों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करती है, चाहे वे किसी भी खेल में भाग लें। भारत में, क्रिकेट का वर्चस्व अन्य खेलों पर हावी है, जिससे विभिन्न खेलों में सीमित विकास होता है। युवा मामले और खेल मंत्रालय के अनुसार, जहाँ क्रिकेट के बहुत से प्रशंसक हैं, वहीं एथलेटिक्स, हॉकी और बैडमिंटन जैसे खेल अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे और धन की कमी से जूझ रहे हैं। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के सीमित विकास के पीछे अपर्याप्त धन और बुनियादी ढांचा है। क्रिकेट की लोकप्रियता कॉरपोरेट घरानों की देन है। क्रिकेट कॉरपोरेट और सत्ता का खेल है और इन्हें ही लाभ पहुंचाने के लिए खेला जाता है। इसलिए इस खेल से परहेज किया जाये और इसकी लोकप्रियता को नशा न बनने दिया जाये, अन्यथा कॉरपोरेट और सत्ताधारियों की चांदी कटती रहेगी।क्रिकेट के अलावा ज्यादातर खेल अपर्याप्त वित्तीय सहायता और निम्नस्तरीय बुनियादी ढांचे से जूझ रहे हैं। हॉकी, भारत का राष्ट्रीय खेल होने और एक गौरवशाली इतिहास होने के बावजूद, हॉकी खिलाड़ियों को अक्सर पुराने प्रशिक्षण मैदान, अपर्याप्त उपकरण और सीमित वित्तीय सहायता का सामना करना पड़ता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका प्रदर्शन प्रभावित होता है। मीडिया और जनता का ध्यान अन्य खेलों में न के बराबर है। क्रिकेट पर मीडिया का अत्यधिक ध्यान अन्य खेलों को दरकिनार कर देता है, जिससे उनकी दृश्यता और प्रशंसक आधार कम हो जाता है। बैडमिंटन में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों के बावजूद , इस खेल को शायद ही कभी मीडिया का उतना ध्यान मिलता है जितना क्रिकेट को मिलता है, जिससे जनता के बीच इसका आकर्षण सीमित हो जाता है।

अन्य खेलों के लिए जमीनी स्तर पर विकास कार्यक्रमों का अभाव है। क्रिकेट के विपरीत, जिसमें जमीनी स्तर पर विकास की मजबूत व्यवस्था है, कई अन्य खेलों में युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए संरचित कार्यक्रमों का अभाव है। भारत के एथलेटिक्स परिदृश्य में समर्पित कार्यक्रमों की अनुपस्थिति के कारण कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें निखारने में संघर्ष करना पड़ता है। सीमित कॉर्पोरेट प्रायोजन मुख्य रूप से क्रिकेट में प्रवाहित होता है, जिससे अन्य खेलों को न्यूनतम वित्तीय सहायता मिलती है । इससे कम टूनामेंट, अपर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएँ और एथलीटों के लिए कम वेतन मिलता है। उदाहरण के लिए: ग्रामीण क्षेत्रों में खेल की लोकप्रियता के बावजूद, कबड्डी खिलाड़ी कम प्रायोजन सौदों के कारण कम आय से जूझते हैं। सांस्कृतिक और सामाजिक पूर्वाग्रह के चलते क्रिकेट के प्रति एक सांस्कृतिक झुकाव है, जिसे अक्सर खेलों में एकमात्र व्यवहार्य कैरियर माना जाता है। यह पूर्वाग्रह युवाओं को अन्य खेलों को पेशेवर रूप से अपनाने से हतोत्साहित करता है। पंजाब जैसे राज्यों में भी, जहाँ हॉकी का समृद्ध इतिहास रहा है, क्रिकेट ने धीरे-धीरे इसे पीछे छोड़ दिया है, जिससे खेल का विकास प्रभावित हुआ है।

अधिक समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आज हमको सभी खेलों के लिए वित्तपोषण में वृद्धि की जरूरत है। सरकार और निजी क्षेत्र को सभी खेलों के लिए वित्तपोषण में वृद्धि करनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि सुविधाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रिकेट के लिए उपलब्ध सुविधाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बराबर हों। एथलेटिक्स और तैराकी के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे में निवेश करने से संभावित ओलंपियनों की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिल सकती है। मीडिया घरानों को लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए खेलों की व्यापक रेंज को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए और उन्हें आच्छादित करना चाहिए। उदाहरण के लिए: प्राइमझ्रटाइम टेलीविजन पर फुटबॉल और कुश्ती जैसे खेलों की राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लीगों का प्रसारण करने जैसी पहल से उनकी लोकप्रियता और दर्शकों की सहभागिता बढ़ सकती है। जमीनी स्तर के कार्यक्रमों को मजबूत करने और अधिक खेलों को कवर करने के लिए खेलो इंडिया जैसे जमीनी स्तर के कार्यक्रमों का विस्तार करने से कम उम्र में प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिल सकती है। विभिन्न राज्यों में तीरंदाजी और जिमनास्टिक जैसे खेलों के लिए समर्पित अकादमियाँ स्थापित करने से प्रशिक्षित एथलीटों की एक स्थिर जुड़ाव सुनिश्चित हो सकती है।

कर प्रोत्साहन और सार्वजनिक मान्यता के माध्यम से विभिन्न खेलों के लिए कॉर्पोरेट प्रायोजन को प्रोत्साहित करने से कम वित्त पोषित खेलों में निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। प्रो कबड्डी लीग जैसे सफल मॉडल, जिन्हें महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट समर्थन प्राप्त हुआ है, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे अन्य खेलों के लिए भी अपनाए जा सकते हैं। सभी खेलों में एथलीटों के लिए समान प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान करने वाली नीतियों को लागू करने से अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। उदाहरण के लिए: गैरझ्रक्रिकेट खेलों के एथलीटों के लिए नौकरी आरक्षण और छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना युवाओं को विविध खेल विषयों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। भारत की खेल संस्कृति को क्रिकेट से परे कई विषयों को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए विकसित किया जाना चाहिए। क्रिकेट में कॉरपोरेट के दखल के चलते क्रिकेट को अछूता बनाने के बजाय जरूरत यह समझने की है कि यह बदलाव क्यों आया! आखिर क्यों कॉरपोरेट घराने खेलों में एंट्री पाने में सफल रहे और खेल उन पर निर्भर हो गये! ऐसा सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि सरकारें खेलों को प्रोत्साहन देने में नाकामयाब रहीं।रणनीतिक निवेश, मीडिया विविधीकरण और समावेशी नीतियों के साथ, भारत एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकता है जो विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं का पोषण करता है। यह दृष्टिकोण न केवल भारत की वैश्विक खेल स्थिति को बढ़ाता है बल्कि एक स्वस्थ और अधिक समावेशी खेल वातावरण और समाज को भी बढ़ावा देता है जहाँ हर खेल को उसकी उचित मान्यता और समर्थन मिलता है।

जैसा माता पिता के साथ करेंगे वैसा बच्चे आपके साथ करेंगे

ऊषा शुक्ला

जैसा व्यवहार आप अपने माता पिता के साथ करेंगे वैसा ही व्यवहार आपके बच्चे हैं आपके साथ करेंगे । आप अपने बच्चों को यही तो संस्कार दे रहे हैं कि अपने माता पिता के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। माता पिता को सम्मान देना है या उन पर चिल्लाना है उनकी बेइज्जती करना है।

सोसायटी कम्पाउंड मे दोनों बुजुर्ग मित्र मोहनबाबू और रमेशबाबू बैंच पर बैठे बतिया रहे थे कि अचानक एक गेंद तेजी से आकर रमेशबाबू के चश्मे पर लगी अचानक ऐसा होने से रमेशबाबू हडबडा गये और चश्मा नीचे गिरकर टूट गया..... सभी बच्चे उनकी और आने से डर रहे थे आखिर एक ने कोशिश की - दादाजी वो गलती से ...फिर लगभग सभी बच्चों ने दोनों कानों को पकडते हुए माफी मांगनी शुरू कर दी....देख कर खेला करो बच्चों ...मोहनबाबू बोले ।कोई बात नहीं मोहनबाबू बच्चे हैं खेलेंगे नहीं तो क्या करेंगे... जाओ बच्चों मगर थोड़ा ध्यान रखा करो...कहकर भीगी हुई आँखें पोछते हुए वहां से चले गए

मोहनबाबू की तरह बच्चे भी जानते थे की रमेशबाबू का बेटा उनपर यकीनन बिगडेगा उनकी गलती की वजह से अब दादाजी को जाने कया कुछ नहीं सुनना पडेगा..... और बिल्कुल सही बात थी रमेशबाबू के घरसे अक्सर उनके बेटे की तेजतर्रार आवाजें सुनाई देती थी जोकि अपने पिता की कोई ना कोई गलती को लेकर होती थी और आज भी वहीं हुआ.... आपको पता भी है कितना मंहगा चश्मा था वो... आ गए तुडवाकर...अब रहिए बिना चश्मे के.... अभी नहीं बनवाकर दे सकता बस... भुगतिए पर बेटा बिना चश्मे के मुझे दिखाई नहीं...तो... ये तुड़वाने से पहले सोचना चाहिए था।

पर पापा ....दादाजी की कोई गलती नहीं थी वो तो हम बच्चे वहां क्रिकेट....चुप....बहुत बोलता है ...बडा आया दादा का चमचा...तभी दरवाजे पर खटखट हुई....कौन है? दरवाजा खोलते हुए रमेशबाबू का बेटा गुस्से से बोला.अंकलजी मे.....आराध्या.... वो दादाजी को सभी नीचे कम्पाउंड मे बुला रहे है....

कयो .....कयो बुला रहे हैं ...

रमेशबाबू अपने बेटे बहु और पोते सहित नीचे कम्पाउंड मे आए ....जहां तमाम सोसायटी के बच्चे मौजूद थे ....कया हुआ ...कयो बुलाया है पापा को ....

बच्चों ने रमेशबाबू को चश्मा दिया....पहनकर देखिए दादाजी कैसा है....अरे....अरे ये तो मेरा चश्मा ...मगर ये तो टूट गया था फिर ....ये बच्चों का प्यार है जो तुमने कमाया है रमेशबाबू... मोहनबाबू बीच मे बोले....

रमेशबाबू ने मोहनबाबू की ओर हैरानी से देखा....

ऐसे कया देख रहे हो ....हां सचमुच ....प्यार ....बच्चों को भी पता है तुम्हारे बेटे बहु के स्वभाव का जानते थे तुम्हारी कोई गलती ना होनेपर भी ये तुम्हें ही दोषी करार देगे और यकीनन हुआ भी यही है ...है ना....

इन सबने अपने अपने घरों से अपनी अगले दिन की पाकेटमनी से आपके लिए ये नया चश्मा बनवाया है ....रमेशबाबू आपने इन्हें डांटा नहीं हमेशा प्यार ही किया वो प्यार और स्नेह का मोल ये मासूम बच्चे समझते है इन्हें पता है आपको चश्मे के बिना दिखाई नही ।बच्चे प्यार की भाषा और स्नेह को समझते है मगर तुम ...तुम तो इनके बेटे हो इनके कारण इस दुनिया में आए हो फिर तुम कयो नहीं समझते इस प्यार और स्नेह को ....लगता है तुम भूल गए हो बचपन में किए अपने पिता के उन कामों को जो तुम्हारी ख्वाहिशों से जुडे हुए थे ....जानते हो एक पिता की यही ख्वाहिश होती हैं कि उसके बेटे की कोई ख्वाहिश अधूरी ना रहे इसके लिए वो अधिक और अधिक मेहनत करने से भी नहीं चूकता ...तुम्हारे कपडो से लेकर खेलकूद की तमाम चीजें जो तुमने कभी मांगी होगी बिना देरी किए जल्द से जल्द उन्हें पूरा करने की भरसक कोशिश की होगी ....

तुम आज अपने पिता के साथ सलूक कर रहे हो वो सब तुम्हारा बेटा भी देखता है नादान नहीं है ये आजकल के बच्चे सब समझते भी और सीखते भी है कल जब तुम अपने पापा की उम्र मे पहुंचोगे तो यही सब तुम्हारे साथ दोहराया जाएगा तो ...सहन कर पाओगे ... बबूल के पेड पर आम नहीं लगते ...

मुझे माफ कर दीजिए अंकलजी.... मुझे माफ कर दीजिए पापा ....मैंने पता नहीं .....कैसे भूल गया

जैसा व्यवहार आपका अपने माता-पिता के प्रति है क्या आप चाहते है की आपके बच्चे भी आगे चलकर आपके साथ वैसा ही व्यवहार करें?

धीमा न्याय निर्भयाओं को कर रहा कमजोर हैवानियत को अंजाम तक पहुंचना चाहिए

-प्रियंका सौरभ

महिलाओं के विरुद्ध यौन हिंसा में संस्थागत कारकों में अपर्याप्त संसाधन वाले पुलिस बल और अप्रभावी कानून प्रवर्तन सहित संस्थागत विफलताएं ,महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में योगदान करती हैं। अक्सर, मामले या तो दर्ज नहीं किए जाते हैं या पूरी तरह से जांच नहीं की जाती है , जिससे सजा की दर कम होती है। 2012 में निर्भया मामले में हुई कथित देरी ने पुलिस प्रक्रियाओं और कानून प्रवर्तन में महत्वपूर्ण खामियों को उजागर किया, जिससे व्यापक सार्वजनिक आक्रोश हुआ।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम (2013) जैसे प्रगतिशील कानूनों के अस्तित्व के बावजूद, निगरानी , जवाबदेही और संस्थागत समर्थन की कमी के कारण उनका कार्यान्वयन कमजोर बना हुआ है। राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है , जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है, तथा प्रभावशाली अपराधी अक्सर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है।

पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने वाले पितृसत्तात्मक मानदंड ,महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये मानदंड अक्सर अपमानजनक व्यवहार को उचित ठहराते हैं या कम करते हैं, परिवार के पुरुष सदस्यों पर आर्थिक निर्भरता अक्सर महिलाओं को हिंसा सहने के लिए मजबूर करती है, क्योंकि अपमानजनक स्थिति से बाहर निकलने पर वित्तीय अस्थिरता या अभाव हो सकता है ।

विशेषकर यौन हिंसा के पीड़ितों को अक्सर सामाजिक कलंक और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, जो उन्हें अपराधों की रिपोर्ट करने या न्याय मांगने से हतोत्साहित करता है। मीडिया में महिलाओं और हिंसा के बारे में प्रस्तुतीकरण अक्सर मामलों को सनसनीखेज बना देता है, कभी-कभी मुद्दे की गंभीरता को कमतर आंकता है या पीड़ितों के बारे में नकारात्मक रूढ़िवादिता को मजबूत करता है। विशेष रूप से यौन हिंसा की रिपोर्टिंग से होने वाले रुढ़िवादी सांस्कृतिक कलंक के कारण कम रिपोर्टिंग होती है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों के प्रवर्तन में बाधा आती है। यौन हिंसा की अनुमानित घटनाओं और रिपोर्ट किए गए मामलों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाता है, जो रिपोर्टिंग में सांस्कृतिक बाधाओं को उजागर करता है। अपर्याप्त फंडिंग और स्टाफिंग सहित संस्थागत संसाधन की कमी , कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों का जवाब देने की क्षमता को सीमित करती है।

कई पुलिस स्टेशनों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को संभालने के लिए समर्पित महिला अधिकारियों या विशेष प्रकोष्ठों की कमी है , जिसके कारण मामले को ठीक से नहीं निपटा जा पाता है। राजनीतिक प्रभाव और भ्रष्टाचार के कारण अक्सर कानूनों का चयनात्मक प्रवर्तन होता है , जहां शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों को या तो दबा दिया जाता है या खराब तरीके से जांच की जाती है। महिलाओं में कानूनी जागरूकता की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, न्याय पाने की उनकी क्षमता को सीमित करती है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें बचाने के लिए बनाए गए कानूनों का कम उपयोग होता है। कई महिलाएं महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के तहत अपने अधिकारों से अनजान हैं , जिसके कारण रिपोर्ट करने और कानूनी सहारा लेने की दर कम है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण , संवेदनशीलता और संसाधन आवंटन के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए: पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो द्वारा आयोजित पुलिस अधिकारियों के लिए नियमित लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम , महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों से निपटने में सुधार कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने जैसी आर्थिक सशक्तिकरण पहल , महिलाओं की अपमानजनक रिश्तों पर निर्भरता को कम कर सकती है और उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने में सक्षम बना सकती है। सरकार और नागरिक समाज संगठनों को महिलाओं के बीच कानूनी साक्षरता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि वे अपने अधिकारों और उनके लिए उपलब्ध कानूनी रास्तों के बारे में जागरूक हों। महिला अधिकार पहल जैसे गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कानूनी जागरूकता शिविर महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के बारे में शिक्षित करने में मदद करते हैं ।

सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम जो पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देते हैं और लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं , एक सांस्कृतिक बदलाव ला सकते हैं जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा को हतोत्साहित करता है। संस्थानों के अंतर्गत मजबूत निगरानी और जवाबदेही तंत्र स्थापित करने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसी भी चूक को तुरंत संबोधित किया जाए। कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समितियों की स्थापना , जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 द्वारा अनिवार्य है , अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट के साथ, कानून की प्रभावशीलता में सुधार कर सकता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो संस्थागत और सामाजिक दोनों कारकों से निपटता है। कानून प्रवर्तन को मजबूत करना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और सांस्कृतिक परिवर्तन को बढ़ावा देना महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में आवश्यक कदम हैं । सरकार, नागरिक समाज और समुदायों के ठोस प्रयासों से, भारत एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ सकता है जहाँ महिलाएँ भय और हिंसा से मुक्त रहें , उनके अधिकार और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित हों ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

सार्वजनिक शौचालयों के लिए नई नीति, कर्मचारियों को देना होगा डीसी रेट, गंदगी पर लगेगा जुमार्ना

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सार्वजनिक शौचालयों को चलाने के लिए नगर निगम ने नई नीति तैयार की है। नगर निगम की तरफ शौचालयों को चलाने के लिए एमडब्ल्यूए-आरडब्ल्यूए को 30 हजार की जगह अब हर महीने 52,217 रुपये दिए जाएंगे लेकिन अब शौचालय पर एक महिला-एक पुरुष कर्मी तैनात करना होगा। डीसी रेट देने के साथ पीएफ भी जमा कराना होगा। इसके साथ अगर शौचालय में गंदगी मिलेगी तो 100 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक का जुमार्ना भी लगाया जाएगा।

शहर में 300 सार्वजनिक शौचालय हैं। कुछ सार्वजनिक शौचालय निजी कंपनियों को ठेके पर भी दिए गए हैं। प्रत्येक सार्वजनिक शौचालय को चलाने के लिए नगर निगम आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए को हर महीने करीब 30 हजार रुपये देता है। कंपनियों को करीब 52 हजार रुपये दिए जाते हैं।

कारण है कि कंपनियों की ओर से शौचालय पर तैनात कर्मचारियों को डीसी रेट दिया जाता है, लेकिन आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए द्वारा ऐसा नहीं किया जाता। इसके अलावा भी अन्य कई तरह की समस्याएं

सामने आ रही थीं जिसके बाद नए नियम तैयार किए गए हैं। नए नियम व शर्तें तय करने के लिए मेयर कुलदीप कुमार ने एक कमेटी का गठन किया, जिसमें आयुक्त आनंदिता मित्रा, चीफ इंजीनियर, पब्लिक हेल्थ के एसई, हॉर्टिकल्चर के एसई के साथ पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी, जसबीर बंटी, प्रेम लता, दमनप्रीत सिंह, महेशइंदर सिंह सिद्धू और कंवरजीत राणा शामिल रहे। सोमवार को कमेटी की बैठक हुई, जिसमें नई नियमों पर फैसला लिया गया।

आरडब्ल्यूए-एमडब्ल्यूए को ही कराने होंगे छोटे मरम्मत कार्य...कमेटी की बैठक में तय हुआ है कि जिस भी आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए की ओर से शौचालय चलाया जा रहा है, उन्हें सार्वजनिक शौचालय पर तैनात कर्मचारियों को डीसी रेट देना होगा। वर्दी और पीएफ भी जमा कराना होगा। हर महीने सात तारीख तक वेतन देना होगा। इसके साथ अन्य श्रम कानूनों का भी पालन करना होगा।

शौचालय को सबलेट नहीं कर सकते। इसकी निगरानी नगर निगम करेगा। शौचालय पर बिजली-पानी का कनेक्शन अनिवार्य होगा और इसका बिल नगर निगम की ओर से जमा कराया जाएगा। टॉयलेट पर जो छोटे-मोटे मरम्मत के कार्य होंगे उसे आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए को ही करना होगा लेकिन अगर रेनोवेशन और बड़े मरम्मत की जरूरत होगी तो उसे नगर निगम की ओर से किया जाएगा। प्रत्येक सार्वजनिक शौचालय पर एक महिला और एक पुरुष अटेंडेंट को तैनात रखना होगा।

एक रिलीवर भी रखना होगा। सभी को डीसी रेट देना होगा। इसके अनुसार प्रत्येक कर्मचारी का वेतन करीब 21000 रुपये बनेगा। शौचालय चलाने के लिए एमडब्ल्यूए-आरडब्ल्यूए को 30 हजार की जगह अब हर महीने मिलेंगे 52,217 रुपये दिए जाएंगे।

कई नेताओं को लगेगा झटका, शौचालय के नाम पर कमा रहे हैं लाखों...शहर में सार्वजनिक शौचालय को चलाने के लिए नगर निगम हर महीने करीब एक करोड़ रुपये खर्च करता है। इनमें से लाखों रुपये हर महीने कुछ लोगों की जेब में जाते हैं, क्योंकि शहर में कई सार्वजनिक शौचालय ऐसे हैं, जो एक ही आरडब्ल्यूए के पास हैं और वह आरडब्ल्यूए किसी नेता से जुड़ा होता है। कई बार आरोप भी लगे हैं वर्तमान में कुछ पार्षद भी अपने रिश्तेदारों के नाम पर सार्वजनिक शौचालय लेकर चला रहे हैं और क्योंकि वह तैनात कर्मचारी को मनमर्जी का वेतन देते हैं। ऐसे में अधिकतर पैसा उनकी जेब में जाता है लेकिन इन नियमों के बनने से उन्हें झटका लगेगा।

खर्च निकालने के लिए प्रति इस्तेमाल वसूल सकेंगे पांच रुपये....सार्वजनिक शौचालय को चलाने में आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए को समस्या न आए, इसे देखते नगर निगम ने प्रति इस्तेमाल पर दो से पांच रुपये वसूलने की इजाजत दे दी है। ये पैसे आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए के पास ही रहेंगे। साथ ही अगर शौचालय में सेनेटरी पैड नहीं होगा, डस्टबिन से कूड़ा बाहर गिरा होगा या सफाई नहीं होगी तो 100 से लेकर 1000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा।

यह जिम्मेदारी एरिया के जेई और एसडीई की होगी। तय किया गया है कि अगर शौचालय पर तैनात कर्मचारी किसी के साथ बदतमीजी करता है तो उसे निकालने की छूट होगी। इसके साथ ही सामुदायिक शौचालयों को लेकर भी नियमों में बदलाव किया गया है। जहां भी 20 से कम सामुदायिक शौचालय सीटें होंगी, उन्हें कम से कम हर महीने 20000 रुपये मिलेगा। अगर जहां भी शौचालय सीट 20 से ज्यादा होंगी तो उन्हें 20000 के बाद प्रति शौचालय 1000 रुपये दिया जाएगा।

एक हाथ में तीन कैमरों वाला मोबाइल दूसरे हाथ में बस का स्टेयरिंग

चंडीगढ़। बस चालक पर बस में सवार यात्रियों के सुरक्षित सफर की जिम्मेदारी होती है, लेकिन चालक की छोटी सी लापरवाही का अंजाम बस में सवार सभी यात्रियों को भुगतना पड़ सकता है। ड्राइवर की हल्की सी चूक बड़ा नुकसान कर सकती है। वहीं, ट्रैफिक नियम भी कुछ ऐसा ही कहते हैं कि वाहन चलाते समय चालक मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकता।

एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें चंडीगढ़ की सरकारी बस का चालक मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चला रहा है। चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सीटीयू) बस चालक मोबाइल पर गप्पें मारता हुआ बस चला रहा है। बस में सवार किसी यात्री ने चालक की इस हरकत को अपने मोबाइल फोन पर कैद किया है, जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर सकुर्लेट हो रहा है।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि चालक बस की ड्राइवर सीट पर वर्दी पहने हुए बस चला रहा है। वीडियो पूरे 25 सेकेंड का है।

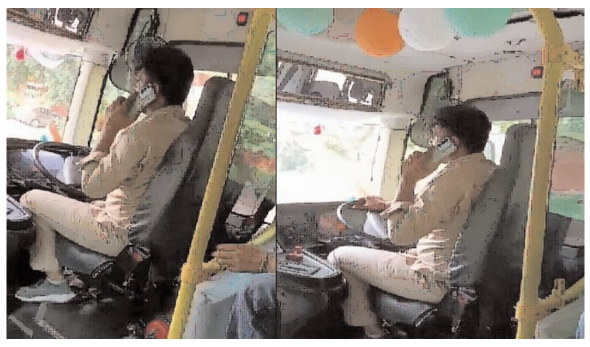

पूरे वीडियो में चालक मोबाइल बात करता हुआ ड्राइव कर रहा है। चालक के एक हाथ में बस का स्टेयरिंग है और दूसरे हाथ में तीन कैमरों वाला मोबाइल फोन है, जिसे वह कान से लगाए बातें करते हुए बस चला रहा है। जानकारी के अनुसार यह वीडियो तीन से चार दिन पुराना है। सीटीयू की यह बस आईएसबीटी सेक्टर-17 से आईएसबीटी सेक्टर-43 की तरफ जा रही है।

ट्रैफिक नियमों की सख्ती के लिए जाना जाता है चंडीगढ़...यातायात नियमों की सख्ती को लेकर सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ की अपनी अलग पहचान है। क्योंकि शहर में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी वाहन चालक के लिए चालान के तौर पर महंगी पड़ जाती है। शहर के हर लाइट प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल हैं, जिससे छोटी सी गलती पर भी चालान कट जाता है। शहर में ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों का चालान आम बात है। यही वजह है कि वाहन चालक शहर में ड्राइविंग के दौरान एहतियात बरतते हैं। हालांकि सभी वाहन चालक ऐसा नहीं करते। नियमों की अवहेलना करने पर चंडीगढ़ में एक दिन में सैकड़ों ऑनलाइन चालान होते हैं।

विहिप नेता विकास प्रभाकर की हत्या में शामिल आर्म्स सप्लायर काबू, ज्वाइंट ऑपरेशन में NIA को सफलता

चंडीगढ़। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) नेता विकास प्रभाकर की हत्या मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए ने दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के साथ जॉइंट ऑपरेशन में विहिप नेता प्रभाकर की हत्या में शामिल आर्म्स सप्लायर को दबोचा है। आर्म्स सप्लायर की पहचान धर्मिंद्र उर्फ कुनाल के रूप में हुई है। एनआईए दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पकड़ा गया आर्म्स सप्लायर धर्मिंद्र उर्फ कुनाल वीएचपी नेता विकास प्रभाकर की

हत्या में आर्म्स सप्लाई कराने की कड़ी में मुख्य आरोपी है, जिसकी एनआईए को लंबे समय से तलाश थी, सोमवार को एनआईए और दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने जॉइंट ऑपरेशन में आरोपी को दबोचा। आरोपी को दबोचकर हत्या कराने के पीछे सामने आय विदेश लिंक को खंगाला जा रहा है।

इससे पहले पंजाब पुलिस ने 12 अगस्त को वीएचपी नेता विकास प्रभाकर के हत्याकांड मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को जिन दो लोगों की तलाश थी, उनमें से एक मुकुल मिश्रा को गिरफ्तार किया था। लुधियाना काउंटर इंटेलिजेंस और कमिश्नरेट पुलिस ने इनपुट के आधार पर पंजाब व जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में छापे मारकर आरोपी को दबोचा गया था। आरोपी मुकुल ने खाते में आए पैसों से इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए हथियार खरीदकर दिए थे। इस मामले में दो अन्य आरोपी गिरफ्त से बाहर हैं, जिनकी धरपकड़ के लिए छापामारी जारी है।

अप्रैल में हुई थी हत्या...13 अप्रैल 2024 की शाम को नंगल के रेलवे रोड दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर विकास प्रभाकर की हत्या कर दी थी। पुलिस ने दो शूटरों मंदीप कुमार उर्फ मंगी और सुरिंदर कुमार उर्फ रिक्का को .32 बोर के दो पिस्तौल के साथ चार महीने पहले गिरफ्तार किया था।

भाजपा नेताओं के बजाय अपने कार्यकर्ताओं के साथ मंत्री रणजीत सिंह ने की बैठक

सिरसा। भाजपा के टिकट पर हिसार लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने सोमवार को रानियां में अपने समर्थकों की एक बैठक बुलाई और चुनावी चर्चा की। इस बैठक में भाजपा के किसी भी बड़े पदाधिकारी को नहीं बुलाया गया। भाजपा नेताओं से दूरी बनाकर रणजीत चौटाला ने यह संकेत दे दिया है कि वह निर्दलीय भी चुनाव लड़ सकते हैं या

कोई अन्य विकल्प पर भी विचार कर सकते हैं। यहां बता दें कि रणजीत चौटाला पुराने समय से कांग्रेस में रहे हैं और उन्होंने कांग्रेस से टिकट मिलने के बाद रोड़ी से चुनाव भी लड़ा था। सोमवार को अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए रणजीत चौटाला ने कहा कि चुनाव की तैयारियां कर लो। मैं इस बार चुनाव जरूर लड़ूंगा। रणजीत चौटाला ने समर्थकों से यह नहीं कहा कि वह किस पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। चौटाला के इस बयान की रानियां हलके में हर तरफ यह चर्चा हो रही है। चौटाला ने समर्थकों से कहा कि वह राज में रहे हैं और राज में ही रहेंगे। पत्रकारों से बातचीत में चौटाला ने कहा कि उन्हें 100 प्रतिशत विश्वास है कि पार्टी उन्हें रानियां से टिकट देगी। इधर, इस सीट पर भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल हलोपा ने धवल कांडा को उम्मीदवार बनाया है। ज्ञात रहे कि पिछले चुनाव में रणजीत चौटाला रानियां से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े थे। इसके बाद उन्होंने भाजपा को समर्थन दिया था और भाजपा ने उनको कैबिनेट मंत्री बनाया।

बिखर चुकी है जजपा ,अब विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस के बागियों पर निगाह

चंडीगढ़ 2019 में हरियाणा में दस सीटें जीतकर चाबी के साथ सत्ता का ताला खोलने वाली जजपा अब पूरी तरह से बिखर चुकी है। संगठन पहले ही खत्म हो चुका है और अब विधायक भी पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। सात विधायक पार्टी से नाता तोड़ चुके हैं। अब दुष्यंत चौटाला, उनकी मां नैना चौटाला और जुलाना के विधायक अमरजीत ढांडा ही पार्टी में बचे हैं। ऐसे में इस बार विधानसभा चुनाव में जजपा के लिए सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार तलाशना बड़ी चुनौती है।

बिगड़ी स्थिति को देखते हुए जजपा ने 2019 की चुनावी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। जजपा ने भाजपा और कांग्रेस के बागियों पर निगाह टिका दी है। इन दोनों दलों में जिन नेताओं को टिकट नहीं मिलेगी, जजपा उन पर दांव लगा सकती है।

सत्ता में हटने के बाद से जजपा लगातार टूट रही है। अब पार्टी के पास न तो संगठन बचा है और न ही विधायक। इसलिए पार्टी उन सीटों पर फोकस कर रही है, जहां 2019

के चुनाव में पार्टी दूसरे या तीसरे नंबर पर रही थी। पुराने कार्यकताओं को जोड़ने के लिए डॉ. अजय सिंह चौटाला और दुष्यंत चौटाला लगातार बैठकें कर रहे हैं। बावजूद इसके सभी सीटों पर प्रत्याशी तलाशना पार्टी के लिए आसान नहीं है। जजपा को केवल भाजपा-कांग्रेस के बागियों से आस है।

भाजपा-कांग्रेस में घमासान तय...भाजपा में एक-एक सीट के लिए औसतन पांच से सात नेताओं ने आवेदन किया है। इसी तरह कांग्रेस की एक-एक सीट के लिए औसतन 28 नेताओं ने आवेदन किया है। इन दोनों पार्टियों में टिकट को लेकर घमासान तय माना जा रहा है। इन पार्टियों से निकलने वाले नेता दूसरे विकल्प की तलाश करेंगे। हालांकि, ये भी देखना होगा कि जजपा कितने बागियों को साध पाती है, क्योंकि पिछली बार के मुकाबले इस बार माहौल बदला हुआ है।

दुष्यंत चौटाला से सीधी बात...जजपा की आगामी चुनावी रणनीति क्या रहेगी?

पार्टी के विकास कार्यों की जानकारी हलका स्तर पर घर-घर पहुंचाई जा रही है। पार्टी अनुभवी, शिक्षित और मेहनती उम्मीदवारों को ही चुनाव मैदान में उतारेगी।

पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी?...हम सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन फोकस 50-60 सीटों पर रहेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में कई सीटों पर हम दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे थे। खरखौदा और फतेहाबाद में जजपा बेहद कम मार्जिन से हारी थी।

इस बार कितनी सीट पर जीत की उम्मीद है?...पांच साल में हमने बूथ स्तर तक महिलाओं और युवाओं की टीम खड़ी की है। हमारा लक्ष्य हरियाणा में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाना है। लोकसभा चुनाव में सभी उम्मीदवारों के जमानत जब्त हुई थी। वोट प्रतिशत एक से भी कम रहा, इसकी क्या वजह रही?

इस बार लोकसभा चुनाव पीएम नरेंद्र मोदी को हराने और जिताने का था। सभी राज्यों में मतदाताओं का यही जोर रहा कि भाजपा और कांग्रेस के अलावा किसी तीसरे दल को वोट देकर लड़ाई को कमजोर न किया जाए। किसान, खिलाड़ियों के आंदोलन के चलते जनता में भाजपा के प्रति खासा रोष था और गठबंधन में रहने के कारण इसका खामियाजा हमें भी भुगतना पड़ा। भाजपा के साथ जाने की गलती हम दोबारा नहीं करेंगै।

झज्जर में पड़े लटका मिला चालका का शव: जमीन की बकाया राशि वापस नहीं मिलने का मामला

झज्जर । डेढ़ साल पहले एक व्यक्ति को बेची जमीन की बकाया राशि वापस नहीं देने पर गाड़ी चालक ने पाटोदा के पास पेड पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसका पता तब चला, जब मृतक का भाई वहां से गुजर रहा था और उसे अपने भाई की गाड़ी खड़ी दिखाई दी। वह मौके पर गाड़ी के पास गया तो उसमें कोई नहीं था। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी का शीशा तोड़कर गाड़ी खोली। गाड़ी में रखे मोबाइल कों चेक किया तो उसकी गैलरी में सुसाइड नोट लिखकर छोड़ा हुआ था। गाड़ी चालक की आसपास तलाश की गई तो 200 मीटर दुरी पर एक पेड से गाड़ी चालक का शव लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को उतारकर सिविल अस्पताल शव गृह रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस नें मृतक के भाई की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज कर लिया हैं।

खेड़ी सुल्तान निवासी जीवन

सिंह नें पुलिस में शिकायत दी हैं कि उसका भाई रिकुं कुमार 18 अगस्त को सुबह साढ़े 11 बजे घर से गाड़ी की बुकिंग की कहकर अपनी गाड़ी लेकर गया था। इसके बाद वह शाम करीब सात बजे हमारे पडोसी गांव पाटोदा अपनी किसी निजी काम से जा रहा था। तभी उसकी नजर उसके भाई की गाड़ी पर पडी जो उनके गांव और पाटोदा की नहर पर खडी थी। उसका भाई बुकिंग की कहकर गया था। उसने चैक किया तो गाड़ी लॉक थी। उसने अपने भाई रिकुं को बार-बार फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठाया। उसे शक हुआ। फिर उसने छोटे भाई ललीत और अपने कुछ दोस्तों को फोन कर बुलाया और रिकुं की तलाश शुरू की। साथ ही112 पर उसके भाई के गुम होने की सुचना दी। कुछ देर बाद पुलिस भी मौके पर गाडी के पास आ गई। गाडी के अन्दर उसके भाई रिकुं का फोन बज रहा था। उसके बाद उसने पीछे वाला छोटा शीशा तोड़ा और खिडकी खोली।

उसने कॉल डिटेल, व्हाट्सप और गैलरी को चेक किया तो फोन की गैलरी में रिकुं द्वारा लिखा हुआ सुसाईड नोट मिला। सुसाइड नोट में उसके भाई ने लिखा था कि रमेश उर्फ रम्मे निवासी सुल्तान जिला झज्जर को उसने 3 कनाल 4 मरला जमीन बेची थी।

उस समय एक लाख रुपये दिया गया और बाकी की राशी ब्याज समेत देने का वादा किया था, लेकिन डेढ़ साल से उसे झुठ बोलता रहा। बाद में उसने पैसे देने से मना कर दिया। सुसाइड नोट में लिखा हुआ था कि उसकी मौत का कारण रमेश उर्फ रम्मे है। उसके बाद मैने और मेरे दोस्तों नें मिलकर नहर और उसके आसपास के क्षेत्र में तलाश की। उनको गाड़ी से लगभग जो 200 मीटर दूर पश्चिम दिशा में उसका भाई का शव पेड़ पर फंदा लगाया हुआ मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची।

स्वास्थायकों की सुरक्षा की मांग को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन

रोहतक। रोहतक के पीजीआईएमएस (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा की मांग को लेकर आज एक सांकेतिक प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने एक दूसरे को सफेद रंग की पट्टी बांधकर, जिस पर जस्टिस लिखा हुआ था, सुरक्षा और समर्थन का प्रतीक प्रस्तुत किया।

प्रदर्शन में स्वास्थ्य यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. अनिता सक्सेना भी शामिल हुईं। उन्होंने ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) में रेजीडेंट डॉक्टर्स और छात्रों के साथ मिलकर प्रदर्शन में भाग लिया और सुरक्षा के प्रति अपनी चिंता जताई। इस दौरान, उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुष्पांजलि दी।

इस सांकेतिक प्रदर्शन का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके कार्यस्थलों पर एक सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने की दिशा में जागरूकता फैलाना था। स्वास्थ्यकर्मियों ने इस प्रदर्शन के माध्यम से अपनी मांगों को जोरदार तरीके से पेश किया और उनकी सुरक्षा के प्रति प्रशासन से ठोस कदम उठाने की अपील की।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आई किरण चौधरी ने छोड़ा विधायक पद

चंडीगढ़। कुछ माह पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई किरण चौधरी ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। अब उनकी राज्यसभा सदस्य चुने जाने की चर्चाएं तेज हो गई है। भाजपा उनके नाम का आज एलान कर सकती है। आज शाम 4 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक भी बुला ली गई है।

राज्यसभा जाना लगभग तय...हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर तस्वीर लगभग साफ होने लगी है। कांग्रेस से भाजपा में आई तोशाम से विधायक किरण चौधरी का राज्यसभा जाना लगभग तय है।

किरण समर्थकों की मानें तो मंगलवार को वे विधानसभा पहुंच कर नामांकन-पत्र दाखिल कर सकती हैं। 21 अगस्त नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि है। वहीं, ऐसा होने पर भाजपा के

कुलदीप बिश्नोई को बड़ा झटका लग सकता है। क्योंकि इससे पहले वह हिसार से लोकसभा चुनाव की टिकट मांग रहे थे, लेकिन टिकट रणजीत सिंह चौटाला को मिल गई थी। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राज्ससभा की एक सीट खाली हुई है।

2019 में रोहतक से लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। दीपेंद्र के इस्तीफे से खाली हुई सीट उपचुनाव में भाजपा के खाते में जाना लगभग तय है। कांग्रेस पहले ही इस चुनाव में उम्मीदवार उतारने से इन्कार कर चुकी है। कांग्रेस का तर्क है कि उनके पास विधायकों की पर्याप्त संख्या नहीं है।

लेकिन जजपा और इनेलो खुलेतौर पर कांग्रेस को उम्मीदवार उतारने और भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने का ऑफर दे चुके हैं। बावजूद इसके कांग्रेस इस चुनाव से दूरी बनाए हुए है। ऐसे में कांग्रेस से कुछ ही दिन पहले भाजपा में आईं किरण चौधरी का राज्यसभा जाना लगभग तय है।

दादरी में व्यक्ति की गोली मारकर हत्या: दो साल पहले जेल से बाहर आया था मृतक

दादरी । चरखी-दादरी के गांव अचीना में दो साल पहले जेल से बाहर आए व्यक्ति की रक्षाबंधन के दिन खेत के अंदर बने कमरे में गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक बुधराम 43 के कान के पास गोली मारी गई है। मौके से अचीना ताल चौकी पुलिस ने दो खोल और तीन कारतूस बरामद किए। वहीं, मृतक के चचेरे भाई के बयान बौंदकलां थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में महेंद्र ने बताया कि वह खेती करता है। उसका चचेरा भाईबुधराम भी उनके साथ ही रहता था, लेकिन पिछले 6 माह से वो खेत में बने कमरे में रह रहा था। दो साल पहले वह अपनी

चाची लाली की हत्या मामले में सजा पूरी करके जेल से बाहर आया था।

महेंद्र ने बताया कि सोमवार को रक्षाबंधन के दिन उनकी बहन राखी बांधने आई थी। राखी बंधवाने के लिए उसने बुधराम को दो बार फोन किया, लेकिन बुधराम ने फोन नहीं उठाया। करीब सुबह सात बजे वह उसे बुलाने के लिए खेत में चला गया। उसने कमरे के बाहर आवाज दी, लेकिन वह नहीं बोला। बाद में उसने कमरे में जाकर देखा तो वह खून से लथपथ चारपाई पर पड़ा था। इसके बाद उसने इसकी सूचना ग्रामीणों व पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर अचीना चौकी पुलिस खेत में पहुंची और घटना स्थल का जायजा लिया। वहीं, एफएसएल टीम ने भी मौके से हत्यारे के खिलाफ सबूत एकत्र किए। इस दौरान टीम को पूरा कमरा खून से सना मिला और मृतक के कान के पास गोली लगी हुई थी। साथ ही मौके से तीन कारतूस व दो खाली खोल बरामद हुए। इसके बाद टीम ने शव को कब्जे में ले लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में पहुंचाया।

शर्मनाक: रोहतक में 5 साल की बच्ची से पड़ोसी ने दूसरी बार किया 'डिजिटल रेप'

रोहतक रोहतक सिटी थाना क्षेत्र में पांच साल की मासूम के साथ उसके पड़ोसी ने दूसरी बार डिजिटल रेप की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी ने मासूम को मोबाइल चलाने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रोहतक सिटी थाना क्षेत्र निवासी महिला का पति सुबह नौकरी पर चला गया था। म परिजनों के काम पर जाने के बाद पड़ोस के रहने वाले युवक ने पांच साल की मासूम को मोबाइल चलाने के बहाने अपने कमरे में बुलाया। वहां आरोपी ने बच्ची के साथ डिजिटल रेप की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची रोने लगी और कहा कि वह यह बात पुलिस को बताएगी। इसके बाद आरोपी बच्ची को छोड़कर कमरे से फरार हो गया। पीड़ित बच्ची रोती हुई पड़ोस में रहने वाली महिला के पास पहुंची, और सारी घटना बताई। इस पर महिला ने तत्काल बच्ची की मां को फोन पर घटना की सूचना दी। बच्ची की मां ने सिटी थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

दिवाली के दिन भी किया था डिजिटल रेप...पड़ोसी ने वर्ष 2023 में दिवाली के दिन मिठाई खिलाने के नाम पर बच्ची को अपने कमरे में बुलाकर उसके साथ डिजिटल रेप किया था। बच्ची के रोने के बाद घटना की जानकारी परिजन पुलिस को देते, इससे पहले ही मोहल्ले के लोगों ने माफी मंगवाकर मामला रफा-दफा करा दिया था।

क्या होता है डिजिटल रेप...पुलिस के अनुसार डिजिटल रेप दो शब्दों, 'डिजिट' और 'रेप' को मिलाकर बना है। इंग्लिश के डिजिट का हिंदी में मतलब अंक होता है, वहीं अंग्रेजी के शब्दकोश में डिजिट उंगली, अंगूठा, पैर का अंगूठा या उंगली को कहा जाता है। अगर कोई शख्स बच्ची या महिला की बिना सहमति के उसके निजी अंगों को उंगलियों या अंगूठे से छेड़ता है, तो यह डिजिटल रेप कहलाता है।

चंडीगढ़ पीजीआई के डॉक्टरों की हड़ताल जारी, धरनास्थल पर देखे ओपीडी के मरीज

चंडीगढ़ कोलकाता में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में पीजीआई में रेजिडेंट डॉक्टर मंगलवार को भी धरने पर बैठे। डॉक्टरों ने धरना स्थल पर ही ओपीडी पेशेंट देखे। कुछ ने बोर्ड हाथ में होल्ड किए हैं और मरीजों का इलाज जारी है। रेजिडेंट प्रदर्शन के दौरान नए ओपीडी मामले देख रहे हैं। पीजीआई में सोमवार सुबह डॉक्टरों ने रोष रैली निकाली थी। डॉक्टरों का कहना है कि जबतक कोलकाता घटना के सभी दोषी गिरफ्तार नहीं होते और मृतका डॉक्टर को इंसाफ नहीं मिलता तब तक उनका रोष प्रदर्शन जारी रहेगा।

हालांकि पीजीआई के रेजिडेंट डॉक्टरों ने की इमरजेंसी और ट्रामा में ड्यूटी सामान्य रूप से जारी है। उनका कहना है कि वे मरीजों को कष्ट देना या नुकसान पहुंचाना नहीं चाहते, इसलिए इमरजेंसी और ट्रामा सेवा बाधित नहीं की है। लेकिन उनके लिए न्याय और अपनी सुरक्षा का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है। इसलिए उनका प्रदर्शन न्याय मिलने तक जारी रहेगा।

ब्लिंकन बोले- सकरात्मक रही नेतन्याहू के साथ बैठक इस्राइल ने स्वीकार किया संघर्ष विराम का प्रस्ताव

तेल अवीव। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इस्राइल ने गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के लिए प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हमास से भी इसे स्वीकार करने का आह्वान किया। ब्लिंकन ने कहा, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ चली ढाई घंटे की बैठक काफी सकारात्मक रही। उन्होंने प्रस्ताव के आधार पर दोनों पक्षों से समझौते पर पहुंचने का आग्रह किया। हालांकि, ब्लिंकन ने ब्रिजिंग प्रस्ताव को लेकर नेतन्याहू के रुख को स्पष्ट नहीं किया है। इसमें इस्राइल की ओर से गाजा के भीतर दो रणनीतिक गलियारों पर नियंत्रण की मांग की गई है। हमास के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच अन्य पेचीदा मुद्दों के बीच यह मसला गंभीर बना हुआ है। इसके चलते कई शांति वाताएं बाधित हो चुकी हैं।

ब्लिंकन ने मीडिया से कहा, अब हमें हमास की ओर से प्रस्ताव की स्वीकृति का इंतजार है। ब्लिंकन ने पहले कहा था कि अब गाजा संघर्ष को समाप्त करने का समय आ गया है। इस प्रस्ताव के आधार पर हुए समझौते से हमास की ओर से बंधक बनाए गए लोगों को वापस लाया जाएगा। इससे गाजा में बीते 10 महीने से अधिक समय से चल रहे विनाशकारी युद्ध से फलस्तीनियों को राहत मिलेगी।

इस सप्ताह फिर से शुरू हो सकती है शांति वार्ता...पिछले सप्ताह कतर में हुई शांति वार्ता बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई थी। लेकिन अब इस अमेरिकी प्रस्ताव के आधार पर इस सप्ताह वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीद है। ब्लिंकन ने कहा, इस्राइल ने समझौते को स्वीकार कर लिया है। अब शांति हमास पर निर्भर है। अमेरिका, मिस्र और कतर की मदद से सभी पार्टियों को एक साथ आना होगा। उनमें प्रक्रिया को पूरा करने और प्रतिबद्धताओं लागू की समझ विकसित करनी होगी।

ब्लिंकन ने सोमवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक से पूर्व राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। टाइम्स ऑफ इस्राइल के अनुसार, हर्जोग ने ब्लिंकन के साथ मुलाकात के दौरान समझौता वार्ता न हो पाने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने ईरान की धमकियों के बीच क्षेत्र में शक्ति संतुलन के प्रयासों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का आभार जताया। उन्होंने मध्यस्थ की भूमिका के लिए अमेरिका, मिस्र व कतर का आभार जताते हुए वार्ता की सफलता की उम्मीद जताई। इससे पहले ब्लिंकन ने संवाददाताओं से कहा, यह एक निर्णायक क्षण है... संभवतः सबसे अच्छा।

शायद बंधकों को घर वापस लाने, युद्ध विराम कराने व सभी को स्थायी शांति तथा सुरक्षा के बेहतर रास्ते पर लाने का आखिरी अवसर। बता दें कि अमेरिकी प्रस्ताव के आधार पर मिस्र में इसी हफ्ते वार्ता फिर से शुरू हो सकती है।

इसलिए अटकी है वार्ता...इस्राइल व हमास के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिकी अगुवाई में महीनों से वार्ता चल रही है, लेकिन दोनों पक्ष अपनी मांगों पर अड़े हैं। इस्राइल का कहना है कि युद्ध का अंत सिर्फ हमास के खात्मे के साथ ही हो सकता है। दूसरी तरफ, हमास का कहना है कि वह सिर्फ स्थायी युद्धविराम ही स्वीकार करेगा।

इस्राइल की सुरक्षा की जताई प्रतिबद्धता...इस्राइल दौरे पर पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि 'यह 7 अक्तूबर के बाद से इस क्षेत्र में उनका नौवां दौरा है। हम इस्राइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अप्रैल में जब ईरान ने इस्राइल पर हमला किया था, उस वक्त भी हमने इस्राइल की मदद की थी। हाल के हफ्तों में तनाव बहुत बढ़ गया है। इसलिए हमने अतिरिक्त बलों की तैनाती की है। इस तैनाती का उद्देश्य भड़काऊ नहीं है बल्कि यह हालाक को संभालने के उद्देश्य से है। हम ये सुनिश्चित करेंगे कि हालात न बिगड़ें। हालांकि साथ ही ये भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि हम इस्राइल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हम कूटनीतिक तरीके से विभिन्न देशों के साथ बात कर रहे हैं ताकि कोई भी देश ऐसा कदम न उठाए कि उससे संघर्ष बढ़ जाए। हमारी प्राथमिकता संघर्ष को बढ़ने से रोकने की है।'

नहीं कम हो रही इमरान खान और बुशरा बीबी की मुश्किलें

पाकिस्तान। पाकिस्तान के भ्रष्टाचार निरोधक निगरानी संस्था ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ तोशाखाना भ्रष्टाचार का एक नया मामला दर्ज किया। यह तोशाखाना भ्रष्टाचार केस में तीसरा मामला है, जिसमें पहला मामला पाकिस्तान के चुनाव आयोग की तरफ से इमरान खान के खिलाफ दर्ज किया गया था, जबकि दूसरा मामला एनएबी की तरफ इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ दर्ज किया गया था।

एनएबी की तरफ की गई जांच पर आधारित है तोशाखाना भ्रष्टाचार...तोशाखाना भ्रष्टाचार का नया मामला राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की तरफ की गई जांच पर आधारित है, जिसमें राज्य के भंडार से आभूषण की खरीद में नियमों के कथित उल्लंघन के बारे में बताया गया है, जहां सभी उपहार संग्रहित किए जाते हैं, जिन्हें विदेश यात्राओं के दौरान शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को प्रस्तुत किया जाता है।

वलपिंडी की अदियाला जेल में बंद है इमरान खान...एनएबी की ओर से, इसके जांच अधिकारी मोहसिन हारून और केस अधिकारी वकार हसन ने मामले के दस्तावेज यहां एक जवाबदेही अदालत में प्रस्तुत किए। वे अपने कार्यकाल के दौरान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त उपहारों के कथित दुरुपयोग के लिए जांच के दायरे में हैं।

5 अगस्त, 2023 को दोषी ठहराए गए थे इमरान खान...एनएबी के आरोपों के अनुसार, इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर तोशाखाना से 75 मिलियन रुपये मूल्य का एक आभूषण सेट खरीदने और नियमों का उल्लंघन करके इसे बेचने का आरोप है। इमरान खन को 5 अगस्त, 2023 को दोषी ठहराया गया और गिरफ्तार किया गया, लेकिन बाद में उनकी सजा निलंबित कर दी गई और उन्हें जमानत दे दी गई। वहीं दूसरे मामले में, इस्लामाबाद की जवाबदेही अदालत ने 31 जनवरी को इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को मामूली कीमत चुकाने के बाद तोशाखाना से महंगे आभूषण रखने के मामले में दोषी ठहराया था।

बिहार के तिलकुट,खुरमा और केला समेत 6 उत्पादों को जल्द मिलेगा जीआई टैग

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के छह प्रसिद्ध उत्पादों को जल्द ही भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) मिल सकता है। इनमें गया का तिलकुट और पत्थलकटी, हाजीपुर का केला, नालंदा की बावनबुटी, उदवंतनगर का खुरमा और सीतामढ़ी के बालूशाही शामिल है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने इन उत्पादों के लिए मार्च 2022 से मई 2022 के बीच आवेदन किया था। फरवरी 2024 में ऑनलाइन सुनवाई हुई थी और अब ऑफलाइन सुनवाई होनी बाकी है।

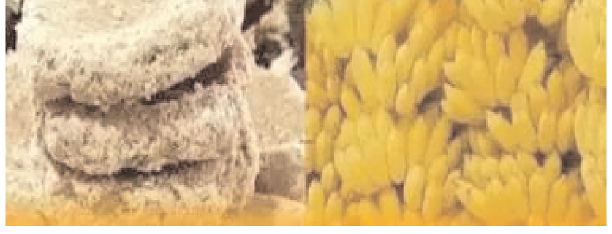

नाबार्ड ने इन उत्पादों को जीआई टैग दिलाने के लिए काफी मेहनत की है। फरवरी 2024 में हुई ऑनलाइन सुनवाई के बाद अब मामला अंतिम प्रक्रिया में है। चेन्नई स्थित जीआई रजिस्ट्री कार्यालय में ऑफलाइन सुनवाई होगी। सुनवाई में उत्पादों की विशिष्टता और उत्पादन प्रक्रिया की जांच की जाएगी। सब कुछ ठीक रहा तो इन उत्पादों को जीआई जर्नल में प्रकाशित कर लोगों से आपत्ति मांगी जाएगी। अगर किसी तरह की आपत्ति नहीं मिली तो जीआई टैग मिल जाएगा। यह टैग 10 साल के लिए वैध होगा। जीआई टैग मिलने से इन उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी और बाजार बढ़ेगा। यही नहीं पूर्व से मिले टैग वाले उत्पादों की ब्रांडिंग भी पूरे विश्व में है।

बिहार के कई उत्पादों को पहले ही जीआई टैग मिल चुका है, जैसे कि भागलपुरी जदार्लु आम, भागलपुरी सिल्क, मुजफ्फरपुर का शाही लीची, करतनी चावल, सिलाव खाजा, मगही पान, मधुबनी पेंटिंग। बिहार के कई उत्पाद पहले से ही विदेशों में जा रहे हैं।

नए उत्पादों को जीआई टैग मिलने से उनकी भी मांग बढ़ेगी और बिहार की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वर्तमान में बिहार से कई उत्पाद विदेशों में जा रहा है। अब नए उत्पादों को जीआइ टैग मिलने के बाद उनकी भी मांग बढ़ेगी।

बिहार: आज से शुरू हो रहा जमीन का सर्वे,मांगे जाएंगे दस्तावेज

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से आवेदन की होगी सुविधा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के गांवों में जमीन सर्वेक्षण शुरू हो गई है। बिहार सरकार राज्य के सभी 534 अंचलों के 45 हजार 862 गांवों में भूमि का विशेष सर्वेक्षण करा रही है। यह शायद पहली बार होगा कि इतनी व्यापक मात्रा में जमीन का सर्वेक्षण किया जाएगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि असली मालिक कौन हैं। इस सर्वेक्षण के दौरान सरकारी जमीनों को भी जब्त किया जाएगा। सर्वेक्षण के दौरान आम लोगों को कई दस्तावेज दिखाने होंगे जो यह साबित करेंगे कि उनकी दावा की गई जमीन पर असली मालिकाना हक है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि सर्वेक्षण के दौरान जमीन का मालिकाना हक साबित करने के लिए खतियान, मृत्यु प्रमाण पत्र और आधार कार्ड समेत किन जरूरी दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। कई लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि जमीन उनके पिता या दादा के नाम पर है, लेकिन अब उनके पूर्वजों का निधन हो चुका है। राज्य में कई किसान ऐसे हैं जिनके पास जमीन तो है लेकिन जमाबंदी मृतक हो चुकी है।

यानी जमीन उनके पिता या दादा के नाम पर है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है, लेकिन नाम अब भी चल रहा है। विभाग ने कहा है कि ऐसी स्थिति में मृतक जमाबंदी के वंशजों का नाम मूल जमाबंदी में जोड़कर उनके नाम से खाता खोला जाएगा, ताकि जमीन की मापी में कोई समस्या न हो। इन दस्तावेजों की पड़ेगी जरूरत भूमि सर्वेक्षण के लिए आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से आवेदन कर सकते हैं। दोनों ही मामलों में आपको निम्न दस्तावेज तैयार रखने होंगे अगर जमीन पिता या दादा की है, तो उनकी मृत्यु तिथि या मृत्यु प्रमाण पत्र जमाबंदी नंबर और भू-राजस्व रसीद नंबर।अगर उपलब्ध हो तो खतियान की कॉपी।दावा की गई जमीन के दस्तावेज। मृतक के वारिस से संबंधित प्रमाण पत्र आवेदक के आधार कार्ड की फोटोकॉपी। मतदाता पहचान पत्र की फोटोकॉपी। अगर कोर्ट ने आपकी जमीन के संबंध में कोई फैसला दिया है तो कोर्ट के आदेश से संबंधित दस्तावेज स्वघोषणा पत्र (अपनी जमीन के बारे में सही जानकारी देने के लिए आपको स्वघोषणा पत्र तैयार रखना होगा।

खाता, खतियान या पुराना नक्शा...भूमि सर्वेक्षण के लिए आवेदन प्रक्रिया आज यानि मंगलवार 20 अगस्त से शुरू होने जा रही है। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से हजारों कर्मियों की नियुक्ति की गई है। विभिन्न जिलों के सभी राजस्व गांवों में भूमि सर्वेक्षण के लिए कैंप लगाए जाएंगे। आप वहां जाकर आवेदन कर सकते हैं। वहीं, अगर आप घर से बाहर हैं या किसी अन्य कारण से ऑनलाइन आवेदन करना चाहते हैं तो बिहार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट ‸harbhumi.bihar.gov.in पर जाएं। या फिर अपने मोबाइल पर बिहार सर्वेक्षण ट्रैकर ऐप डाउनलोड करें।

हमास ने तेल अवीव में बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली, कहा- जब तक हत्या की नीति जारी रहेगी

तेल अवीव। इस्राइल में तेल अवीव के एक आराधनालय में हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी हमास और इस्लामिक जिहाद ने ली है। इस हमले में एक व्यक्ती की मौत हो गई थी जबकि एक राहगीर घायल गया था। इस्राइल पुलिस और शिन बेट खुफिया एजेंसी ने पहले ही इसे आतंकवादी हमला बताया था।

इस्राइली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेन्सर ने कहा कि शुक्रवार को एक व्यक्ति विस्फोटकों से भरा एक बैग ले जा रहा था, इससे पहले कि वह व्यक्ति विस्फोटक को घनी आबादी के पास ले जाता उससे पहले ही विस्फोट हो गया।

एक संयुक्त बयान में, दोनों फलस्तीनी समूह हमास और इस्लामिक जिहाद ने कहा कि जब तक इस्राइल की "कब्जे, नरसंहार और हत्या की नीति जारी रहेगी, तब तक हम शहादत देते रहेंगे। दोनों समूहों ने यह बयान 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या को लेकर दिया है। हालांकि ईरान की राजधानी तेहरान में हुई हानिया की हत्या के आरोपों को ना तो इस्राइल ने कभी स्वीकार किया है और ना ही इससे इनकार किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल को नए हथियारों की बिक्री के लिए 20 बिलियन डॉलर से ज्यादा की मंजूदी दे दी है। बाइडन प्रशासने यह फैसला गाजा में मानवीय क्षति के कारण हथियारों की आपूर्ति रोकने के दबाव को दरकिनार करते हुए लिया है।

पिछले साल से चल रहा है युद्ध...गाजा में युद्ध पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुआ था, जब हमास के बंदूकधारियों ने सीमा पार इस्राइल में प्रवेश किया और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी। इस्राइली आंकड़ों के अनुसार लगभग 250 बंधकों का अपहरण कर लिया। इसके बाद इस्राइल ने सैन्य अभियान चलाकर गाजा पट्टी के बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया। एन्क्लेव के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक तब से अब तक 40 हजार लोग मारे जा चुके हैं।

मध्यस्थता के जरिए युद्ध को रोकने की कोशिश...गाजा में संघर्ष विराम की कोशिश कर रहे मध्यस्थ देशों का कहना है कि ऐसे युद्ध को समाप्त करना जरूरी है, जिसमें स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार 40,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि अब तक 23 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित किया जा चुका है। इस वजह से क्षेत्र में मानवता का संकट पैदा हो चुका है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में अकाल और पोलियो जैसी बीमारियां फैल सकतीं हैं। बताया गया है कि रविवार गाजा में इंस्राइल के हमले में जो छह बच्चे मारे गए, उनमें से चार बच्चों ने एक साथ जन्म लिया था। अल-अक्सा शहीद अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि हमले में महिला और इसके छह बच्चे मारे गए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा में हुए एक और हमले में नौ लोगों की मौत हो गई ।इसके अलावा शनिवार को खान यूनुस क्षेत्र में एक हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई।

बाप रे बाप! सेक्स करने की ये कैसी सनक?

बिहार में कैदी ने खुद के प्राइवेट पार्ट में ठूंस लिया प्लास्टिक पाइप

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जेल में बंद एक कैदी ने ऐसी हरकत कर दी, जिससे उसकी जान पर बन आई है। कैदी ने अपने प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक के पाइप को डाल दिया है। जिससे उसकी हालत नाजुक हो गई और उसे जेल से सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। कैदी के मुताबिक उसे ऐसा करने का मन किया। जिससे वह अपने गुप्तांग में प्लास्टिक का करीब 7 इंच लंबा पाइप डाल दिया। पाइप उसके पेट के अंदरूनी भाग में फंस गया। जिसके बाद उसकी हालत नाजुक हो गई। गोपालगंज सदर अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि एक्स-रे में पता चला है कि उसके गुप्तांग में कोई प्लास्टिक पाइप डाला गया था। पाइप उसके प्राइवेट पार्ट में जाकर फंस गया है। एक्स-रे देखने के बाद पता चलता है कि वह कोई पतली चीज थी। जिसे ऑपरेशन करने के बाद ही बाहर निकाला जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, हत्या के प्रयास के मामले में एक कैदी को गोपालगंज मंडल कार में बंद किया गया था, उस कैदी ने रविवार देर शाम अपने प्राइवेट पार्ट में पाइप जैसी कोई पतली चीज डाल ली। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। कैदी ने इसकी सूचना जेल के अधिकारियों के दी। जिसके बाद जेल के अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। चनावे स्थित मंडल कारा में इलाज करने के बाद जब इस कैदी के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ तो इसे देर रात सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। यहां पर डॉक्टरों ने उसके पेट का एक्स-रे कराया। एक्स-रे में कोई नुकीली और पतली चीज पेट में चमकती हुई मिली। डॉक्टर के मुताबिक यह करीब 7 इंच लंबा है। जिसे ऑपरेशन करने के बाद ही बाहर निकालना संभव हो पाएगा।

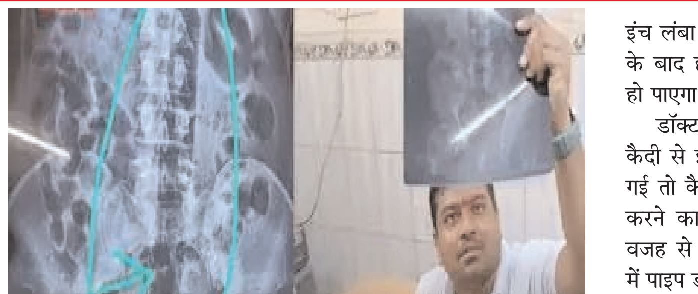

डॉक्टर ने बताया कि जब इस कैदी से इसके बारे में पूछताछ की गई तो कैदी ने कहा कि उसे ऐसा करने का मन किया था। जिसकी वजह से उसने अपने प्राइवेट पार्ट में पाइप डाल दिया था। लेकिन बाद में यह नुकीली और लंबी चीज आंत में जाकर फंस गई। बहरहाल कैदी के हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है। सदर अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि अगर ऑपरेशन के बाद इसके प्राइवेट पार्ट से पतले और लंबे पाइप को नहीं निकाला गया तो फिर इसे बेहतर इलाज के लिए बाहर भेजना पड़ेगा। हालांकि कैदी के इस हरकत के बाद जेल प्रशासन भी सकते में है कि आखिर उसने कहीं आत्महत्या करने की कोशिश तो नहीं की थी।

शिवसेना ने बीएएफए द्वारा आयोजित वालवाडी के सभी विद्यार्थियों को नोटबुक किया वितरण

सुषमा

वसई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शाखा बफाने टी. वसई जिला पालघर में मंगलवार को शिव सेना शाखा बीएएफए द्वारा आयोजित वालवाडी के सभी विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें जनार्दन म्हात्रे (उप जिला प्रमुख), हृदयनाथ भोईर प्रभाग प्रमुख, मंगेश चव्हाण (शाखा प्रमुख परेरा नगर), मयूर जगननाथ म्हात्रे (टंडेल) युवा नेता, सुभाष राणे वरिष्ठ शिवसैनिक, रवीन्द्र पाटिल वरिष्ठ शिवसैनिक, हरिकिशन म्हात्रे वरिष्ठ शिवसैनिक, सचिन राणे (पत्रकार), विनोद म्हात्रे (उप प्रभाग प्रमुख), गोविंद पांडे (निष्ठावान शिवसैनिक), मालिनी म्हात्रे (महिला आयोजक जुचंद्रा), दीपाली म्हात्रे (महिला उपसंयोजक जुचंद्रा), सयाली गावड़े (महिला समूह संयोजिका जुचंद्रा), दीपिका महादिक (महिला समूह आयोजक जुचंद्रा), इस कार्यक्रम के आयोजक रघुनाथ ब्लैक म्हात्रे (वरिष्ठ शिव सैनिक) द्वारा किया गया है।

सियासत: 'माफी मांगनी है तो अपनी भाभी से मांगें', दामाद ने तय कर दी ससुर जी की राजनीतिक किस्मत?

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के सांसद बहनोई अरुण भारती ने साफ कर दिया कि चचेरे ससुर पशुपति पारस के लिए बिहार एनडीए में कोई जगह नहीं है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) नेता और जमुई सांसद अरुण भारती ने पशुपति पारस के एनडीए का हिस्सा होने पर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने कहा कि अगर पशुपति पारस को साथ आना है तो सबसे पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और उनकी मां से मुलाकात करनी होगी, तभी कुछ बात बन पाएगी। पशुपति पारस को माफी मांगनी है तो अपनी भाभी (चिराग पासवान की मां) से मांगें। उनको लेकर फैसला घर के बड़ों को लेना है। वक्त के साथ लहजा बदलता है, लेकिन अगर दिल भी बदले, तब देखेंगे।

सांसद अरुण भारती ने कहा कि मेरा मानना है कि हम पांच दल एनडीए का हिस्सा हैं। इसके अलावा कोई दल एनडीए का हिस्सा नहीं है। पांच दलों को हम लोग पूरा सपोर्ट करेंगे और प्रचार करेंगे। इन पांचों दल के अलावा कोई भी दल कुछ भी क्लेम कर रहा हो, उसका कोई मतलब नहीं है।

बीते दिनों लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और रामविलास पासवान के छोटे भाई पशुपति पारस ने कहा था कि हम लोगों ने लोकसभा चुनाव में पूरी ईमानदारी से बिहार ही नहीं पूरे देश में जहां भी एनडीए उम्मीदवार थे, उन्हें समर्थन दिया था। एक सितंबर से पूरे बिहार में अभियान चला कर हम संगठन को मजबूत करेंगे। हम विधानसभा चुनाव के लिए 243 सीटों पर तैयारी करेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी चाचा-भतीजे की राजनीति में बंट गई है। बंटवारे के बाद मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पशुपति पारस को केंद्रीय मंत्री बनाया गया, लेकिन इसके बाद इस लोकसभा चुनाव में उन्हें एनडीए गठबंधन की ओर से एक भी सीट नहीं दी गई।

जबकि चिराग पासवान को 5 सीटें दी गईं। चिराग की पार्टी ने पांचों सीटें जीत लीं। इसके अलावा पटना का पार्टी कार्यालय भी चिराग पासवान की पार्टी को दे दिया गया।

पशुपति पारस का कहना है कि वो एक सितंबर से पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए पूरे प्रदेश में अभियान चलाएंगे। उनकी तैयारी बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की होगी। इसके अलावा विधानसभा चुनाव के बाद जो भी पार्टी उन्हें उचित सम्मान देगा, वो उस पार्टी के साथ जाएंगे।

सारण : शराबियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला

संवाददाता।

सारण। सारण जिले के परसा थाना क्षेत्र के सगुनी गांव में शराबियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर सोमवार की रात में ग्रामीणों ने हमला कर दिया था ।इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें चार पुरुष एवं दो महिला आरोपित शामिल है ।अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा सघन छापेमारी की जा रही है। वहीं, शराब के खिलाफ पुलिस के द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, परसा थाना में कार्यरत सब इंस्पेक्टर सीतालाल प्रसाद गुप्ता सोमवार की रात में पुलिस बल के साथ गस्ती में निकले हुए थे।

अखंड संगीतमय नवाह महायज्ञ शुरू

श्रद्धालुओं की जुट रही भीड़, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के साथ होगा समापन

शालिनी।

बन्दरा। प्रखंड के चांदपुरा ठाकुरबाड़ी परिषर में संगीतमय अखंड नवाह महायज्ञ की शुरूआत की गई। महायज्ञ में ग्रामीण श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक साल 9 दिवसीय नवाह महायज्ञ का आयोजन यहां किया जाता है। मंदिर स्थापना के पहले से ही यहां आयोजन होते रहे हैं। कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने के साथ यज्ञ का समापन होगा।

संक्षिप्त खबरें

76 हजार 293 करोड़ की बकाया वसूली में सेबी नाकाम; पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ी रकम

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी विभिन्न प्रयासों के बावजूद 76,293 करोड़ की बकाया राशि को वसूलने में नाकाम रहा है। यह रकम पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 2023-24 की अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा, 31 मार्च, 2024 तक वसूली में मुश्किल (डीटीआर) के रूप में 807 मामलों की पहचान की गई है। इन पर 76,293 करोड़ बकाया है। 2023 में 73,287 करोड़ के 692 मामलों की पहचान की गई थी। इन 807 मामलों में 36 राज्य की अदालतों, एनसीएलटी व एनसीएलएटी में चल रही कार्यवाही के कारण लंबित हैं। इन मामलों 12,199 करोड़ की राशि शामिल हैं। इसके अलावा, 60 मामले कोर्ट की ओर से गठित समितियों के समक्ष हैं, जिनमें 59,970 करोड़ शामिल हैं।

सभी उपायों के बावजूद नहीं मिल पाई सफलता

सेबी का कहना है कि बकाया राशि की वसूली कठिन है। यह ऐसी राशि है, जिनकी वसूली सुधार के सभी उपायों को लागू करने के बाद भी नहीं हो पाई है। नियामक ने सालाना रिपोर्ट में कहा, डीटीआर बकाया को अलग करना पूरी तरह से एक प्रशासनिक कार्य है। यह अधिकारियों को डीटीआर के रूप में अलग की गई राशि की वसूलने से नहीं रोकेगा।

रिलायंस, टाइटन समेत पांच बड़ी कंपनियों ने निकाले 52 हजार कर्मचारी; खुदरा क्षेत्र में भारी छंटनी

नई दिल्ली। युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी के बीच कमजोर मांग के कारण खुदरा क्षेत्र की पांच बड़ी कंपनियों ने 2023-24 में 52,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कंपनियों की ताजा सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह संख्या पांचों फर्मों की संयुक्त श्रमबल का 17 फीसदी है। छंटनी करने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल, टाटा समूह की टाइटन, रेमंड, पेज इंडस्ट्रीज और स्पेन्सर शामिल हैं। कुल छंटनी में रिलायंस रिटेल की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष के दौरान 38,029 लोगों की छंटनी की। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस रिटेल के कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2023-24 में घटकर 2,07,552 रह गई। 2022-23 के दौरान कंपनी के पास 2,45,581 कर्चमारी थे। टाइटन के कर्मचारियों की संख्या 2022-23 के 26,104 से घटकर 2023-24 में 17,535 रह गई। इस तरह, कंपनी ने बीते वित्त वर्ष के दौरान 8,569 लोगों को नौकरी से निकाला।पेज इंडस्ट्रीज के कर्मचारियों की संख्या में भी 4,217 की कमी देखने को मिली है।?

2022-23 में कंपनी के पास 26,781 कर्मचारी थे, जिनकी संख्या 2023-24 में कम होकर 22,564 रह गई। उधर, रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा, जुलाई, 2024 में खुदरा क्षेत्र की बिक्री में एक साल पहले की तुलना में 2 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज की गईहै।

एक दर्जन सूचीबद्ध कंपनियों में भी 26,000 छंटनी

एक दर्जन सूचीबद्ध लाइफस्टाइल, ग्रॉसरी रिटेलर्स और क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स ने बीते वित्त वर्ष अपने श्रम बल में 26,000 की कटौती की है। इन खुदरा विक्रेताओं के पास 2022-23 में कुल 4.55 लाख कर्मचारी थे, जिनकी संख्या 2023-24 में घटकर 4.29 लाख रह गई।

गैर-जरूरी खर्चों में कटौती

हंगाई, ब्याज दरों में वृद्धि, स्टार्टअप व आईटी क्षेत्र में छंटनी, अर्थव्यवस्था में मंदी के डर से उपभोक्ता दिवाली, 2022 से ही गैर-जरूरी खर्च घटा रहे हैं।

बिक्री की धीमी रफ्तार : महामारी के बाद लोगों ने कपड़ों से लेकर कारों तक सभी क्षेत्र में जमकर खरीदारी की। हालांकि, इसके बाद खुदरा क्षेत्र में बिक्री की रफ्तार धीमी होकर पिछले साल 4 फीसदी रह गई।

स्टोर विस्तार पांच साल में सबसे कम सीबीआरई ने कहा, खुदरा क्षेत्र की कंपनियों ने 9 फीसदी की रफ्तार से स्टोर का विस्तार किया, जो पांच साल में सबसे कम है। खुदरा क्षेत्र ने 2023 में शीर्ष-8 शहरों में 71 लाख वर्ग फुट जगह ली थी, जिसके 2024 में घटकर 60-65 लाख वर्ग फुट रहने का अनुमान है।

बैंकिंग-आईटी शेयरों में मजबूती से चढ़ा बाजार, सेंसेक्स 378 अंक उछला, निफ्टी 24700 के करीब

नई दिल्ली हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी के कारण प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। क्लोजिंग के दौरान सेंसेक्स 378.18 (0.47%) अंकों की बढ़त के साथ 80,802.86 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी 126.20 (0.51%) अंक मजबूत होकर 24,698.85 पर पहुंच गया।

बैंकिंग, वित्तीय और ऑटो सेक्टर के शेयरों से बाजार को मिली मजबूती

वैश्विक शेयर बाजारों में मजबूती के रुख के बीच बैंकिंग, वित्तीय और ऑटो शेयरों में मजबूत खरीदारी से मंगलवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 378.18 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 80,802.86 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान, बेंचमार्क 518.28 अंक या 0.64 प्रतिशत बढ़कर 80,942.96 पर पहुंच गया। लगातार चौथे दिन बढ़त के बाद, एनएसई निफ्टी 126.20 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 24,698.85 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स के इन शेयरों में दिखी तेजी

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी और सन फार्मा प्रमुख लाभ में रहीं। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा मोटर्स पिछड़ गए।

यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, सियोल और टोक्यो बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई और हांगकांग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

बाजार में निवेशकों की नजर फेड की बैठक के मिनट्स पर

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, "दलाल स्ट्रीट पर ज्यादातर मजबूती और तेजी खुदरा निवेशकों की ओर से लगातार एसआईपी खरीदारी के कारण आई है। वैश्विक कारकों पर भी नजर रहेगी क्योंकि निवेशकों की नजर बुधवार को जारी होने वाली जुलाई एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक के मिनट्स पर है।" एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,667.46 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,802.92 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.72 फीसदी गिरकर 77.10 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

टेक कारोबारी माइक लिंच और मॉर्गन स्टेनली के जोनाथन ब्लूमर का अब तक सुराग नहीं, बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली ब्रिटिश प्रौद्योगिकी दिग्गज माइक लिंच, मॉर्गन स्टेनली इंटरनेशनल के चेयरमैन जोनाथन ब्लूमर और प्रमुख अमेरिकी वकील क्रिस मोरविलो उन छह लोगों में शामिल हैं जो सिसिली के तट पर हुए एक लक्जरी याट हादसे के बाद से अब तक लापता है। सोमवार को समुद्र में आए एक वबंडर (टोरनैडो) के कारण यह याट दो हिस्सों में टूटकर डूब गया था। इस हादसे में अब तक याट पर सवार 22 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, अब तक 15 लोगों को बचा लिया गया है।

इतालवी द्वीप की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख साल्वातोर कोकिना ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि ब्लूमर और मोरविलो की पत्नियां भी हादसे के बाद से लापता हैं।

ब्लूमर, जिनकी लिंक्डइन प्रोफाइल में उन्हें मॉर्गन स्टेनली इंटरनेशनल का चेयरमैन बताया गया है लंदन में सूचीबद्ध बीमा कंपनी हिस्कोक्स के भी चेयरमैन हैं। इसके मुख्य कार्यकारी (सीईओ) अकी हुसैन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि दुखद समाचार से कंपनी गहरा सदमा और दुख महसूस कर रही है।

उन्होंने कहा, "हमारी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो प्रभावित हुए हैं, विशेष रूप से हमारे अध्यक्ष जोनाथन ब्लूमर और उनकी पत्नी जूडी के साथ, जो लापता लोगों में शामिल हैं। हम उनके परिवार के साथ हैं जो इस भयावह स्थिति से आगे की खबर का इंतजार कर रहे हैं।"

अब तक इस मामले में मॉर्गन स्टेनली की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इटली के तटरक्षक बल ने एक्स पर बताया कि इतालवी अग्निशमन दल के गोताखोर लापता लोगों की खोज के लिए मंगलवार को फिर से डूबे हुए जहाज में प्रवेश करने का प्रयास करेंगे, सोमवार को उनका प्रयास असफल रहा था।

इटली के तटरक्षक बल के प्रवक्ता के अनुसार, सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5 बजे जहाज बवंडर की चपेट में आ गया। यह नौका भूमध्यसागरीय द्वीप पर पोर्टिसेलो बंदरगाह से लगभग आधा मील की दूरी पर लंगर डाले

खड़ी थी।

प्रवक्ता के बताया, "सिसिली में रविवार देर रात आए तेज तूफानों के कारण भारी बारिश हुई। इस दौरान पलेर्मो के पूर्व में ब्रोलो में चार घंटे से भी कम समय में 4 इंच (100 मिमी) से ज्यादा बारिश हुई।" यूरोपियन सीवियर वेदर डेटाबेस की एक रिपोर्ट से पता चला है कि सोमवार सुबह एक वाटरस्पाउट - एक प्रकार का बवंडर जो पानी के ऊपर बनता है या जमीन से पानी की ओर बढ़ता है- उस क्षेत्र में विकसित हुआ जहां नौका ने लंगर डाला था।

जहाज के पतवार पर एक शव मिला। बचाए गए लोगों में लिंच की पत्नी एंजेला बैकारेस, जो कि नौका की कप्तान थीं, और एक साल की बच्ची भी शामिल हैं। लिंच की 18 वर्षीय बेटी भी अब तक लापता है।

59 वर्षीय टेक निवेशक और उद्यमी लिंच को जून में ऑटोनॉमी की बहु-अरब डॉलर की बिक्री से जुड़े धोखाधड़ी के मुकदमे में बरी कर दिया गया था, जिस सॉफ्टवेयर फर्म की उन्होंने सह-स्थापना की थी, उसे हेवलेट पैकर्ड को बेच दिया गया था। अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि लिंच ने बिक्री से पहले ऑटोनॉमी के राजस्व को बढ़ाने की योजना बनाई थी।

क्लिफोर्ड चांस के एक अमेरिकी वकील मोरविलो लिंच के खिलाफ सफलतापूर्वक केस लड़ने में शामिल थे। सीएनएन के अनुसार उनकी ओर से संपर्क किए जाने पर क्लिफोर्ड चांस ने इस मामले में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

इतालवी समाचार एजेंसी एएनएसए की रिपोर्ट के अनुसार, जीवित बची 35 वर्षीय चार्लोट ने बताया कि कैसे उसने अपनी एक वर्षीय बेटी सोफिया को पकड़ने के लिए संघर्ष किया, क्योंकि लहरों के कारण नौका डूब गई थी।

उन्होंने बताया, "दो सेकंड में ही मैंने बच्ची को समुद्र में खो दिया, फिर मैंने लहरों के प्रकोप के बीच उसे फिर से गले लगा लिया। मैंने उसे कसकर पकड़ रखा था, मेरे करीब, समुद्री तूफान के बीच कई बच्चे चिल्ला रहे थे।"

सीएनएन ने संचालन से परिचालन एक सूत्र के हवाले से जानकारी दी है कि ब्रिटेन की समुद्री दुर्घटना जांच शाखा पालेर्मो में नौका का प्रारंभिक मूल्यांकन करने के लिए चार निरीक्षकों की एक टीम तैनात कर रही है। नाम न बताने की शर्त पर बात करने वाले सूत्र ने यह नहीं बताया कि टीम के सिसिली पहुंचने की उम्मीद कब है।

इटली के तटरक्षक बल के प्रवक्ता ने सीएनएन को बताया कि 56 मीटर (184 फुट) लंबी नौका बेयेसियन ब्रिटिश ध्वज के नीचे चल रही थी, जिसमें ज्यादातर ब्रिटिश यात्री और चालक दल के सदस्य थे, इसके अलावा दो एंग्लो-फ्रेंच, एक आयरिश और एक श्रीलंकाई भी था।

न्यूजीलैंड के विदेश और व्यापार मंत्रालय ने सीएनएन को बताया कि इस घटना में देश के दो नागरिक शामिल थे, लेकिन वे लापता लोगों में शामिल नहीं हैं। मृतक की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया गया है।

इसकी इतालवी निमार्ता कंपनी पेरीनी नेवी ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि बेयेसियन में दुनिया का सबसे ऊंचा एल्युमीनियम मस्तूल (पतवार) है, जो 72.27 मीटर (237 फीट) ऊंचा है।

यह मस्तूल गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से दर्ज दुनिया के सबसे ऊंचे मस्तूल से तीन मीटर (10 फीट) छोटा था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की वेबसाइट के अनुसार, 75 मीटर (247 फीट) का यह कार्बन-फाइबर मस्तूल मीराबेला वी का है, जो यूके के साउथेम्प्टन में वोस्पर थॉर्निक्रॉफ्ट से निर्मित एक नौका है।

अब उचित मूल्य की राशन दुकानों की जगह होंगे 'जन पोषण केन्द्र', पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई

नई दिल्ली । खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को यूपी, गुजरात, राजस्थान और तेलंगाना में 60 उचित मूल्य की राशन दुकानों जिन्हें फेयर प्राइस शॉप भी कहा जाता है, को 'जन पोषण केंद्र' में बदलने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत की। इस कदम का उद्देश्य एफपीएस की व्यवहार्यता को बढ़ावा देना और आम लोगों की पोषण के मामले में पहुंच में सुधार करना है।

यह पायलट प्रोजेक्ट डीलरों को सब्सिडी वाले अनाज से परे अपनी इन्वेंट्री में विविधता लाने की अनुमति देगा। ये दुकानें अब बाजरा, दालें, डेयरी उत्पाद और दैनिक आवश्यक से जुड़े अन्य सामान रख सकती हैं, जिससे डीलरों के लिए संभावित रूप से नए राजस्व स्रोत खुल सकते हैं। जोशी ने उद्घाटन समारोह में कहा, "यह परिवर्तन दोनों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने मौजूदा परिचालन अक्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, "कुछ क्षेत्रों में, एफपीएस केवल 8-9 दिनों के लिए खुलते हैं, जबकि अन्य जगहों पर हर तीन महीने में केवल एक बार खुलते हैं।

बाकी समय, ये दुकानें बंद रहती हैं।" मंत्री ने जोर देकर कहा कि एफपीएस डीलरों के लिए मौजूदा कमीशन संरचना अपर्याप्त है, जिससे दुकान की जगह और जनशक्ति का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए वैकल्पिक तरीकों तलाश करने की आवश्यकता है। पायलट प्रोजेक्ट के के साथ-साथ जोशी ने 'मेरा राशन' एप का उन्नत संस्करण पेश किया। इसके साथ ही क्वालिटी मैनुअल हैंडबुक, भारतीय खाद्य निगम (ऋफ्रक) की अनुबंध मैनुअल, डिजिटल गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और प्रयोगशालाओं की एनएबीएल मान्यता का अनावरण किया गया। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने एफपीएस (फेयर प्राइस शॉप) डीलरों के लिए आसान ऋण की सुविधा के लिए सिडबी के साथ सहयोगात्मक प्रयासों और उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कौशल विकास मंत्रालय के साथ साझेदारी पर प्रकाश डाला।

पूरे भारत में लगभग 5.38 लाख एफपीएस चालू हैं, इस पायलट प्रोजेक्ट के सफल कार्यान्वयन से राशन दुकान नेटवर्क के राष्ट्रव्यापी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। अखिल भारतीय उचित मूल्य दुकान डीलर संघ ने इस पहल का स्वागत किया है और इसे व्यवहार्यता के मुद्दों से जूझ रहे दुकान मालिकों के लिए बड़ी राहत बताया। पायलट प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग से जुड़े कार्यक्रम में एफसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य खाद्य सचिवों और विश्व खाद्य कार्यक्रम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सेबी प्रमुख पर आरोप करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा गंभीर मामला, रमेश बोले- पारदर्शिता जरूरी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े हालिया विवाद पर मंगलवार को फिर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सेबी अध्यक्ष के हितों का गंभीर टकराव करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा एक गंभीर मामला है। हाल ही में अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने सेबी प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ हितों के टकराव का आरोप लगाया था। माधवी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि यूनिक पैन के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का यूनिक पंजीकृत निवेशक आधार 10 करोड़ से अधिक हो गया है। इसका तात्कालिक अर्थ यह निकाला जा सकता है कि वित्तीय बाजारों में ईमानदारी और पारदर्शिता बड़ी व बढ़ती संख्या में भारतीयों, विशेष रूप से युवाओं के लिए मायने रखती है।

उन्होंने कहा कि एनएसई के अनुसार, इन निवेशकों की औसत

आयु 32 वर्ष है और सभी निवेशकों में से 40 प्रतिशत 30 वर्ष से कम आयु के हैं। रमेश ने कहा, ह्यह्यवित्तीय बाजार इस धारणा पर कार्य करते हैं कि नियामक निष्पक्ष रूप से नियमन करेंगे और कंपनियां नियमों के अनुसार चलेंगी। लेकिन जब सेबी अध्यक्ष के हितों का गंभीर टकराव सामने आता है और वह भी अदाणी समूह द्वारा कथित धनशोधन एवं राउंड ट्रिपिंग की जांच के संबंध में हो, तब यह करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा एक गंभीर मामला बन जाता है।

उन्होंने कहा कि विनियामक विफलता और हितों के टकराव भले ही कुछ समय के लिए सामने आएं और चर्चा में बने रहें, लेकिन इससे बाजार को लेकर सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास को दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि युवा और निवेशकों की बढ़ती संख्या निश्चित रूप से बेहतर की हकदार है।

उन्होंने दावा किया, 4 जून, 2024 को मतों की गिनती के बाद मोदी-मेड बाजार की अस्थिरता से भी बाजार में विश्वास हिला है। 13 मई को, स्वयंभू चाणक्य ने अदाणी के स्वामित्व वाले चैनल पर एक इंटरव्यू में निवेशकों से कहा था, मेरा सुझाव है कि आप 4 जून से पहले (शेयर) खरीदें। यह तेजी से बढ़ेगा। कुछ दिनों बाद, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने दोहराया कि शेयर बाजार 4 जून को रिकॉर्ड तोड़ देगा।

रमेश ने कहा, हमारे सुव्यवस्थित बाजारों और पेशेवर रूप से प्रबंधित कंपनियों के कारण उभरते बाजारों के बीच भारतीय इक्विटी बाजार ने अब तक मूल्यांकन प्रीमियम का आनंद लिया है। संदेह के घेरे में आए नियामकों या सर्वज्ञानी प्रधानमंत्री, जो खुद को हर चीज में विशेषज्ञ समझते हैं (नोटबंदी की आपदा को याद करें) द्वारा इन स्तंभों के किसी भी तरह के क्षरण से भारतीय बाजारों के अस्थिर होने का खतरा है।

डीएस ग्रुप: 95 सालों के दौरान सफलता और जिम्मेदारी की अनुकरणीय यात्रा

नई दिल्ली । डीएस ग्रुप के समृद्ध इतिहास के बीच यह साल एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि इस साल ग्रुप अपनी 95वीं सालगिरह का जश्न मना रहा है। 1929 में चाँदनी चौक में मामूली सी शुरूआत से लेकर लम्बी दूरी तय करने के बाद, आज ग्रुप एक बड़े ओद्यौगिक सदन के रूप में कई कारोबारों का सफल संचालन कर रहा है। ग्रुप की यह विरासत, दृढ़ संकल्प, समर्पण व उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

धर्मपाल ह्यसुगंधीह्ल और सत्यपाल ह्यसुगंधीह्ल की ओर से स्थापित डीएस ग्रुप पिछले सालों के दौरान लगातार विकसित हुआ है। इस यात्रा के दौरान ग्रुप ने नित नई ऊँचाईयां छूते हुए अपने संस्थापकों के कोर मूल्यों जैसे सहानुभूति, करूणा, आपसी भरोसा, सम्मान, पारदर्शिता, खुलापन, ईमानदारी और अखंडता को बनाए रखते हुए हमेशा संबंधों को महत्व दिया और साथ ही समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भी बखूबी निभाया है। समूह ने मौजूदा लीडर्स रविन्द्र कुमार और राजीव कुमार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक अपना विस्तार किया है।

आज, माउथ फ्रैशनर, फूड एण्ड बेवरेज, कन्फेक्शनरी, हॉस्पिटेलिटी, एग्री, लक्जरी रीटेल कारोबार व निवेश में व्यापक और

विविध पोर्टफोलियो के साथ डीएस ग्रुप की सशक्त मौजूदगी है। प्रतिष्ठित ब्राण्ड्स जैसे रजनीगंधा, कैच, पल्स, एफआरयू, क्षीर, पास पास, लवइट, बाबा, तुलसी, एलह्लओपेरा, लॅ मार्श, बर्थराईट, द मनु महारानी और नमः आदि ग्रुप को गौरवान्वित करते हैं। समाज कल्याण की मजबूत नींव और स्पष्ट मूल्यों के साथ, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, ग्रुप के व्यवसायिक उद्देश्यों का अभिन्न हिस्सा है। इन्हीं उद्देश्यों के मद्देनजर ग्रुप जल संरक्षण, आजीविका और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है। ग्रुप के इन प्रयासों ने समुदाय पर बदलावकारी प्रभाव उत्पन्न किया है। इन परियोजनाओं की दीर्घकालिक स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए जागरुकता बढ़ाने के साथ-साथ सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

ऊर्जा व जल संरक्षण जैसे प्रयासों में सक्रिय रहा है ग्रुप... भविष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रुप अपनी हरित आधारित पहल का निरंतर विस्तार करता रहा है, और समाज के लिए प्रतिबद्ध कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में ऊर्जा व जल संरक्षण जैसे प्रयासों में सक्रिय रहा है। डीएस ग्रुप स्थायी विकास यात्रा के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट रूप से परिलक्षित करता है जिसमें प्रशासन, जोखिम व अवसर, राजनीति, परफॉर्मेंस, उपलब्धियाँ तथा विभिन्न आर्थिक, पर्यावरणी व सामाजिक पहलुओं पर गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़े भी शामिल हैं। स्थायित्व की दिशा में ग्रुप की ओर से किए जाने वाले प्रयासों में ऊर्जा प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, रीसायक्लिंग, व्यर्थ प्रबन्धन और हरित फुटप्रिन्ट बढ़ाना शामिल है। इन सभी प्रयासों के साथ ग्रुप अपने व्यवसायिक, सामाजिक व पर्यावरणी लक्ष्यों को हासिल करने में सफल रहा है। आने वाले समय में भी संगठन एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट संस्था के रूप में स्थायी विकास की दिशा में प्रयासरत रहेगा।

डीएस मुख्यालयों को यूएसजीबीसी (यूएस ग्रीन बिल्डिंग काउन्सिल) के मौजूदा बिल्डिंग ओएण्डएम (ऑपरेशन एण्ड मेंटेनेन्स) प्रोग्राम के तहत एनर्जी एण्ड एनवायरमेन्टल डिजाइन प्लेटिनम सर्टिफिकेशन (छएएऊ) से सम्मानित किया गया है, यह सर्टिफिकेट ग्रुप को ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करता है। डीएस मुख्यालयों को यूएसजीबीसी की ओर से छएएऊ जीरो कार्बन सर्टिफिकेशन से भी सम्मानित किया गया है।

95 सालों की सफल यात्रा का जश्न मनाना गर्व का क्षण... इस अवसर पर डीएस ग्रुप के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने कहा, डीएस ग्रुप के 95 सालों की सफल यात्रा का जश्न मनाते हुए हमें बेहद गर्व का अनुभव हो रहा है। गुणवत्ता, नवाचार और उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं प्रदान करने का धर्मपाल जी और सत्यपाल जी का दृष्टिकोण आज बड़े पैमाने के आधुनिक व विविध ग्रुप के रूप में विकसित हो चुका है।

हमें विश्वास है कि हम एक साथ मिलकर सफलता की और नई ऊँचाईयों को छूते रहेंगे और अपने उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए अपने संस्थापकों का गौरव बढ़ाते रहेंगे। तो आइए एक प्रेरणादायी भविष्य की ओर बढ़ते हुए एक साथ मिलकर इस यात्रा का जश्न मनाएं!

डीएस ग्रुप अपने कोर मूल्यों व दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए अगले अध्याय की शुरूआत करने जा रहा है। नवाचार, स्थायित्व व सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देते हुए ग्रुप विकास व समृद्धि की विरासत को जारी रखे हुए है तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कौशल के खेल और किस्मत के खेल में अंतर पर मांगे गए सुझाव

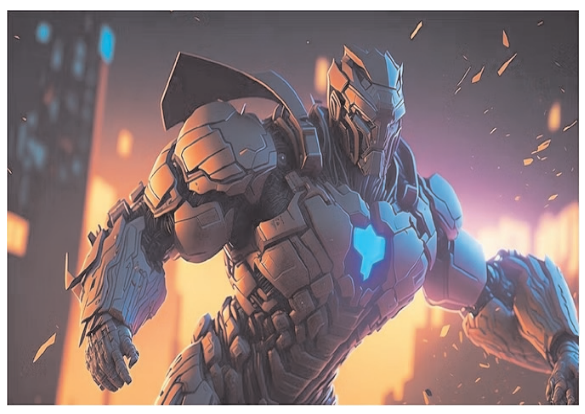

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए ऑनलाइन कौशल के खेल और किस्मत के खेल में अंतर करने को नोट जारी किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नोट के तहत इस मुद्दे पर विभिन्न मंत्रालयों के विचार मांगे गए हैं।

अधिकारी ने कहा कि विदेशी निवेश पाने के लिए दोनों तरह के खेलों के बीच स्पष्ट अंतर जरूरी है, क्योंकि ऑनलाइन कौशल के खेल में अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान अपने संबोधन में भारतीय पेशेवरों से वैश्विक गेमिंग बाजार का नेतृत्व करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि गेमिंग उद्योग में देश अग्रणी स्थिति हासिल कर सकता है।

नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, एफडीआई के लिए दोनों के बीच अंतर करने के मकसद से अंतर-मंत्रालयी चर्चा को एक अवधारणा नोट जारी किया गया है। हमें यह देखने की जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग में, हम एफडीआई लाने के लिए कौशल के खेल और ह्यकिस्मत के खेलह्ल के बीच कैसे अंतर कर सकते हैं।

कुछ लोग ऑनलाइन गेमिंग को जुए और सट्टेबाजी से जोड़कर आपत्ति जताते हैं। इस बात पर भी सवाल है कि इन चीजों को परिभाषित करने का अंतिम प्राधिकारी कौन होगा। अधिकारी ने कहा, हमें इसका आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र निकाय की आवश्यकता है।

मलयेशियाई कंपनियों को भारत में तेल, गैस व इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश का न्योता

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित भारत-मलयेशिया सीईओ फोरम की बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने महत्व पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोमवार को बैठक को संबोधित करते ऐसे कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जहां दोनों देश अधिक गहराई से सहयोग कर सकते हैं, जिससेउनके व्यापार और व्यावसायिक संबंधों का विस्तार हो सकता है। फोरम ने दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं को आपसी अवसरों का पता लगाने और विकास को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए कए मंच प्रदान किया।

गोयल ने भारत और मलयेशिया में व्यवसायों के बीच अधिक

तालमेल की संभावना पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, पर्यटन, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स और स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए इन क्षेत्रों में दोनों देशों की ओर से संयुक्त प्रयास किए जाने के महत्व पर जोर दिया। गोयल ने कहा, भारत और मलयेशिया को अपनी साझेदारी को मजबूत करने के लिए कई क्षेत्रों में गहन सहयोग की तलाश करनी चाहिए। एक साथ बढ़ना हमारा मंत्र है। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्षों के व्यवसायी एक आकर्षक चर्चा करेंगे और हम व्यापार, पर्यटन, प्रोद्योगकी, इन सभी क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की दिशा में बढ़ेंगे। आइए हम एक साथ बढ़ने पर विचार करें।

अपने संबोधन में गोयल ने तेल और गैस क्षेत्रों में भारत की प्रगति पर भी बात की और मलयेशियाई व्यावसायों को इन क्षेत्रों में विशाल अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने तेल और गैस ड्रिलिंग के क्षेत्रों को तेजी से खोल रहा है।

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।

नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

किस तरह के बर्तन में भोजन करते हैं आप, सेहतमंद रहने के लिए जानना बेहद जरूरी

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

वजन घटाने में बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
पाचन शक्ति बढ़ाने में हृदय रोग से बचाने में ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है। अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं। चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। वे पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।

न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारको के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईंयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते हैं, जैसे- एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक स्टडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक स्टडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका में जुड़ सकते हैं जहीर खान

नई दिल्ली, एजेंसी। जहीर खान लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका के लिए बातचीत कर रहे हैं। अगर चल रही बातचीत सफल होती है, तो वह उत्तरी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी में दो प्रमुख हस्तियों की जगह ले सकते हैं।

गौतम गंभीर के 2023 में कोलकाता चले जाने के बाद से सुपर जायंट्स में कोई मेंटर नहीं है और मोर्ने मोर्कल के जाने से नई जगह खाली हो गई है। गंभीर और मोर्कल संयोग से या तो पहले ही भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल हो चुके हैं या शामिल होने वाले हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, जहीर को गंभीर की भूमिका के लिए चुना जा रहा है और वह लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों को अपनी विशेषज्ञता भी दे सकते हैं। वह खिलाड़ियों और फ्रैंचाइज के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ भी होंगे।

जहीर को पहले टीम इंडिया में गंभीर की नई व्यवस्था के तहत एक संभावित बॉलिंग कोच के रूप में देखा गया था, विशेष रूप से टीम में और उसके आसपास के युवा और उभरते हुए तेज गेंदबाजों को मेंटर करने के लिए - एक ऐसी भूमिका जिसके लिए उन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है। अपने खेल के दिनों में भी, जहीर भारतीय टीम में युवा तेज गेंदबाजों का मार्गदर्शन और मेंटरिंग करने के लिए जाने जाते थे।

भारतीय टीम के साथ जहीर खान की संभावित भूमिका साकार नहीं हो पाई, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गंभीर की सिफारिश पर मोर्कल को प्राथमिकता दी। लेकिन पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को आईपीएल में कोचिंग का व्यापक अनुभव है, उन्होंने पहले मुंबई इंडियंस के साथ काम किया है।

लखनऊ सुपर जायंट्स सेटअप में, जहीर मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और कोचों की एक मजबूत टीम के साथ सहयोग करेंगे, जिसमें एडम वोजेस, लांस क्लूजनर और जोंटी रोड्स शामिल हैं।

संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली फ्रैंचाइजी में एक और प्रमुख कोच के शामिल होने की भी चर्चा है, जिसका विवरण अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। 45 वर्षीय जहीर ने भारत के लिए 92 टेस्ट, 200 वनडे और 17 टी20 मैच खेले हैं, साथ ही 100 आईपीएल मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अपना आखिरी आईपीएल मैच 2017 में खेला था।

आईपीएल की सबसे महंगी टीम एलएसजी, जिसे 2022 में एक बिलियन डॉलर (उस समय की विनिमय दर के अनुसार 7090 करोड़ रुपये) से अधिक में खरीदा गया था, अपने पहले दो सत्रों में शीर्ष-चार चरण तक पहुँची, लेकिन पिछले साल खराब नेट रन रेट (एनआरआर) के कारण प्लेऑफ स्थान से चूक गई।

भुवनेश्वर में बुधवार को रोड शो करेगी भारतीय हॉकी टीम

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा कि राज्य हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के स्वागत के लिए तैयार है।

सूरज ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी बुधवार को यहां लोक सेवा भवन के ह्यकन्वेंशन सेंटरह्ण में भारतीय हॉकी टीम के सदस्यों को सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के नायकों के भव्य स्वागत की योजना बनाई गई है। मंत्री ने कहा, टीम कल दोपहर करीब 12 बजे ओडिशा पहुंचेगी और बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कलिंग स्टेडियम तक रोड शो करेगी। बाद में, टीम को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

पुरुष और महिला दोनों भारतीय हॉकी टीम की आधिकारिक प्रायोजक ओडिशा सरकार ने पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। सूरज ने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। ओडिशा 2018 से हॉकी टीम को प्रायोजित कर रहा है जब खेल आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अगुआई वाली बीजू जनता दल की पिछली सरकार ने टीम का उस समय समर्थन किया था जब उसे प्रायोजक की सख्त जरूरत थी। राज्य सरकार 2036 तक टीम का समर्थन करेगी जो खेल का लंबे समय तक समर्थन करने की उसकी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

बल्लेबाजी बांग्लादेश के लिए चिंता का विषय रही है: मुख्य कोच चंडिका हथुरूसिंघे

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश के मुख्य कोच चंदिका हथुरूसिंघे ने सोमवार को स्वीकार किया कि उनके टीम की बल्लेबाजी चिंता तका विषय है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 21 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच जेसन गिलेस्पी के लिए पाकिस्तान के टेस्ट कोच के तौर पर पहला काम होगा। दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से 3 सितंबर तक कराची में खेला जाएगा।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए हथुरूसिंघे ने कहा कि बांग्लादेश की पिचें परिणाम देने वाली विकेट हैं, जबकि पाकिस्तान की पिचें बल्लेबाजी के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने कहा, बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से चिंता का विषय रही है, लेकिन एक कारण से नहीं। हम अपने देश में परिणाम देने वाली विकेटों पर खेलते हैं। कभी-कभी ऐसी पिचों पर 250 रन जीत का स्कोर होता है। जाहिर है जब आप ऐसी पिचों पर खेलते हैं, तो बल्लेबाजों को मुश्किल होती है। मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान की पिचें आम तौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल होंगी। बल्ले और गेंद के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा होती है। हम इन पिचों पर बेहतर परिणाम दिखाएंगे।

मुख्य कोच ने अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की तारीफ की और कहा कि उन्होंने हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, तेज गेंदबाजों ने टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां उन्हें अनुकूल परिस्थितियां मिलीं। यह रातों-रात नहीं हुआ। यह पिछले दो वर्षों में विकसित हुआ है। उन्होंने कुल मिलाकर 20 टेस्ट नहीं खेले हैं, इसलिए वे पाकिस्तान के आक्रमण की तुलना में युवा तेज गेंदबाज हैं। मैं यह देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं कि वे कैसे आगे बढ़ते हैं।

बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है: नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), महमूदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, शोरफुल इस्लाम, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद।

बांग्लादेश को पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की चुनौती से निपटने में शाकिब पर भरोसा

रावलपिंडी (पाकिस्तान), एजेंसी। बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में बुधवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे तेज गेंदबाजों की चुनौती से निपटने के लिए अपने सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हरफनमौला शाकिब अल हसन से 'विशेष प्रदर्शन' की उम्मीद होगी।

पूर्व कप्तान शाकिब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में शुमार है जो वामहस्त बल्लेबाजी और गेंदबाजी से अपने दम पर टीम को जीत दिलाने का माद्दा रखते है।

रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने कहा, वह (शाकिब) काफी लंबे समय से खेल रहे हैं। उन्हें अपनी भूमिका के बारे में पता है।

उन्होंने कहा, वह जानते हैं कि खुद को कैसे तैयार करना है, इसलिए मैं उनके राजनीतिक करियर के बारे में नहीं सोच रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि वह इस श्रृंखला में कुछ खास करेंगे। वह एक पेशेवर क्रिकेटर है और ईमानदारी से कहूं तो हम सभी उसके साथ एक क्रिकेटर की तरह ही व्यवहार करते हैं।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान शाकिब कनाडा में टी20 लीग में खेल रहे थे। देश में अशांति के कारण टीम की तैयारियों में बाधा आयी और बांग्लादेश लाहौर में तीन दिनों के अतिरिक्त अभ्यास के लिए निर्धारित समय से चार दिन पहले ही पाकिस्तान पहुंच गया था। श्रृंखला के दोनों टेस्ट मैच रावलपिंडी में खेले जायेंगे। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, जिसकी तालिका में पाकिस्तान छठे जबकि बांग्लादेश आठवें पायदान पर है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान का रिकॉर्ड शानदार है। टीम ने दोनों देशों के बीच खेले गये 13 में से 12 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की है। 2015 में खुलना में खेला गया टेस्ट ड्रॉ रहा था। शंटो ने कहा कि शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह की अगुवाई वाले पाकिस्तान के चार तेज गेंदबाजों वाले आक्रमण के खिलाफ टीम को मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने चार साल पहले इसी मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ पारी और 44 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में शाहीन ने हैट्रिक विकेट चटकाए थे, जिसमें शंटो भी शामिल थे। शंटो ने कहा, हमारे पास अच्छी और संतुलित टीम है और हमें विश्वास है कि हम इस बार कुछ विशेष करने में सफल रहेंगे। यह श्रृंखला पाकिस्तान टेस्ट टीम के नये मुख्य कोच ऑस्ट्रेलिया के जेसन गिलेस्पी के लिए पहली परीक्षा होगी। पाकिस्तान को आठ महीने पहले खेली गई अपनी पिछली श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से हराया था। वह पाकिस्तान के कप्तान के रूप में शान मसूद की पहली टेस्ट श्रृंखला भी थी।

मसूद ने कहा, हमने कुछ गलतियां की थी जिसके कारण शायद हमें मेलबर्न और सिडनी टेस्ट मैच गंवाने पड़े लेकिन एक टीम के रूप में, हम सही दिशा में आगे बढ़े रहे है। इसलिए यह कुछ ऐसा है जिससे हम सीख लेंगे।

मसूद ने कहा कि रावलपिंडी में घरेलू मैचों के नतीजों ने उन्हें तेज आक्रमण के साथ जाने के लिए प्रोत्साहित किया है। जिसमें तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद और मोहम्मद अली भी अंतिम एकादश में शामिल हैं। उन्होंने कहा, आपको परिस्थितियों को लेकर लचीला रूख अपनाना होता है। मुझे लगता है कि रावलपिंडी में हालात तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों के पक्ष में हैं। यहां स्पिन गेंदबाजी ने ज्यादा परेशानी पैदा नहीं की है।

जर्मनी के कप्तान गुंडोगन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

बर्लिन, एजेंसी। घरेलू धरती पर यूरो 2024 में जर्मनी की कप्तानी करने वाले इल्के गुंडोगन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। अनुभवी मिडफील्डर ने 33 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी से हटने का फैसला किया।

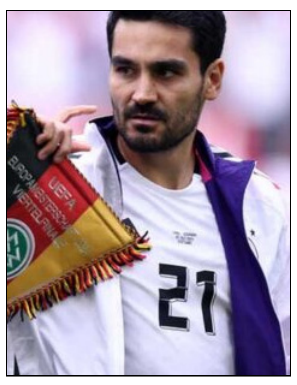

अपने देश के लिए 82 मैचों में 19 गोल करने वाले गुंडोगन ने कहा, कुछ हफ़्तों के चिंतन के बाद, मैंने फैसला किया है कि अब अपने राष्ट्रीय टीम करियर को समाप्त करने का समय आ गया है। मुझे अपने देश के लिए 82 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर गर्व है, एक ऐसी संख्या जिसके बारे में मैंने 2011 में अपने सीनियर पदार्पण के समय कभी सपने में भी नहीं सोचा था। निस्संदेह, पिछली गर्मियों में हमारे घरेलू यूरोपीय चैंपियनशिप में टीम की कप्तानी करने का बड़ा सम्मान मेरा मुख्य आकर्षण था।

गुंडोगन की सेवानिवृत्ति थॉमस मुलर और टोनी क्रूस की अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति के बाद हुई है, जिन्होंने यूरो 2024 में स्पेन से जर्मनी की 2-1 क्वार्टर फाइनल हार के बाद संन्यास ले लिया था। अक्टूबर 2011 में बेल्जियम के खिलाफ गुंडोगन ने जर्मनी के लिए पदार्पण किया। चोट के कारण वे 2014 विश्व कप और 2016 यूरोपीय चैम्पियनशिप से चूक गए। पिछले अक्टूबर में, पूर्व कोच हांसी फ्लिक, जो अब बार्सिलोना में गुंडोगन के साथ फिर से जुड़ गए हैं, ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का कप्तान नियुक्त किया।

जर्मनी के मौजूदा कोच जूलियन नैगल्समैन ने कहा, मुझे बहुत गर्व है कि इल्के हमारे कप्तान थे, उन्होंने जर्मनी के लिए शानदार यूरोपीय चैम्पियनशिप खेली। वे एक बुद्धिमान, चिंतनशील और बहुत ही गर्मजोशी से भरे व्यक्ति हैं। इल्के एक बेहतरीन कप्तान थे जिनके साथ मैं काम करना जारी रखना चाहता था। राष्ट्रीय टीम में दरवाजा कभी पूरी तरह से बंद नहीं होता है, लेकिन हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं और पेशेवर और निजी तौर पर उनके भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएँ देते हैं।

डॉक्टर या इंजीनियर बनना जरूरी नहीं, खेलों से भी बन सकती अच्छी जिंदगी: मनु

चेन्नई, एजेंसी। ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ स्वदेश लौटी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां एक स्कूल में सम्मानित होने के बाद छात्रों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे 'जिंदगी अच्छी' बनाई जा सकती है।

हरियाणा की इस 22 साल की निशानेबाज ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक अपने नाम किये। वह ओलंपिक के किसी एक सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी हैं।

मनु ने यहां 'वेलाम्मल नेक्सस स्कूल' में आयोजित कार्यक्रम में कहा, तोक्यो ओलंपिक में निराशा मिलने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना काफी मुश्किल था। मैं उस समय विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थी लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।

उन्होंने कहा, मैं विफलता के बाद सफलता के स्वाद को जानती हूं। खेलों की यही खूबसूरती है। आप एक प्रतियोगिता में हारते है तो दूसरे में जीतते है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब आप लगातार कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे।

मनु ने युवा छात्रों से खेल को करियर विकल्प के रूप में अपनाने की सलाह देने के साथ 'बड़े सपने देखने' और 'कड़ी मेहनत' पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें बहुत कड़ी मेहनत और प्रयास करना चाहिए। यह हमेशा किसी बड़े लक्ष्य के साथ शुरू नहीं होता है, आपको इसे हासिल करने के लिए निरंतर काम करते रहना होता है।

उन्होंने कहा, आप अगर बड़े सपने देख सकते हैं, तो आप बड़ा हासिल कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा बड़े सपने देखने से शुरूआत करें।

मनु ने कहा, मैं हमेशा अपने आप से कहती हूं कि चाहे मैं किसी भी प्रतियोगिता में जीतूं या हारूं, मैं हमेशा अपना मनोबल बनाये रखूंगी।

उन्होंने कहा, हमारे पास करियर के कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर बनने की जरूरत नहीं है। खिलाड़ियों का जीवन एक सुंदर जीवन है। वित्तीय सहायता से लेकर किसी भी तरह की मदद तक, आपको खेल में सब कुछ मिलता है।

पेरिस ओलंपिक में मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के अलावा 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ जोड़ी बनाकर कांस्य पदक जीते। उन्हें खुद को प्रेरित करने में अपने माता-पिता की भूमिका को महत्वपूर्ण करार दिया।

मनु ने कहा, मेरी प्रेरणा मेरी मां से मिली। उन्होंने मुझे वैसा बनाया जैसी मैं आज हूं। माता-पिता के समर्थन के बिना, एक बच्चा बहुत कुछ नहीं कर सकता।

एक नजर

ध्रुव चव्हाण ने पोलो कप का खिताब जीता

चेन्नई, एजेंसी। मुंबई के ध्रुव चव्हाण ने मंगलवार को यहां पोलो कप इंडिया 2024 रेसिंग प्रतियोगिता में आदित्य पटनायक को पछाड़कर खिताब जीता। ओजस सुर्वे तीसरे स्थान पर रहे। मद्रास अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर पहली रेस जीतकर आदित्य ने बढ़त बनाई लेकिन ध्रुव ने अगली रेस जीतकर उनकी बराबरी पर ली। आदित्य ने दूसरे दौर की भी पहली रेस जीती लेकिर ध्रुव ने अपने प्रदर्शन के अधिक निरंतरता दिखाते हुए बाकी रेस में महत्वपूर्ण अंक जुटाकर खिताब अपने नाम किया। रोमिर आर्या को 'बेस्ट रूकी ऑफ द सीजन' चुना गया जबकि मुंजाल सावला ने मास्टर चैंपियनशिप जीती।

धामी ने पेरिस ओलंपिक से वापस आए खिलाड़ियों को किया सम्मानित

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को सीएम आवास पर पेरिस ओलिंपिक में प्रतिभाग कर लौटे खिलाड़ी अंकिता ध्यानी, परमजीत सिंह और सूरज पंवार ने भेंट की। मुख्यमंत्री धामी ने तीनों अधिकारियों का सम्मानित भी किया।

मंगलवार को पेरिस ओलिंपिक में प्रतिभाग कर लौटे खिलाड़ी अंकिता ध्यानी, परमजीत सिंह और सूरज पंवार मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने तीनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे आने वाली प्रतियोगिताओं में पूरे समर्पण से अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें। राज्य सरकार और प्रदेश की जनता उनके साथ है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि पेरिस ओलंपिक में सूरज पंवार ने 42 किमी रेस वॉक मिक्स्ड रिले, परमजीत सिंह ने 20 किमी रेस वॉक और अंकिता ध्यानी ने पांच हजार मीटर में प्रतिभाग किया था।

लॉस एंजेलिस ओलंपिक में खेलना चाहता हूं : स्टीव स्मिथ

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, जो संभवतः टी 20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। स्टीव स्मिथ को इस साल जून में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन अनुभवी बल्लेबाज अपने टी20 अंतर्राष्ट्रीय भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्मिथ ने हाल ही में सिडनी सिक्सर्स के साथ तीन साल का बीबीएल कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इसका अर्थ यह है कि वह कम से कम 2026-27 तक पेशेवर क्रिकेट खेलते रहेंगे। लेकिन क्या वह ऑस्ट्रेलिया के टी20 सेट-अप में भी बने रहेंगे? स्मिथ इस संभावना से इनकार नहीं करते हैं। हालांकि, स्मिथ को ओलंपिक में खेलने के अपने सपने को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह फिर से हासिल करनी होगी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा, मैं अगले चार साल तक कम से कम टी20 क्रिकेट खेलता रहूंगा। यह एक ऐसा फॉर्मेट है, जिसे मैं अन्य दूसरे फॉर्मेट के अलावा लंबे समय तक खेल सकता हूं, खासकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट में, मैंने तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट तो किया ही है और एक साल बाद ओलंपिक होगा। मैं ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहता हूं, यह एक बेहतरीन अनुभव होगा। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि स्मिथ ने अन्य फॉर्मेट से संन्यास के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, मेरी अभी ऐसी कोई योजना नहीं है। मैं फिलहाल क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं और इन गर्मियों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

स्मृति मंधाना आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई, एजेंसी। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी महिलाओं की नवीनतम आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) एकदिवसीय रैंकिंग में एक पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना नौवां स्थान बरकरार रखा है। श्रीलंका की दिग्गज बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक गयी जबकि टीम की उनकी साथी बल्लेबाज नीलाक्षिका डी सिल्वा (तीन पायदान ऊपर 32वें), हर्षिता समरविक्रमा (आठ स्थान के सुधार के साथ 44वें) और कविशा दिलहारी (चार स्थान के सुधार के साथ 50वें पायदान) ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही। समरविक्रमा और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे। श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेले गये दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 44 गेंद में 65 रन बनाने वाली समरविक्रमा तीन स्थान के सुधार के साथ 13वें तो वहीं 75 गेंद में 119 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली लुईस चार स्थान के सुधार के साथ 21 स्थान पर पहुंच गयी। लुईस इससे पहले जुलाई 2022 में इस रैंकिंग पर पहुंची थी।

पहले ईस्पोर्ट्स ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा सऊदी अरब

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने ईस्पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहले ईस्पोर्ट्स ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए सऊदी अरब की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ साझेदारी की है। इससे पहले ओलंपिक कार्यकारी बोर्ड ने ईस्पोर्ट्स ओलंपिक खेलों की शुरूआत करने का प्रस्ताव रखा था, जिसके बाद आईओसी ने यह कदम उठाया। यूएनआईवी स्पोर्टटेक के संस्थापक और एफईएआई (फेडरेशन ऑफ ईस्पोर्ट्स एसोसिएशन इंडिया) के संस्थापक सदस्य अभिषेक इस्सर ने कहा, अब प्रत्येक देश ईस्पोर्ट्स को ओलंपिक पदक जीतने के अवसर के रूप में देखेगा। यह इस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण कदम है। भारत इस क्षेत्र में तेजी से विकास करने में सक्षम है। ईस्पोर्ट्स श्रेणी में खिलाड़ी 2021 और 2022 के बीच चार गुना बढ़ गए (150,000 से 600,000 तक) और भविष्य के अनुमानों के अनुसार 2027 के अंत तक यह संख्या 15,00,000 तक पहुंच जाएगी।

बुमराह पिछले पांच-छह साल में कई प्रारूप में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: पोंटिंग

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पिछले पांच या छह वर्षों में कई प्रारूपों में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। पोंटिंग ने कहा कि बुमराह के लंबे समय तक खेलने को लेकर कुछ चिंताएं हो सकती हैं लेकिन उन्होंने हमेशा चोटों से उबरकर मजबूत वापसी की है। पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यु' पर कहा, मैं यह लंबे समय से कहता रहा हूं कि वह पिछले पांच या छह साल से विश्व क्रिकेट में शायद कई प्रारूप में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले जब चोटें लगी तो कुछ डर था कि ह्यक्या वह पहले जैसा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने वापसी करके वास्तव में बेहतर प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा, इन खिलाड़ियों के बारे में हमेशा सही जानकारी पाने का सबसे अच्छा तरीका (अन्य) खिलाड़ियों से पूछना है। और जब आप विपक्षी बल्लेबाजों से उनके (बुमराह) बारे में बात करते हैं तो हमेशा यही जवाब होता है कि नहीं, वह एक बुरा सपना हैं!

कबीर बहिया के साथ शादी करने वाली हैं कृति? अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इससे पहले उन्होंने इस साल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में अभिनय किया था, जिसमें उन्होंने एक रोबोट का किरदार निभाया था। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में, कृति ने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ अपनी डेटिंग अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन हाल ही में, अपने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ छुट्टियों की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद चर्चा में थीं। अब अभिनेत्री ने उनके बारे में लिखी गई ऑनलाइन खबरों पर प्रतिक्रिया दी हैं और इसे निराशाजनक बताया है। कृति और कबीर की तस्वीरें वायरल होने के बाद, कई रिपोर्ट्स में कहा गया कि अभिनेत्री जल्द ही शादी करने की योजना बना रही हैं। हालांकि, कृति जल्द ही शादी करने के मूड में नहीं हैं और उन्होंने इन खबरों को बेहद परेशान करने वाला बताया है। अब हाल ही में, फिल्मफेयर के साथ एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने बताया कि जब उनके बारे में गलत जानकारी फैसाई जाती है तो यह बहुत गुस्सा दिलाने वाला होता है। इसलिए क्योंकि इसका असर उनके परिवार पर भी पड़ता है। कृति ने कहा, उन्हें किसी झूठी बात के दुष्परिणामों से नहीं जूझना चाहिए। यह तब और भी अधिक परेशान करने वाला होता है, जब अफवाहें मेरी निजी जिंदगी से जुड़ी होती हैं। फिर दोस्त मुझे मैसेज भेजते हैं कि क्या यह सच है और मुझे क्लियर करना पड़ता है कि यह सच नहीं है। उन्होंने आगे कहा, लोग अक्सर कहानियां फैलाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने की जहमत नहीं उठाते, खासकर सोशल मीडिया पर जहां नेगेटिविटी तेजी से फैलती है। इन झूठों को लगातार सही करना परेशान करने वाला है और किसी भी और चीज से ज्यादा परेशान करने वाला होता है।

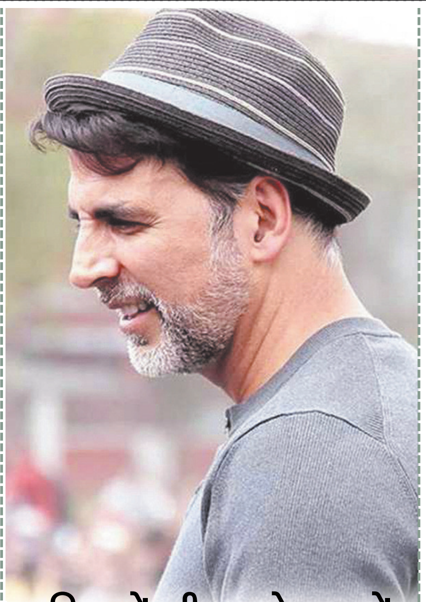

फिल्मों की आलोचनाओं से कैसे निपटते हैं अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म खेल खेल में को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म अक्की के साथ वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क और फरदीन खान समेत कई सितारे नजर आएंगे। बॉक्स ऑफिस पर लंबे वक्त से अक्षय कुमार की फिल्में असफल साबित हो रही हैं। हाल ही में अभिनेता ने बताया कि वह अपनी फिल्मों के लिए मिलने वाली आलोचनाओं से कैसे निपटते हैं। अक्षय कुमार ने एक बातचीत के दौरान कहा, इंसान का बैकग्राउंड क्या है, उसने जीवन में क्या किया है? यह एक व्यक्तिगत आलोचना है, जहां लोग व्यक्तिगत हो जाते हैं। एक वह इंसान होता है जो चाहता है कि दूसरा व्यक्ति बेहतर हो, जो वह अपने दिल से कह रहा होता है। इसलिए मुझे वह पसंद है, जिसे मैं बहुत सही तरीके से लेता हूं। मैंने आलोचना के कारण भी कई बदलाव किए हैं। मैं जब सही आलोचना सुनता हूं और इसे समझता हूं, तो वो करता भी हूं। उन्होंने आगे कहा, लोग जो भी कहते हैं, हमें कोशिश करनी चाहिए और समझना चाहिए। अभिनेता ने आगे कहा, मैं अलग-अलग तरह की फिल्में करना भी नहीं छोड़ूंगा। क्योंकि कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझे दर्शकों को वही देना चाहिए जो वे चाहते हैं। अक्षय ने फिल्म खेल खेल में की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खुलासा किया कि उन्हें अपनी फ्लॉप फिल्मों के लिए शोक संदेश मिल रहे हैं।

छोटी उम्र में सारा अली खान ने कमाया बड़ा नाम

सारा अली खान बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में से एक हैं। बहुत कम समय में अभिनेत्री ने खुद को एक अच्छी हीरोइन के रूप में इंडस्ट्री में स्थापित कर लिया है। छोटी उम्र में ही सारा लाखों लोगों की पसंदीदा बन चुकी हैं। अभिनेत्री अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री का जन्म 12 अगस्त 1995 को मुंबई में हुआ। वह दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी हैं। सैफ अली खान और अमृता सिंह साल 2004 में एक-दूसरे से अलग हो गए और सारा की देखभाल उनकी मां अभिनेत्री अमृता ने की। सारा अली खान ने फिल्मों में आने से पहले अपनी पढ़ाई पूरी की। वह बॉलीवुड की पढ़ी-लिखी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई मुंबई के बेसेंट मोंटेसरी स्कूल से की। इसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए 2016 में न्यूयॉर्क चली गईं, वहां से उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। सारा अली खान ने साल 2018 में आई फिल्म केदारनाथ से डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नजर आएं। इस फिल्म के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। इसके बाद वह रणवीर सिंह के साथ 'सिंबा' में नजर आईं, फिर 'वह लव आजकल', 'अतरंगी रे', 'कूली नंबर 1', 'गैसलाइट', 'जरा हटके जरा बचके', 'मर्डर मुबारक', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में दिखीं। हाल ही में उन्हें उनकी फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में देखा गया। उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो वह अक्षय कुमार की फिल्म 'स्काई फोर्स' और 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आ सकती हैं। सारा अली खान जहां एक तरफ पटौदी खानदान से ताल्लुक रखती हैं, वहीं, वह खुद भी करोड़ों की मालकिन हैं। उन्होंने कई बड़े स्टार्स के साथ कई हिट फिल्में की हैं। वह छोटी सी उम्र में ही लग्जरी लाइफ जीती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह 41 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं। सारा अली खान के फिल्मों की फीस की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक वह अपनी एक फिल्म के लिए पांच से सात करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर सारा ने मुंबई में एक घर भी खरीदा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके घर की कीमत तकरीबन 1.5 करोड़ रुपये है।

देखकर खुशी है कि लोग मुझे याद कर रहे हैं

दिव्येंदु शर्मा नए वेब शोज के साथ लौट चुके हैं। उनकी सीरीज लाइफ हिल गई ह्लञ्ञ पर रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ कुशा कपिला भी लीड किरदार में हैं। इस सीरीज को बनाया है आरुषि निशंक ने। शो में डांस कोरियोग्राफर मुक्ति मोहन का भी रोल हैं। दिव्येंदु ने इसी बीच मिर्जापुर के अपने फेमस किरदार मुन्ना त्रिपाठी पर बात की। दिव्येंदु शर्मा ने कहा कि लोग अभी भी उनसे मिर्जापुर को लेकर सवाल करते हैं। मुन्ना को मरते हुए दिखाया है, फिर भी लोग उम्मीद कर रहे हैं कि अगले सीजन में कैसे भी करके उसकी वापसी हो जाए। मैं बहुत खुश हूं कि लोग मेरे कैरेक्टर को इतना ज्यादा मिस कर रहे हैं। मुझे न देखकर लोगों का दिल दुखा है। दिव्येंदु ने कहा कि मिर्जापुर के पहले सीजन का वो डायलॉग, 'बहुत तकलीफ होती है, जब आप योग्य हों और लोग आपकी योग्यता न समझे' रियल लाइफ में भी फील होता है। एक आर्टिस्ट के जीवन में ऐसे मोमेंट बहुत आते हैं।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही काम करने का मन कर गया

दिव्येंदु ने लाइफ हिल गई में अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'इस सीरीज का मुद्दा कोई बहुत ज्वलंत नहीं है। यहां बस जीवन जीने की बात दिखाई गई है। हम साधारण जीवन में कैसे रहते हैं। क्या बेसिक परेशानियां होती हैं, उनसे डील कैसे करते हैं। मैं पहली बार एक शहरी लड़के का किरदार निभा रहा हूं। स्क्रिप्ट ऐसी थी कि पढ़ने के दौरान ही इसमें काम करने की इच्छा हो गई। एक तरह से देखा जाए तो पहली बार भाई-बहन के रिश्ते पर कोई शो बना है।'

कीर्ति ने ठुकराया था कल्कि 2898 एडी का ऑफर?

साउथ फिल्मों की खूबसूरत और बेहद उम्दा अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने फिल्म कल्कि 2898 एडी के लाखों प्रशंसक हैं। कीर्ति ने कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि कल्कि 2898 एडी में कीर्ति ने एक मुख्य भूमिका का ऑफर ठुकरा दिया था। लेकिन बुज्जी के किरदार को अपनाकर उन्होंने आज सभी का दिल जीत लिया है। वैसे कीर्ति इन दिनों अपनी आगामी तमिल फिल्म रघु थाथा के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। बता दें कि कीर्ति अभिनित फिल्म रघु थाथा इस स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। इसी फिल्म के प्रमोशन के दौरान कीर्ति ने फिल्म कल्कि 2898 एडी में अपनी भूमिका को लेकर बात की। कीर्ति भी फिल्म कल्कि 2898 एडी का हिस्सा थीं। इस फिल्म में कीर्ति ने प्रभास की बुज्जी को अपनी आवाज दी थी। हालांकि, फिल्म कल्कि 2898 एडी की स्क्रीनिंग के दौरान कीर्ति कहीं नजर नहीं आई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कीर्ति ने बताया कि उन्हें निर्देशक नाग अश्विन ने शुरू में एक अलग भूमिका की पेशकश की थी, लेकिन कीर्ति ने उस किरदार के लिए उन्हें मना कर दिया था। कीर्ति को जो ऑफर दिया जा रहा था, वह उससे संतुष्ट नहीं थीं। इसलिए जब नाग अश्विन ने उन्हें बुज्जी की आवाज देने का सुझाव दिया, तब उन्होंने इसे तुरंत ही स्वीकार कर लिया। बुज्जी की आवाज की भूमिका में कीर्ति की खूब प्रशंसा हुई है।

वॉर 2 के लिए ऋतिक ने सीखा जापानी तलवार कताना चलाना

वॉर 2 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, लेकिन इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से काफी ज्यादा उत्साह है। यशराज स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋतिक के साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आने वाले हैं। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है। यही वजह है कि दक्षिण भारत के लोगों को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वॉर 2 का फिल्मांकन काफी समय पहले शुरू किया जा चुका है। हालांकि, निर्माता बहुत हद तक शूटिंग से जुड़ी चीजों को गोपनीय रखने में कामयाब रहे हैं। इस बीच हाल ही में इस फिल्म को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारी सामने आई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में ऋतिक रोशन का एंट्री सीन कुछ ऐसा होगा जो दर्शकों की सांसें रोक देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक जापानी मठ में एक खतरनाक खलनायक के साथ तलवारबाजी करते नजर आएंगे। पहले खबर थी कि ऋतिक शाओलिन मंदिर में एक एक्शन सीन करेंगे, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में यह उनका इंट्रोडक्शन सीक्वेंस होगा। इस सीन को मार्च में शूट किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि फिल्म के लिए ऋतिक रोशन ने न केवल हफ्तों तक मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लिया, बल्कि जापानी तलवार कताना चलाना भी सीखा। इससे पहले जानकारी सामने आई थी कि वॉर के गाने जय जय शिव शंकर की तरह फिल्म के सीक्वल में भी एक गाना होगा, जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक थिरकते हुए दिखेंगे।

12वीं फेल से चमके विक्रांत मैसी फिर आई हसीन दिलरुबा समेत इन फिल्मों से जीता फैंस का दिल

अभिनेता विक्रांत मैसी इन दिनों नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसके साथ ही विक्रांत मैसी की दमदार अदाकारी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। विक्रांत ने छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक का लंबा सफर तय किया है। इस दौरान उन्होंने कई टीवी शोज, वेब सीरीज और और फिल्मों में काम किया। वहीं अब उन्हें अपने काम की खूब तारीफें सुनने मिलती हैं। दरअसल, फिल्म 12वीं फेल अभिनेता के करियर में मील का पत्थर साबित हुई, जिसने उनके करियर ग्राफ को बढ़ा दिया। ऐसे में चलिए जानते हैं विक्रांत की कुछ दमदार फिल्मों के बारे में।

फिर आई हसीन दिलरुबा

फिर आई हसीन दिलरुबा विक्रांत की रिलीज हुई सबसे ताजा फिल्म है, जो आज ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है। फिल्म में विक्रांत ने रिशु का किरदार निभाया है, जो अपनी पत्नी के साथ अपनी शादी को बचाने की कोशिश करता है। फिल्म में उनके साथ तापसी पन्नू और सनी कौशल भी नजर आए हैं। विक्रांत ने इस फिल्म में भी दमदार अदाकारी दिखा दर्शकों को दीवाना बना दिया।

12वीं फेल

12वीं फेल विक्रांत मैसी की बड़ी जीत के रूप में सामने आई है, जिसने अपनी दमदार कहानी और प्रदर्शन के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। 12वीं फेल का निर्देशन मृगदीप सिंह लांबा ने किया है और फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने इसे सह-निर्मित किया है। फिल्म में विक्रांत मैसी ने संघर्षों और चुनौतियों का सामना करते हैं, क्योंकि वे शैक्षणिक असफलताओं का अनुभव करने के बाद जीवन में आगे बढ़ते हैं।

हसीन दिलरुबा

हसीन दिलरुबा में विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका में हैं। यह विनील मैथ्यू द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है और 2021 में रिलीज हुई थी। विक्रांत ने रिशु को एक सौम्य व्यक्ति के रूप में पेश किया, जो खुद को प्यार, विश्वासघात और संदेह के जाल में उलझा हुआ पाता है।

ए डेथ इन द गंज

फिल्म ए डेथ इन द गंज कोंकणा सेन शर्मा द्वारा निर्देशित एक मनोरंजक ड्रामा फिल्म है। 2016 में रिलीज हुई यह उनकी पहली निर्देशित फिल्म है और इसमें विक्रांत मैसी, कल्कि कोचलिन, रणवीर शौरी और अन्य कलाकारों ने काम किया है। कहानी 1970 के दशक में सेट की गई है और एक पारिवारिक छुट्टी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो झारखंड के मैक्लुस्कीगंज में उनके पैतृक घर में अप्रत्याशित घटनाओं के सामने आने पर एक अंधेरे मोड़ पर आ जाती है।

छपाक

मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित मार्मिक ड्रामा फिल्म छपाक 2020 में रिलीज हुई थी। इसमें दीपिका पादुकोण ने मालती की भूमिका निभाई है, जो वास्तविक जीवन की एसिड अटैक सर्वाइवर लक्ष्मी अग्रवाल से प्रेरित है। विक्रांत मैसी ने अमोल की भूमिका निभाई है, जो एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो मालती को न्याय और सशक्तिकरण की लड़ाई में मदद करता है। यह फिल्म मालती के साहस की यात्रा को दर्शाती है, क्योंकि वह जघन्य हमले के बाद की स्थिति से निपटती है, कई सर्जरी से गुजरती है और अपने जीवन को फिर से बनाने का प्रयास करती है।

फरदीन खान की वापसी पर तापसी पन्नू ने दी शुभकामनाएं

तापसी पन्नू इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में हैं उनकी हालिया रिलीज फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को काफी सराहा जा रहा है। इस फिल्म में वह विक्रांत मैसी, सनी कौशल और जिमी शेरगिल के साथ नजर आ रही हैं। दर्शकों को इनकी केमिस्ट्री काफी पसंद भी आ रही है। इसके अलावा वह अपनी आगामी मल्टी स्टारर फिल्म खेल खेल में को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, वाणी कपूर, एमी विर्क आदि कई कलाकार नजर आने वाले हैं। तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने सह-कलाकार की वापसी को लेकर शुभकामनाएं दी हैं।